E-mail:-adhuniksamachar2014@gmail.com
website:www.adhuniksamachar.com

आधुनिक समाचार

आधुनिक भारत का आधुनिक नजरिया

प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक

वर्ष -12 अंक - 162 | प्रयागराज, सोमवार 12 अक्टूबर, 2026 | पृष्ठ- 8 | मूल्य : 3.00 रूपये

डोनाल्ड ट्रम्प- यूक्रेन को नए राष्ट्रपति की जरूरत,पुतिन शांति चाहते हैं, जेलेंस्की ने अमेरिका-रूस के बीच डीजल डील का विरोध किया था

वॉशिंगटन डीसी। डोनाल्ड ट्रम्प ने शनिवार को कहा कि यूक्रेन को नया राष्ट्रपति चुनना चाहिए। उन्होंने पत्रकारों से बात करते हुए दावा किया कि रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन यूक्रेन के साथ युद्ध खत्म करने के लिए शांति समझौता करना चाहते हैं, लेकिन यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की बातचीत के मौके गंवा रहे हैं। यह बयान ऐसे समय आया है, जब ट्रम्प ने शुक्रवार को बताया कि अमेरिका अब रूस से डीजल खरीदेगा। जेलेंस्की ने इस फैसले का विरोध किया। उन्होंने कहा था कि इससे रूस को युद्ध जारी रखने के लिए और पैसा मिलेगा। ट्रम्प ने यूक्रेन की ओर से रूस की तेल रिफाइनरियों पर किए जा रहे हमलों की भी आलोचना की। उन्होंने कहा कि इन हमलों से दुनिया में ईंधन की समस्या बढ़ सकती है। यूक्रेन रूस की तेल से जुड़ी सुविधाओं को निशाना बना रहा है। इससे रूस की तेल से होने वाली कमाई और उसकी सेना तक ईंधन पहुंचाने की व्यवस्था को नुकसान पहुंचा है। रूस ने फरवरी 2022 में यूक्रेन पर बड़े पैमाने पर हमला शुरू किया था। तब से दोनों देशों के बीच युद्ध जारी है। अमेरिका ने रूस से डीजल खरीदने पर पाबंदी हटाईः- ईरान-अमेरिका और इजराइल के युद्ध के कारण इस साल ईंधन की कीमतों में बढ़ोतरी हुई है। इसी बीच अमेरिका ने रूसी डीजल के निर्यात पर लगी पाबंदियां अगले साल अप्रैल तक हटा दीं है। इस फैसले से रूस के लिए अमेरिका और दूसरे देशों को डीजल बेचने का रास्ता खुल गया है। जेलेंस्की ने इस फैसले को कमजोर कदम बताया। उनका कहना है कि रूस को तेल और डीजल बेचने की छूट मिलने से उसकी कमाई बढ़ेगी और वह इस पैसे का इस्तेमाल युद्ध जारी रखने में कर सकेगा। मियामी में युद्ध रोकने की बातचीत बेनतीजा रहीः- अमेरिका और यूक्रेन के अधिकारियों के बीच 9 अक्टूबर को मियामी में युद्ध रोकने को लेकर करीब 6 घंटे बातचीत हुई थी। लेकिन कोई ठोस नतीजा नहीं निकला। बैठक में ट्रम्प के दूत जेरेड कुशनर और स्टीव विटकॉफ भी शामिल थे। जेलेंस्की ने कहा था कि यूक्रेन की टीम बातचीत के लिए गई थी, लेकिन इसके बाद रूस को राहत देने वाला फैसला कर लिया गया। यूक्रेन का मानना है कि रूस पर दबाव बनाए बिना युद्ध खत्म करना मुश्किल है। रूस को मनाने के लिए अमेरिका ने आर्थिक प्रस्ताव रखे थे सितंबर के आखिर में संयुक्त राष्ट्र महासभा की बैठक के दौरान अमेरिका ने रूस से युद्ध रोकने का समझौता कराने के लिए कुछ प्रस्तावों पर चर्चा की थी। इसके बदले रूस को आर्थिक राहत देने के विकल्प रखे गए थे। इनका मकसद ऊर्जा से जुड़ी जगहों और समुद्र में हमले रुकवाना था। प्रस्तावों में पश्चिमी देशों में जब्त रूस की सरकारी संपत्ति का कुछ हिस्सा लौटाना, रूसी कंपनी लुकोइल की कुछ संपत्तियां मध्य-पूर्व के निवेशकों को बेचने की इजाजत देना और बेलारूस को पोटाश (खाद बनाने में इस्तेमाल होता है) बेचने की छूट देना शामिल था।

ट्रम्प अटलांटिक या प्रशांत महासागर का नाम बदलेंगे,बोले ओशन या ओशन ऑफ द अमेरिका रखेंगे

वॉशिंगटन डीसी। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने अटलांटिक या पैसिफिक ओशन का नाम बदलकर 'ट्रम्प ओशन' या 'ओशन ऑफ द अमेरिका' रखने का सुझाव दिया है। ट्रम्प ने शनिवार को एक चुनावी रैली के दौरान कहा कि 2028 में अपना कार्यकाल खत्म होने से पहले वह एक महासागर और एक बड़ी नदी का नाम बदलना चाहते हैं। उनकी इस बात पर रैली में मौजूद लोग हंसने लगे और तालियां बजाने लगे। इससे पहले भी ट्रम्प खुद के नाम पर कई जगहों के नाम रखने का सुझाव दे चुके हैं। उन्होंने अपने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर कई बार होर्मुज स्ट्रेट को अमेरिकी इलाका बताते हुए कहा कि क्या इसका नाम बदलकर 'ट्रम्प स्ट्रेट' कर देना चाहिए। पहले भी कई जगहों के नाम बदल चुके हैं ट्रम्पः- मेक्सिको गल्फ को 'गल्फ ऑफ अमेरिका' किया-पिछले साल ट्रम्प ने मेक्सिको की खाड़ी का नाम बदलकर 'गल्फ ऑफ अमेरिका' कर दिया था। इस फैसले के बाद मेक्सिको के साथ कूटनीतिक तनाव बढ़ गया था। इस नाम को लेकर ट्रम्प प्रशासन और अमेरिकी न्यूज एजेंसी एसोसिएटेड प्रेस (एपी) के बीच भी विवाद हुआ। एपी ने खाड़ी के नए नाम को हर जगह इस्तेमाल करने से इनकार कर दिया था। इसके बाद राष्ट्रपति के कार्यक्रमों में एजेंसी की पहुंच को लेकर कानूनी लड़ाई शुरू हो गई थी। लेक ओंटारियो को भी 'लेक अमेरिका' कियाः-इस साल अगस्त में ट्रम्प ने अमेरिका के न्यूयॉर्क राज्य और कनाडा के बीच स्थित लेक ओंटारियो का नाम बदलकर 'लेक अमेरिका' कर दिया था। द वॉशिंगटन पोस्ट के मुताबिक, यह फैसला कनाडा के नेताओं के साथ व्यापार और टैरिफ को लेकर चल रहे तनाव के बीच आया था। न्यू मेक्सिको राज्य का नाम बदलने का भी सुझाव दियाः- ट्रम्प ने अमेरिका के न्यू मेक्सिको राज्य का नाम बदलकर 'न्यू अमेरिका' रखने का सुझाव भी दिया था। पिछले महीने उन्होंने यह विचार सामने रखा था। हालांकि, बाद में उन्होंने कहा कि इस बारे में फैसला राज्य के लोगों को ही करना होगा। द वॉशिंगटन पोस्ट के मुताबिक, न्यू मेक्सिको में रिपब्लिकन पार्टी के एक उम्मीदवार के समर्थन में वीडियो संदेश में ट्रम्प ने कहा था, 'मैं इस पर जोर नहीं दूंगा, लेकिन बहुत से लोगों को यह नाम काफी पसंद है।' क्या अमेरिका अकेले नाम बदल सकता है? अमेरिकी सरकार अपने आधिकारिक दस्तावेजों, सरकारी नक्शों और रिकॉर्ड में किसी जगह के लिए नया नाम इस्तेमाल करने का फैसला कर सकती है। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि दूसरे देश भी उस नाम को स्वीकार करने के लिए बाध्य होंगे। अंटलांटिक और पैसिफिक ओशन नॉर्थ से साउथ अमेरिका तक फैला हुआ है। इसलिए यह ओशन कई देशों से जुड़ा है। इसलिए अगर अमेरिकी सरकार अपने दस्तावेजों में इसे 'ट्रम्प ओशन' कहना शुरू भी कर दे, तो भी दूसरे देश और अंतरराष्ट्रीय संस्थाएं अमेरिकी नाम को अपने आप अपनाने के लिए बाध्य नहीं होंगी। यानी नाम बदलने से महासागर का मालिकाना हक नहीं बदल जाएगा। नया नाम इस्तेमाल करने से यह अमेरिकी क्षेत्र नहीं बन जाएगा।

नेपाल की बूढ़ी गंडकी नदी में बाढ़-एक बार फिर मची तबाही,10 लापता, स्यारी नदी का रास्ता बंद, बिहार में भी खतरा

काठमांडू। नेपाल के गोरखा जिले में रविवार सुबह बूढ़ी गंडकी नदी में अचानक बाढ़ आने से कई गांवों को नुकसान पहुंचा है। बाढ़ में करीब 35 घर और 6 पुल बह गए, जबकि कम से कम 10 लोग लापता हैं। उनकी तलाश की जा रही है। बाढ़ से 341 मेगावाट के बूढ़ी गंडकी हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट का निर्माण कैंप और कई मशीनें भी बह गईं। बाढ़ का पानी सुबह करीब 4 बजे बस्तियों में घुसा, जिसके बाद लोगों को घर छोड़कर सुरक्षित जगहों पर जाना पड़ा। शुरुआती जानकारी के मुताबिक, ऊंचे पहाड़ी इलाके में भूस्खलन के कारण चुन्चुब्री स्यारी नदी का रास्ता बंद हो गया था। इससे पानी जमा हुआ और फिर अचानक तेज बहाव के साथ नीचे आया। इससे पहले 26 अगस्त को भोटेकोशी और त्रिशूली नदी में आई बाढ़ में 1455 लोगों की मौत हुई थी। साथ ही 5,285 लोग अब भी लापता हैं। सरकार ने बताया कि लगातार हो रहे भूस्खलन के बीच लापता लोगों की तलाश जारी है। बिहार में भी बाढ़ का खतराः- बूढ़ी गंडकी नदी में बाढ़ आने से बिहार में भी खतरा बढ़ सकता है। यह नदी आगे त्रिशूली से मिलती है। फिर दोनों का पानी देवघाट के पास नारायणी नदी में पहुंचता है। यही नदी भारत में गंडक के नाम से बिहार में आती है और आगे गंगा में मिल जाती है। ऐसे में अगर पानी का बहाव बढ़ता है, तो बिहार में गंडक किनारे बसे इलाकों पर असर पड़ सकता है। इनमें पश्चिम चंपारण, गोपालगंज और वैशाली जैसे जिले शामिल हैं। हालांकि, अभी यह साफ नहीं है कि नेपाल में आई बाढ़ से बिहार में जलस्तर बढ़ेगा या नहीं। एसएमएस भेजकर लोगों को सुरक्षित जगह जाने की सलाहः-गोरखा जिला पुलिस कार्यालय के इंस्पेक्टर आकाश कंडेल ने बताया कि बाढ़ के खतरे को देखते हुए प्रशासन ने सिरदिबास और धारचे ग्रामीण नगरपालिका के खोर्लाबेसी, माछाखोला, सोती, अरखेत और आरुघाट में रहने वाले लोगों को सुरक्षित जगहों पर जाने की सलाह दी। आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..

हूती विद्रोही सऊदी अरब को यमन में कैसे फंसा गए,यूएई ने गलत फैसलों की वजह से छोड़ा साथ-ट्रम्प ने भी नहीं की मदद

रियाद। सऊदी अरब के क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान अपने देश को तेल की कमाई से निकालकर दुनिया का बड़ा निवेश और पर्यटन केंद्र बनाना चाहते हैं। लेकिन जिस यमन युद्ध से वे पिछले 11 साल से निकलने की कोशिश कर रहे थे, उसी ने उन्हें फिर घेर लिया है। ईरान समर्थित हूती विद्रोही सऊदी शहरों, हवाई अड्डों और तेल ठिकानों को निशाना बना रहे हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक, कई गलत फैसलों के कारण सऊदी अरब की मुश्किलें बढ़ी हैं। पिछले साल यमन को लेकर सऊदी अरब और यूएई के बीच पुरानी साझेदारी टूट गई। सऊदी के खिलाफ लड़ाई में ट्रम्प ने भी सलमान का साथ नहीं दिया। अब सऊदी अरब अपने सहयोगी देशों की मदद से हूतियों के खिलाफ नया अभियान चला रहा है, लेकिन युद्ध से बाहर निकलने का रास्ता साफ नहीं है। यूएई के हटते ही कमजोर पड़ी सऊदी की रणनीतिः- सऊदी अरब और यूएई पहले यमन में हूती विद्रोहियों के खिलाफ साथ मिलकर लड़ रहे थे। लेकिन बाद में दोनों के हित टकराने लगे। सबसे बड़ा झगड़ा इस बात पर हुआ कि युद्ध के बाद यमन पर किसका और किस तरह का शासन होना चाहिए। सऊदी अरब- यमन में अंतरराष्ट्रीय मान्यता प्राप्त सरकार का समर्थन करता है। यूएई- यमन में अलग देश की मांग करने वाले एसटीसी के साथ खड़ा है। 2025 के आखिर में एसटीसी ने दक्षिणी यमन के कई इलाकों पर कब्जा कर लिया। सऊदी अरब को लगा कि इससे उसकी सीमा की सुरक्षा खतरे में पड़ सकती है। इसके बाद दिसंबर 2025 में सऊदी अरब ने मुकल्ला पोर्ट पर हवाई हमला किया। सऊदी का आरोप था कि वहां यूएई से आए हथियार उतारे जा रहे थे। जबकि यूएई का कहना था कि जहाजों में हथियार नहीं थे और सामान यमन में तैनात उसके सैनिकों के लिए था। इसके बाद दोनों देशों के बीच तनाव और बढ़ गया। यूएई ने यमन में हूती विद्रोहियों के खिलाफ लड़ने वाले अपने सैनिक वापस बुला लिए। इसका असर यमन में हूतियों के खिलाफ लड़ रहे गुटों पर पड़ा। आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..

होर्मुज में तेल टैंकर समुद्री माइन से टकराया,जहाज में धमाके के बाद लगी आग-10 दिन में अब तक 13 घटनाएं

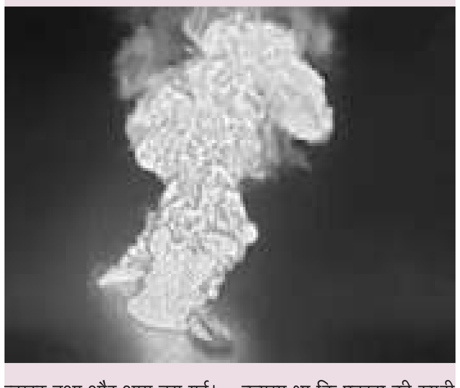

तेहरान। होर्मुज स्ट्रेट में एक तेल टैंकर समुद्री माइन से टकरा गया। इसके बाद जहाज में ब्लास्ट हुआ और आग लग गई। ईरान के रिवोल्यूशनरी गार्ड्स ने शनिवार को यह जानकारी दी। हालांकि, उन्होंने जहाज की पहचान और वह किस देश का है यह नहीं बताया। रॉयटर्स के मुताबिक, 28 सितंबर से 5 अक्टूबर के बीच होर्मुज स्ट्रेट के आसपास तेल, लिक्विफाइड नेचुरल गैस (एलएनजी) और लिक्विफाइड पेट्रोलियम गैस (एलपीजी) ले जाने वाले टैंकरों से जुड़ी 13 घटनाएं हुईं। अमेरिका बोला- ईरान समुद्री रास्तों पर मौजूदगी बनाए रखना चाहता हैः- अमेरिकी नौसेना के नेतृत्व वाले जॉइंट मैरीटाइम इन्फॉर्मेशन सेंटर (जेएमएसी) ने रविवार को कहा कि होर्मुज में ऐसी गतिविधियां जारी हैं। उन्होंने कहा, 'इन गतिविधियों से पता चलता है कि ईरान समुद्री रास्तों पर अपनी मौजूदगी बनाए रखना चाहता है और वहां से गुजरने वाले जहाजों पर दबाव बनाए रखना चाहता है।' 6 अक्टूबरः व्यापारिक जहाज पर हमला, 11 भारतीय जख्मीः- भारत ने 6 अक्टूबर को ओमान के पास होर्मुज स्ट्रेट में पनामा के झंडे वाले व्यापारिक जहाज पर हमले की निंदा की थी। हमले में 12 क्रू मेंबर घायल हुए थे, जिनमें 11 भारतीय थे। विदेश मंत्रालय के मुताबिक, जहाज एमटी ऑन पीस ओमान के तट से गुजर रहा था। इसी दौरान उस पर एक प्रोजेक्टाइल से हमला हुआ। जहाज पर कुल 19 लोग सवार थे। इनमें 17 भारतीय नागरिक थे। ओमानी अधिकारियों की मदद से घायलों को निकालकर ओमान के खासाब में इलाज के लिए भर्ती कराया गया है। फरवरी से अब तक होर्मुज में हमलो में 100 से ज्यादा भारतीय नाविक प्रभावित हो चुके हैं। वहीं, इन हमलों में 11 भारतीय नाविकों की जान गई। खाड़ी क्षेत्र में 4,500 से ज्यादा भारतीय नाविकः-विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने 29 सितंबर को बताया था कि फारस की खाड़ी और आसपास के इलाके में अलग-अलग कमर्शियल जहाजों पर 4,500 से ज्यादा भारतीय नाविक काम कर रहे हैं। उन्होंने बताया था कि होर्मुज स्ट्रेट के पश्चिम में 6 भारत-झंडे वाले कमर्शियल जहाज मौजूद हैं। इसके अलावा 6 विदेशी झंडे वाले जहाज भी भारत के लिए सामान लेकर चल रहे हैं। इन 12 जहाजों पर करीब 163 भारतीय नाविक सवार हैं। जायसवाल के मुताबिक, भारत का शिपिंग मंत्रालय इन जहाजों की आवाजाही पर नजर रख रहा है। भारतीय दूतावासों और स्थानीय एजेंसियों के साथ मिलकर नाविकों की सुरक्षा और उनकी स्थिति की निगरानी की जा रही है। जरूरत पड़ने पर भारतीय मिशन उनकी मदद के लिए जरूरी कदम उठा रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र में भी भारत ने उठाया था मुद्दाः- विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने 26 सितंबर को संयुक्त राष्ट्र में कमर्शियल जहाजों और नाविकों की सुरक्षा का मुद्दा उठाया था। उन्होंने कहा था कि होर्मुज स्ट्रेट, रेड सी और ब्लैक सी में जहाजों और नाविकों पर लगातार हमले हो रहे हैं। उन्होंने इन हमलों को पूरी तरह अस्वीकार्य बताते हुए कहा था कि ऐसी हिंसा और जान का नुकसान रुकना चाहिए। इसके अगले दिन संयुक्त राष्ट्र महासभा में भारत के बयान में भी जयशंकर ने कहा कि समुद्र में बढ़ते नए खतरे पहले से मौजूद जमीनी संकट को और गंभीर बना रहे हैं। उन्होंने कहा कि खाड़ी और दूसरे समुद्री रास्तों पर हुए हमलों में भारतीय और अन्य देशों के नाविकों की जान गई है। भारत ने तनाव कम करने, संयम बरतने और कमर्शियल जहाजों की सुरक्षित आवाजाही सुनिश्चित करने की अपील की।

रियाद एयरपोर्ट पर हूती विद्रोहियों का हमला,12 मौतें, 300 लोग घायल

24 घंटे में 225 उड़ानें रद्द; 20 दिन में चौथा हमला

रियाद। सऊदी अरब की राजधानी रियाद के किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर शनिवार को हूती विद्रोहियों ने फिर हमला किया। धमाके में 12 लोगों की मौत हुई है, जबकि 300 से ज्यादा लोग घायल हुए हैं। कुछ घायलों की हालत गंभीर है। मृतकों में 4 सऊदी, 2 बांग्लादेशी और अमेरिका, फिलिस्तीन, मिस्र, जॉर्डन, सीरिया और सूडान के एक-एक नागरिक शामिल हैं। हमले के बाद एयरपोर्ट खाली कराया गया और उड़ानें रोक दी गईं। बीते 24 घंटे में एयरपोर्ट की कम से कम 225 उड़ानें रद्द हुईं। रियाद एयरपोर्ट पर बीते 20 दिन में यह चौथा हमला है। हूतियों ने इस हफ्ते अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस को चेतावनी दी थी कि सऊदी अरब के हवाई क्षेत्र में उड़ानें चलाने के गंभीर नतीजे हो सकते हैं।यमन में हूती विद्रोहियों और सऊदी अरब के समर्थन वाली सरकारी सेना के बीच लड़ाई तेज हो गई है। सऊदी अरब अपने लड़ाकू विमानों से हूतियों के ठिकानों पर हवाई हमले कर रहा है, जबकि यमन की सरकारी सेना जमीन पर आगे बढ़ रही है। इसका मकसद लाल सागर के पास हूतियों के कब्जे वाले इलाकों को वापस लेना और बाब-अल-मंदेब स्ट्रेट पर उनका दबदबा कम करना है। यह समुद्री रास्ता दुनिया के व्यापार और तेल की सप्लाई के लिए बेहद अहम है। हालिया सैन्य कार्रवाई के जवाब में हूतियों ने भी सऊदी अरब के एयरपोर्ट, तेल ठिकानों और सैन्य अड्डों को निशाना बनाने का दावा किया है। इससे दोनों पक्षों के बीच तनाव और बढ़ गया है। अमेरिका, सऊदी के साथ मिलकर हूतियों पर हमला कर सकता हैः-अमेरिका हूती विद्रोहियों के खिलाफ सऊदी अरब के साथ मिलकर सैन्य कार्रवाई करने पर विचार कर रहा है। किंग खालिद इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर हुए हमले के बाद अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प इसे लेकर बयान दिया है। ट्रम्प से पूछा गया कि क्या अमेरिका सऊदी अरब के साथ मिलकर हूतियों पर हमले करेगा तो उन्होंने कहा-'हम ऐसा कर सकते हैं। हमें हाल ही में हुए हमले के बारे में अभी पता चला है।

हम बहुत तेजी से कार्रवाई करते हैं। सऊदी अरब के सैनिक अच्छी लड़ाई लड़ते हैं। लेकिन मुझे लगता है कि यह हमला बहुत भयानक था।

' एयर इंडिया समेत कई एयरलाइंस ने उड़ानें रोकींः- सऊदी अरब पर बढ़ते हमले के बीच कई अंतरराष्ट्रीय एयरलाइंस ने रियाद और दूसरे सऊदी एयरपोर्ट के लिए उड़ानें रोक दी हैं। इनमें एयर इंडिया, फ्लाईदुबई, लुफ्थांसा ग्रुप और पाकिस्तान इंटरनेशनल एयरलाइंस शामिल हैं। आगे की खबर पेज संख्या 07 पर..

अमेरिका में फायरिंग में बच्चों समेत 9 की मौत,आरोपी ने खुद को भी मारी गोली, इस साल मास शूटिंग में 320 से ज्यादा हुई मौतें

पेनसिल्वेनिया। अमेरिका के पेंसिल्वेनिया राज्य में शुक्रवार शाम हुई फायरिंग में बच्चों समेत 9 लोगों की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, संदिग्ध हमलावर भी मृत मिला। आशंका है कि उसने खुद को गोली मारी। घटना एरी शहर की पेरी स्ट्रीट पर हुई। अमेरिकी न्यूज चैनल डब्लूसीवीबी के मुताबिक, 24 सितंबर तक इस साल अमेरिका में मास शूटिंग की 343 घटनाएं दर्ज की गई थीं। इन घटनाओं में 320 से ज्यादा लोगों की मौत हुई। पुलिस को सड़क पर दो महिलाओं के शव मिलेः-एनबीसी फिलाडेल्फिया की रिपोर्ट के मुताबिक 9 अक्टूबर को शाम करीब 5 बजे पुलिस को एरी शहर की पेरी स्ट्रीट पर गोलीबारी की सूचना मिली। चश्मदीदों ने बताया कि एक व्यक्ति ने घर के बाहर गोलियां चलाईं और फिर अंदर चला गया। मौके पर पहुंची पुलिस को सड़क पर दो महिलाओं के शव मिले। रिपोर्ट के मुताबिक इनमें से एक महिला गर्भवती थी। इसके बाद पुलिस और खास कमांडो टीम (स्वाट) ने घर को घेर लिया। इसी दौरान घर के अंदर से और गोलियां चलने की आवाजें सुनाई दीं। बाद में जब पुलिस घर के अंदर दाखिल हुई, तो वहां सात और लोगों के शव मिले। इनमें बच्चे भी शामिल थे। संदिग्ध हमलावर भी घर के अंदर मृत मिला। पुलिस ने आरोपी की पहचान नहीं बताईः- पुलिस मामले की जांच में जुटी है। फिलहाल आरोपी की पहचान उजागर नहीं की है। गोलीबारी क्यों की गई इसकी वजह भी अभी सामने नहीं आई है। अधिकारियों के मुताबिक, जांच जारी है। फिलहाल घटना के पीछे की वजह को लेकर कोई आधिकारिक जानकारी नहीं दी गई है। इस साल अमेरिका में हुई गोलीबारी की बड़ी घटनाएंः- 1 मार्च - टेक्सासः ऑस्टिन में एक बार के बाहर गोलीबारी हुई। इस घटना में 3 लोगों की मौत हुई और 14 लोग घायल हुए। 19 अप्रैल - लुइसियानाः एक व्यक्ति ने दो घरों में गोलीबारी कर 8 बच्चों की हत्या कर दी। बाद में पुलिस के साथ मुठभेड़ के दौरान उसकी भी मौत हो गई। 23 अगस्त - मोंटानाः एक व्यक्ति ने परिवार के साथ रविवार का खाना खाते समय गोलीबारी की। इसमें 8 रिश्तेदारों की मौत हो गई, जिनमें 4 बच्चे थे। बाद में घर में आग लग गई। आरोपी की भी मौत हो गई। 4 अक्टूबर - जॉर्जियाः एक पार्टी के दौरान गोलीबारी में 2 लोगों की मौत हो गई और करीब 35 लोग घायल हुए।

नवरात्रि में अवनी सिंह राजपूत के डांडिया लुक ने मचाया धमाल, ट्रेडिशनल अंदाज ने जीता दिल

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) प्रयागराज। मॉडल एवं सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर अवनी सिंह राजपूत इन दिनों अपने खूबसूरत नवरात्रि डांडिया लुक को लेकर चर्चा में हैं। काले रंग के आकर्षक लहंगे, रंग-बिरंगी कढ़ाई और पारंपरिक आभूषणों में उनका अंदाज बेहद मनमोहक नजर आ रहा है। उनके पारंपरिक परिधान में गुजराती संस्कृति की झलक और आधुनिक फैशन का शानदार मेल दिखाई दे रहा है। लहंगे की खूबसूरत कारीगरी, रंगीन

सजावट और आकर्षक स्टाइल ने उनके नवरात्रि लुक को खास बना दिया है। अवनी सिंह राजपूत का यह ट्रेडिशनल अवतार नवरात्रि फैशन के शौकीनों के लिए खास आकर्षण बना हुआ है। उनका यह अंदाज त्योहारों में भारतीय पारंपरिक परिधानों के प्रति युवाओं के बढ़ते आकर्षण को भी दर्शाता है।

शारदीय नवरात्रि एवं आगामी त्योहारों के दृष्टिगत ग्रामीण क्षेत्रों में चलेगा विशेष स्वच्छता अभियान

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। शनिवार को जिलाधिकारी सरनीत कौर ब्रोका के निर्देशों के क्रम में आगामी शारदीय नवरात्रि एवं अन्य त्योहारों के दृष्टिगत जनपद के ग्रामीण क्षेत्रों में विशेष स्वच्छता कुमार सिंह ने पंचायती राज विभाग के सभी सफाई कर्मियों एवं जनपद की समस्त ग्राम पंचायतों के सचिवों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए हैं। उन्होंने निर्देशित किया है कि ग्राम पंचायतों में स्थापित दुर्गा

अभियान चलाया जाएगा। अभियान के अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में स्थित देवी मंदिरों, प्रमुख देवी स्थलों, दुर्गा पूजा पंडालों तथा उनके आसपास के क्षेत्रों में विशेष साफ-सफाई सुनिश्चित की जाएगी, जिससे श्रद्धालुओं एवं आमजन को स्वच्छ वातावरण उपलब्ध हो सके और त्योहारों का आयोजन स्वच्छ, सुरक्षित एवं सुव्यवस्थित माहौल में संपन्न हो। आगामी त्योहारों यथा शारदीय नवरात्रि, दुर्गा पूजा, महाष्टमी, राम नवमी, दशहरा, महर्षि वाल्मीकि जयंती, धनतेरस, नरक चतुर्दशी, दीपावली, गोवर्धन पूजा, छठ पूजा एवं कार्तिक पूर्णिमा के मद्देनजर यह अभियान संचालित किया जाएगा अभियान के दौरान धार्मिक स्थलों एवं पूजा पंडालों के आसपास नियमित सफाई, कूड़ा-करकट का उचित निस्तारण तथा सार्वजनिक स्थलों को स्वच्छ रखने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। जिला पंचायत राज अधिकारी विनय पूजा पंडालों, प्रमुख देवी मंदिरों एवं अन्य धार्मिक स्थलों के आसपास विशेष साफ-सफाई कराई जाए तथा अभियान को प्रभावी ढंग से संचालित किया जाए। साथ ही, यह सुनिश्चित किया जाए कि धार्मिक आयोजनों के दौरान संबंधित स्थलों पर स्वच्छता बनी रहे और कहीं भी अनावश्यक रूप से कूड़ा-करकट एकत्र न होने पाए। सभी सहायक विकास अधिकारी (पंचायत) को अपने-अपने विकासखंडों में अभियान की सतत निगरानी करने के निर्देश दिए हैं। उन्होंने ग्राम पंचायत सचिवों एवं सफाई कर्मियों की जिम्मेदारी निर्धारित करते हुए निर्देशों का समयबद्ध अनुपालन सुनिश्चित कराने को कहा है। अभियान के दौरान सफाई व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरतने तथा संबंधित अधिकारियों एवं कर्मचारियों को अपने दायित्वों का पूरी जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करने के निर्देश दिए गए हैं।

जरीयारी हायर सेकेंडरी स्कूल में प्रतिभा सम्मान समारोह संपन्न

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मैहर/अमरपाटन/जरीयारी। शनिवार को शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय जरीयारी में आज जिला शिक्षा अधिकारी मैहर/सतना के निर्देशानुसार वार्षिक परीक्षा परिणाम में सुधार के उद्देश्य से त्रैमासिक परीक्षा में कक्षा 9वीं से 12वीं तक प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय खरमसेड़ा, तहसील अमरपाटन के प्रभारी प्राचार्य उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता विद्यालय के संस्था प्रमुख राम सुचित यादव ने की। इस अवसर पर शाला प्रबंधन समिति (एसएमसी) की अध्यक्ष श्रीमती अभिलाषा पटेल, मध्यप्रदेश शासन द्वारा पुरस्कृत योग शिक्षक दीप नारायण पटेल बुढेरूआ एवं उनके सहयोगी योग प्रशिक्षक प्रदीप कुमार साहू, एसएमसी सदस्य संतोष कुमार भट्ट सहित समस्त स्टाफ एवं विद्यार्थी मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलन एवं वंदना के साथ किया गया। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के उपलक्ष्य में योग शिक्षक श्री दीप नारायण पटेल ने सभी को जीवन में शांति और तनाव से मुक्ति के लिए नियमित योग और ध्यान करने हेतु प्रेरित किया। मुख्य अतिथि ने पुरस्कृत बच्चों को बधाई देते हुए भविष्य में और बेहतर परिणाम लाने के लिए समय प्रबंधन (Time Management) के महत्व को विस्तार से समझाया। अंत में आभार प्रदर्शन किया गया।

290.50 करोड़ रुपये से सोनभद्र में बिछेगा सड़कों का जाल, औद्योगिक विकास को मिलेगी रफ्तार,योगी सरकार की औद्योगिक लॉजिस्टिक योजना के तहत 13 सड़कों के निर्माण का प्रस्ताव शासन को भेजा गया

चुर्क सीमेंट फैक्ट्री तक भारी वाहनों की आवाजाही होगी आसान, आमजन को भी मिलेगी आवागमन में राहत,सड़कों के निर्माण के संबंध में जिलाधिकारी ने शासन को भेजा प्रस्ताव

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। शनिवार को औद्योगिक विकास को गति देने और

आवागमन की सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए योगी सरकार सोनभद्र में सड़क इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूत करने पर जोर दे रही है। औद्योगिक लॉजिस्टिक योजना के तहत जिले में 13 सड़कों के निर्माण के प्रस्ताव जिला प्रशासन ने शासन को भेजे हैं। यह प्रस्ताव औद्योगिक क्षेत्रों को बेहतर सड़क संपर्क उपलब्ध कराने, भारी वाहनों के सुगम आवागमन और स्थानीय लोगों की यात्रा को सुविधाजनक बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं। इससे जिले में औद्योगिक गतिविधियों को बढ़ावा मिलने के साथ ही परिवहन व्यवस्था को भी मजबूती भी मिलेगी। जिलाधिकारी चर्चित गौड़ ने बताया कि औद्योगिक जरुरतों और स्थानीय आवागमन को ध्यान में रखते हुए विभिन्न क्षेत्रों में सड़क निर्माण के प्रस्ताव तैयार किए गए हैं। किरहुलिया से महुली विहार बॉर्डर तक 12 किलोमीटर सड़क के निर्माण के लिए 47.76 करोड़ रुपये का प्रस्ताव भेजा गया है। वहीं, चेरुई से मारकुंडी जूनियर हाईस्कूल तक 6.4 किलोमीटर सड़क के निर्माण पर 24.32 करोड़ रुपये खर्च होने का अनुमान है। खड़िया से वाराणसी-शक्तिनगर मार्ग तक आठ किलोमीटर सड़क का निर्माण भी प्रस्तावित है, जिस पर 23 करोड़ रुपये खर्च किए जाने का अनुमान है। चुर्क में दो फोरलेन लिंक रोड बनाने का प्रस्ताव:- औद्योगिक परिवहन को सुगम बनाने के लिए चुर्क क्षेत्र में दो महत्वपूर्ण फोरलेन लिंक रोड के निर्माण की योजना है। 4.9 किलोमीटर लंबी चुर्क सीमेंट फैक्ट्री लिंक रोड के लिए 49.95 करोड़ रुपये और 4.84 किलोमीटर लंबी चुर्क-भिलाई बंधी रोड के लिए 49.85 करोड़ रुपये का प्रस्ताव भेजा गया है। इन सड़कों के निर्माण से चुर्क सीमेंट फैक्ट्री तक भारी वाहनों की आवाजाही अधिक सुगम हो सकेगी। इससे औद्योगिक परिवहन में लगने वाले समय और परिचालन संबंधी परेशानियों को कम करने में मदद मिल सकती है। 59 करोड़ से पटवध-बसुहारी मार्ग के निर्माण का प्रस्ताव :-इसके अतिरिक्त 31 किलोमीटर लंबे पटवध-बसुहारी मार्ग के निर्माण के लिए 58.88 करोड़ रुपये का प्रस्ताव है। बर्दिया लिंक रोड के लिए 12 करोड़ रुपये, बिल्ली मारकुंडी स्थित तेज स्टोन क्रेशर प्लांट से विजय आईटीआई तक सड़क निर्माण के लिए 4 करोड़ रुपये तथा मीना बाजार घुरमा फीडर से मारकुंडी के कुनियांव टोला तक 7.5 किलोमीटर सड़क के लिए 15.99 करोड़ रुपये प्रस्तावित हैं। डाला क्षेत्र में भी सड़क संपर्क बेहतर करने की योजना है। यहां एक किलोमीटर सड़क के निर्माण के लिए 2 करोड़ रुपये तथा बग्गा नाला से डिग्री कॉलेज रोड तक लगभग 3.5 किलोमीटर सड़क के लिए 80 लाख रुपये का प्रस्ताव भेजा गया है। नधिरा से बखिरवा तक 10 किलोमीटर सड़क के निर्माण के लिए 1.60 करोड़ रुपये और ओबरा में एक अन्य सड़क के निर्माण के लिए 35 लाख रुपये का प्रस्ताव भी शासन को भेजा गया है। चार स्वीकृत प्रस्तावों पर जल्द शुरू होगा निर्माण कार्य:- जिलाधिकारी ने बताया कि पूर्व में भेजे गए सड़क निर्माण के चार प्रस्तावों को शासन से वित्तीय स्वीकृति मिल चुकी है, जबकि एक अन्य प्रस्ताव स्वीकृति की प्रक्रिया में है। जिन सड़कों को वित्तीय स्वीकृति मिल गई है, उनका निर्माण जल्द शुरू कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए गए हैं। योगी सरकार की प्राथमिकता के अनुरूप सड़क नेटवर्क का विस्तार सोनभद्र में औद्योगिक गतिविधियों, माल परिवहन और आमजन की आवाजाही को बेहतर बनाने में महत्वपूर्ण साबित हो सकता है। बेहतर सड़क संपर्क से औद्योगिक इकाइयों को परिवहन सुविधा मिलने के साथ स्थानीय क्षेत्रों की कनेक्टिविटी मजबूत होगी और जिले के आर्थिक विकास को नई गति मिलने की उम्मीद है।

कलेक्टर श्रीमती मुखर्जी का नवाचार,नवरात्रि पर्व पर मंदिर समिति द्वारा सभी दिवस आयोजित होंगे विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम

कलेक्टर श्रीमती मुखर्जी के निर्देशन में आयोजित नवरात्रि मेले में 11 अक्टूबर को होगा चित्रकला, स्केचिंग एवं फूड फेस्टिवल का आयोजन,मां शारदा देवी मंदिर समिति द्वारा बंधा बैरियर प्रांगण में आयोजित होंगी प्रतियोगिताएं

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मैहर। शविवार को विश्व प्रसिद्ध मां शारदा देवी मंदिर मैहर में कलेक्टर श्रीमती बिदिशा मुखर्जी के निर्देशन में आयोजित नवरात्रि मेले के अवसर पर 11 अक्टूबर 2026, रविवार को सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला के अंतर्गत चित्रकला, स्केचिंग एवं फूड फेस्टिवल का आयोजन किया जाएगा। मां शारदा देवी मंदिर प्रबंध समिति द्वारा निर्धारित सांस्कृतिक कार्यक्रम कैलेंडर के अनुसार कार्यक्रम मंदिर प्रबंध समिति द्वारा बंधा बैरियर प्रांगण में आयोजित होगा। कार्यक्रम का आयोजन प्रातः 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक किया जाएगा। आयोजन के लिए स्कूल शिक्षा विभाग एवं जल संसाधन विभाग को नोडल विभाग की जिम्मेदारी सौंपी गई है। मां शारदा देवी एवं मां शारदा लोक की थीम पर होंगी प्रतियोगिताएं:- कार्यक्रम के अंतर्गत चित्रकला एवं स्केचिंग

प्रतियोगिताओं में मां शारदा देवी, अन्य देवी-देवताओं की प्रतिमाओं तथा मां शारदा लोक पर आधारित विषयों को प्रमुखता दी जाएगी। प्रतिभागियों को अपनी कलात्मक प्रतिभा प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा। इसके साथ ही फूड फेस्टिवल का आयोजन भी किया जाएगा। नवरात्रि मेले में सांस्कृतिक गतिविधियों को मिलेगा प्रोत्साहन:- नवरात्रि मेले के दौरान आयोजित की जा रही सांस्कृतिक गतिविधियों का उद्देश्य श्रद्धालुओं एवं प्रतिभागियों को धार्मिक, सांस्कृतिक और रचनात्मक गतिविधियों से जोड़ना है।चित्रकला एवं स्केचिंग प्रतियोगिताओं के माध्यम से प्रतिभागियों को अपनी सृजनात्मक क्षमता प्रदर्शित करने का अवसर मिलेगा, वहीं फूड फेस्टिवल आयोजन को आकर्षक स्वरूप प्रदान करेगा। मां शारदा देवी मंदिर प्रबंध समिति के सांस्कृतिक कार्यक्रम कैलेंडर के अनुसार नवरात्रि मेले में प्रतिदिन विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक गतिविधियां आयोजित की जाएंगी।

सई नदी की सफाई के बाद गंगा आरती की तर्ज पर सई नदी आरती की हुई शुरुआत

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। शनिवार को सुनिए

कथा रघुनाथ की समिति के अध्यक्ष विवेक मिश्रा उर्फ पल्लू ने आज एक नई पहल की शुरुआत की। सई नदी की जलकुंभी की सफाई के बाद निर्मल हुई सई नदी के टूटे पुल के ऊपर संगीतमय सुंदरकांड का सफल आयोजन किया और गंगा आरती की तरह आज से सई आरती भी किए जाने की शुरुआत की। आशु शुक्ला एंड कंपनी द्वारा अपराह्न 3:00 बजे से संगीतमय सुंदरकांड का पाठ प्रारंभ किया, जिसको सुनने के लिए समाज के हर उम्र के व्यक्ति वहां मौजूद रहे। सुंदरकांड के समापन के बाद एक नई पहल करते हुए आरती के थाल सजाए गए और आज से सई नदी की आरती प्रारंभ की गई । आयोजकों द्वारा बताया गया कि सई भी रायबरेली के लिए बड़ी महत्वपूर्ण नदी है और शहर वासियों के लिए यह गंगा से कम नहीं है, इसलिए अब प्रत्येक दिन सायं काल को सई आरती का आयोजन किया जाएगा, जिसमें समाज के हर व्यक्ति उपस्थित रहेंगे। नवयुवक समाजसेवियों द्वारा जो इस संबंध में कार्यवाहियां की गई है वह

निःसंदेह प्रशंसनीय है और जनमानस में इसकी बड़ी सराहना की जा रही है। इस टीम द्वारा नगर के प्रमुख समस्याओं वाले स्थल को समस्या से मुक्त करने का बीड़ा उठाया गया है। इसी क्रम में पूर्व में इस टीम द्वारा लखनऊ रोड से सुल्तानपुर रोड को जोड़ने वाली अभय दाता मंदिर वाली रोड का जीर्णोद्धार अपने बल पर कराया गया, जिसमें किसी भी प्रकार की कोई आर्थिक सहायता सरकार या प्रशासन द्वारा नहीं प्रदान की गई यही नहीं उस रोड पर जहां भी अंधेरा रहता था वहां पर फ्लड लाइट लगाकर प्रकाश की व्यवस्था भी कराई गई। समिति के इस कृत से उस सड़क पर अब निर्बाध रूप से आवागमन हो रहा है।सई नदी हुए इस आयोजन पर नगरवासियों द्वारा बढ़ चढ़ कर भाग लिया गया। आयोजन के मुख्य सूत्रधार विवेक मिश्रा उर्फ पल्लू,राजन दीक्षित, राजेश सिंह, बब्लू सिंह तकिया, विनय शंकर शुक्ला, शेखर शुक्ला, गजेन्द्र शुक्ला, शशिकांत शुक्ला, अभिषेक उपाध्याय, प्रदीप पांडेय,बी.पी.त्रिपाठी,नीलेश सचान, मनोज पाण्डेय बजरंगदास, शीतला शंकर उर्फ लंबू बाजपेई, विष्णु शंकर अवस्थी, नवल किशोर बाजपेई आदि रहे।

नेताजी मुलायम सिंह यादव ने सदैव व्यापारियों के हितों, सम्मान एवं सुरक्षा की लड़ाई लड़ी- मुकेश रस्तोगी

व्यापारी हितों के प्रति नेताजी का समर्पण सदैव स्मरणीय रहेगा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रायबरेली। शनिवार को

समाजवादी पार्टी के संस्थापक, उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री एवं देश के पूर्व रक्षा मंत्री श्रद्धेय धरती पुत्र श्री मुलायम सिंह यादव 'नेताजी' के पावन निर्वाण दिवस पर समाजवादी व्यापार सभा के पूर्व जिलाध्यक्ष एवं प्रान्तीय व्यापारी नेता मुकेश रस्तोगी ने उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करते हुए कहा कि नेताजी का सम्पूर्ण जीवन गरीबों, किसानों, मजदूरों, नौजवानों तथा व्यापारियों के अधिकारों की रक्षा के लिए समर्पित रहा। उनका व्यक्तित्व सामाजिक न्याय, संघर्ष, संवेदनशीलता और जनसेवा का प्रतीक था। श्री रस्तोगी ने कहा कि नेताजी ने अपने मुख्यमंत्रित्व काल में व्यापारियों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके हितों को सरकार की नीतियों में स्थान देने का प्रयास किया। वर्ष 2006 में व्यापारियों के एक सम्मेलन के दौरान उन्होंने व्यापारियों की विभिन्न मांगों पर सकारात्मक पहल करते हुए व्यापारी दुर्घटना बीमा, मंडी समिति की ब्याज दर, व्यापारिक करों के सरलीकरण तथा तहबाजारी जैसे विषयों पर कदम उठाने की बात कही थी। उन्होंने खुदरा व्यापार में विदेशी कंपनियों के प्रवेश को लेकर भी छोटे एवं परम्परागत व्यापारियों के हितों की सुरक्षा पर जोर दिया था। श्री रस्तोगी कहा कि नेताजी का मानना था कि व्यापारी केवल वस्तुओं का क्रय-विक्रय करने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि देश की अर्थव्यवस्था की रीढ़ और समाज की आर्थिक गतिविधियों का महत्वपूर्ण आधार है। छोटे दुकानदारों, फुटकर व्यापारियों, मध्यमवर्गीय कारोबारियों एवं परम्परागत व्यापार से जुड़े लोगों की समस्याओं के प्रति उनकी संवेदनशीलता उनके राजनीतिक जीवन की महत्वपूर्ण विशेषता रही।

विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस-तनाव से ठहराव की ओर, लोगों को मिले तनावमुक्त जीवन,महर्षि यूनिवर्सिटी में सेमिनार, कॉर्पोरेट जगत और आम लोगों के मानसिक स्वास्थ्य पर हुई चर्चा

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। शनिवार को आज की भागदौड़ भरी जिंदगी में काम का दबाव, जिम्मेदारियां और समय

की कमी लोगों के तनाव को बढ़ा रही हैं। इसका असर मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर भी पड़ रहा है। ऐसे में लोगों को तनाव से राहत दिलाने और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से स्पिरिचुअल रीजेनेरेशन मूवमेंट फाउंडेशन ऑफ इंडिया और महर्षि यूनिवर्सिटी ऑफ इंफॉर्मेशन टेक्नोलॉजी, नोएडा ने 'तनाव से ठहराव की ओर' पहल की शुरुआत की है। इसके तहत कॉर्पोरेट जगत से जुड़े लोगों के साथ-साथ आम जीवन में व्यस्त और तनाव का सामना कर रहे लोगों को भावातीत ध्यान के बारे में जानकारी दी। इसका उद्देश्य लोगों को अपने व्यस्त जीवन में मानसिक शांति, भावनात्मक संतुलन और स्वस्थ दिनचर्या के महत्व को समझने के लिए प्रेरित करना रहा। विश्व मानसिक स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर शनिवार को महर्षि यूनिवर्सिटी के सेक्टर-110 स्थित कैंपस में 'तनाव से शांति की ओर' : मानसिक स्वास्थ्य की यात्रा' विषय पर सेमिनार आयोजित किया गया। इसमें मनोवैज्ञानिकों, डॉक्टरों, ध्यान शिक्षकों और कॉर्पोरेट क्षेत्र के विशेषज्ञों ने मानसिक स्वास्थ्य, तनाव के कारणों और उनसे निपटने के व्यावहारिक तरीकों पर चर्चा की। मानसिक परेशानी होने पर मदद लेने में न करें संकोचः-कनेक्टेड माइंड्स की वेल-बीइंग विशेषज्ञ ऋतु भारद्वाज ने मानसिक स्वास्थ्य से जुड़े सामाजिक संकोच को दूर करने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि मानसिक परेशानियों पर खुलकर बात करना जरूरी है, ताकि लोग बिना झिझक अपनी समस्या साझा कर सकें और जरूरत पड़ने पर मदद ले सकें। टाइम्स ग्रुप के हर्षवर्धन शर्मा ने कामकाज के दौरान बढ़ते तनाव और उसके प्रभावों पर अपने विचार रखे। उन्होंने अपने अनुभव साझा करते हुए बताया कि भावातीत ध्यान ने उनके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाने में मदद की। उन्होंने व्यस्त दिनचर्या के बीच मानसिक संतुलन बनाए रखने की जरूरत पर भी जोर दिया। ऑल इंडिया इंस्टीट्यूट ऑफ आयुर्वेद के सहायक प्रोफेसर डॉ. भारत कृष्ण खुंटिया ने आयुर्वेद के नजरिये से स्वास्थ्य को समझाया। उन्होंने अच्छी नींद, संतुलित दिनचर्या और समग्र स्वास्थ्य के महत्व पर प्रकाश डाला। वहीं, भावातीत ध्यान की इंडिया हेड और भावातीत ध्यान शिक्षिका अदिति

श्रीवास्तव ने भावातीत ध्यान को तनाव प्रबंधन के एक व्यावहारिक तरीके के रूप में प्रस्तुत किया और इस विषय पर हुए शोध का उल्लेख किया। व्यस्त जीवन में भी जरूरी है मानसिक शांतिः-कार्यक्रम में सुश्री वान्या आर्या और डॉ. प्रद्युम्न पांडे विशिष्ट अतिथि के रूप में शामिल हुए। महर्षि यूनिवर्सिटी के कुलाधिपति अजय प्रकाश श्रीवास्तव ने भी कार्यक्रम में पहुंचकर लोगों को संबोधित किया और बताया कि कैसे 70 के दशक से महर्षि महेश योगी जी ने भवातीत ध्यान के ज़रिए लोगों को तनाव मुक्त जीवन जीने का संदेश दिया। सेमिनार में विशेषज्ञों के साथ प्रश्नोत्तर सत्र भी आयोजित किया गया। इसमें प्रतिभागियों ने मानसिक स्वास्थ्य, तनाव और भावनात्मक संतुलन से जुड़े सवाल पूछे। श्री निश्चल महाजन ने 'स्व' से जुड़ी एक विशेष गतिविधि का संचालन किया, जिसके माध्यम से प्रतिभागियों को आत्मचिंतन का अवसर मिला। आयोजकों के अनुसार, 'तनाव से ठहराव की ओर' पहल का उद्देश्य केवल कॉर्पोरेट जगत तक सीमित नहीं है। इसके माध्यम से उन सभी लोगों तक पहुंचने का प्रयास किया जाएगा, जो कामकाज, पारिवारिक जिम्मेदारियों या रोजमर्रा की भागदौड़ के कारण तनाव का सामना कर रहे हैं। इस पहल में कॉर्पोरेट संस्थानों के साथ मिलकर लोगों को मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने और भावातीत ध्यान के बारे में जानकारी देने पर जोर रहेगा। महर्षि महेश योगी की शिक्षाओं से प्रेरित इस आयोजन में आंतरिक शांति और जागरूकता के महत्व को भी समझाया गया। विशेषज्ञों ने कहा कि तनाव प्रबंधन के साथ स्वस्थ आदतें अपनाना जरूरी है। वहीं, मानसिक स्वास्थ्य संबंधी गंभीर समस्याओं में योग्य मनोवैज्ञानिक या चिकित्सक की मदद लेना भी आवश्यक है। इस कार्यक्रम में यूनिवर्सिटी के नोएडा कैंपस की डीन एकेडेमिक्स तृप्ति अग्रवाल, समेत सभी विभागों के डीन, डिप्टी डीन, फैकल्टी और स्टाफ उपस्थित रहे, कार्यक्रम का संदेश स्पष्ट रहा कि मानसिक स्वास्थ्य की देखभाल के लिए अपनी व्यस्त दिनचर्या में भी समय निकालना जरूरी है। 'तनाव से ठहराव की ओर' पहल इसी सोच के साथ लोगों को तनाव के बीच संतुलन बनाने और बेहतर जीवन की दिशा में कदम बढ़ाने के लिए प्रेरित करेगी।

श्री राम लखन धार्मिक लीला कमेटी की प्रेस वार्ता संपन्न, कल से शुरू होगा भव्य रामलीला महोत्सव

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। शनिवार को सेक्टर-46 श्री राम लखन धार्मिक लीला कमेटी, सेक्टर-46, नोएडा द्वारा रामलीला महोत्सव के शुभारंभ से एक दिन पूर्व सेक्टर-46 स्थित

रामलीला मैदान के प्रांगण में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कमेटी के अध्यक्ष श्री विपिन अग्रवाल ने की, जबकि मंच का संचालन मीडिया प्रभारी गौरव कुमार यादव ने किया। प्रेस वार्ता में कमेटी के पदाधिकारियों एवं सदस्यों के साथ विभिन्न समाचार पत्रों और इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकार बंधु तथा विभिन्न राजनीतिक दलों से जुड़े लोग उपस्थित रहे। प्रेस वार्ता को संबोधित करते हुए कमेटी के अध्यक्ष श्री विपिन अग्रवाल ने बताया कि श्री राम लखन धार्मिक लीला कमेटी को रामलीला महोत्सव का आयोजन करते हुए लगभग 10 वर्ष हो चुके हैं। कोरोना काल के दौरान दो वर्षों तक रामलीला का मंचन नहीं हो पाया था। इस वर्ष कमेटी द्वारा आठवें वर्ष रामलीला महोत्सव का भव्य आयोजन किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि रामलीला के माध्यम से भगवान श्रीराम के आदर्शों, भारतीय संस्कृति, धार्मिक परंपराओं और मर्यादा पुरुषोत्तम श्रीराम के जीवन चरित्र को जन-जन तक पहुंचाने का प्रयास किया जा रहा है। विपिन अग्रवाल ने बताया कि इस वर्ष रामलीला मैदान में लगभग 3,500 से 5,000 दर्शकों के बैठने की व्यवस्था की गई है। दर्शकों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए सुरक्षा एवं साफ-सफाई पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। आयोजन को सफलतापूर्वक संपन्न कराने के लिए पुलिस प्रशासन एवं नोएडा प्राधिकरण का पूरा सहयोग मिल रहा है। इसके साथ ही मेले में आने वाले लोगों के लिए खान-पान की बेहतर व्यवस्था भी की गई है, जिससे परिवार सहित आने वाले दर्शक रामलीला महोत्सव का आनंद ले सकें। कमेटी के लीला संयोजक श्री कृष्णा स्वामी जी ने बताया कि इस वर्ष की रामलीला में विशेष प्रसंग के रूप में किन्नर प्रसंग का मंचन किया जाएगा, जो दर्शकों के लिए आकर्षण का केंद्र रहेगा। उन्होंने बताया कि रामलीला में भगवान श्रीराम की भूमिका किशन जी निभा रहे हैं, जबकि माता सीता की भूमिका कावेरी गुप्ता निभाएंगी। वहीं, रावण की भूमिका अरविंद शर्मा जी द्वारा निभाई जाएगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि इस वर्ष रामलीला का मंचन और भी भव्य, भक्तिमय एवं आकर्षक होगा तथा दर्शकों को भगवान श्रीराम की लीलाओं के माध्यम से धर्म, सत्य, त्याग और मर्यादा का संदेश प्राप्त होगा। कमेटी के पदाधिकारियों ने कहा कि रामलीला केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि हमारी धार्मिक आस्था, सांस्कृतिक विरासत और सामाजिक मूल्यों को अगली पीढ़ी तक पहुंचाने का महत्वपूर्ण माध्यम है। कमेटी का प्रयास है कि प्रत्येक वर्ष की तरह इस बार भी रामलीला महोत्सव को सफल बनाया जाए और अधिक से अधिक लोग इसमें शामिल होकर भगवान श्रीराम के आदर्शों से प्रेरणा लें। अंत में कमेटी की ओर से सभी पत्रकार बंधुओं, सहयोगियों, पुलिस प्रशासन, नोएडा प्राधिकरण तथा आयोजन में सहयोग करने वाले सभी लोगों का आभार व्यक्त किया गया। कमेटी ने आशा जताई कि इस वर्ष भी सभी के सहयोग से रामलीला महोत्सव सफलतापूर्वक संपन्न होगा। उपस्थित मुख्य लोगों में वाइस चेयरमैन राजेंद्र जैन,पूनम सिंह , अध्यक्ष विपिन अग्रवाल, महासचिव गिरिराज अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मनोज अग्रवाल , मुख्य संरक्षक आलोक गुप्ता, मुख्य यजमान अशोक गोयल, मुख्य सलाहकार विकास बंसल , लीला संयोजक पंडित कृष्ण स्वामी, मेला प्रमुख संजय गोयल, संगठन मंत्री कार्तिक मिश्रा , मंच संचालक संदीप अग्रवाल, सुरक्षा प्रमुख सुशील कुमार सिंघल, मीडिया प्रभारी गौरव कुमार यादव , स्वागत अध्यक्ष रामवीर यादव, सह कोषाध्यक्ष पीयूष गोयल, जबकि राजनीतिक क्षेत्र से दीपक विग, सत्येंद्र शर्मा, पवन शर्मा, दिनेश यादव ,गौरव सिंघल, मनोज गोयल, बाबूलाल बंसल, वीके राणा ,टी.सी गौड़ एसपी जैन, एस सिंगल,तेजेंद्र मलिक, संदीप विरवानी, मनीष सेतिया, मुकेश गुप्ता, प्रसादी लाल सोलंकी, सुभाष शर्मा, राजेंद्र शर्मा,मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

सेक्टर-62 के रामलीला मैदान में 11 अक्टूबर से 21 अक्टूबर तक श्रीरामलीला महोत्सव का होगा भव्य आयोजन,भजन जैमिंग के आयोजन से बड़ी संख्या में जुड़ेंगे जेन-जी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। शनिवार को श्रीराम मित्र मंडल नोएडा रामलीला समिति द्वारा श्रीरामलीला स्थल,रामलीला मैदान सी- ब्लॉक सेक्टर -62 में

आयोजित प्रेस वार्ता के दौरान समिति के चेयरमैन उमाशंकर गर्ग,अध्यक्ष धर्मपाल गोयल एवं महासचिव डॉ.मुन्ना कुमार शर्मा ने श्रीरामलीला महोत्सव-2026 की विस्तृत जानकारी प्रदान की। सर्वप्रथम समिति के महासचिव डॉ.मुन्ना कुमार शर्मा ने सभी उपस्थितजनों का स्वागत किया तथा प्रेसवार्ता को संबोधित करते हुए बताया कि सेक्टर-62 स्थित रामलीला मैदान में रविवार 11 अक्टूबर से बुधवार 21 अक्टूबर तक प्रतिदिन सांय 7 बजे से श्रीरामलीला मंचन होगा।संजीव कुमार के निर्देशन में मुरादाबाद की अनुभवी लीला मंडली श्री जानकी कला मंच के लगभग 60 कलाकारों द्वारा ग्यारह दिनों तक भव्य लीला मंचन का प्रस्तुतिकरण किया जाएगा।रविवार 11 अक्टूबर को गौतमबुद्धनगर के सांसद व पूर्व केंद्रीय मंत्री डॉ.महेश शर्मा एवं नोएडा के विधायक श्री पंकज सिंह द्वारा श्रीरामलीला महोत्सव का शुभारंभ किया जाएगा।सोमवार 12 अक्टूबर को श्रीराम जन्म के अवसर पर प्रख्यात भजन गायक गगन राठौड़ एवं टीम के द्वारा भजन जैमिंग का कार्यक्रम प्रस्तुत किया जाएगा।भजन जैमिंग का कार्यक्रम युवाओं,जेन-जी और जेन-अल्फा को रामलीला से जोड़ने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है।श्रीराम मित्र मंडल नोएडा का प्रयास है कि अधिक-से-अधिक जेन-जी और युवा भगवान राम के चरित्र के मंचन को देखकर ज्ञान की प्राप्ति कर सकें।डॉ.शर्मा ने बताया कि गुरुवार 15 अक्टूबर को दोपहर 2 बजे सेक्टर 20 स्थित श्री हनुमान मंदिर से श्रीराम बारात शोभायात्रा का आयोजन होगा जो डीएम कार्यालय,सेक्टर 19 टेलीफोन एक्सचेंज,हरौला,सेक्टर 4,5,9,10, 11,12, 55, 57 तिराहा,लेबर चौक होते हुए सेक्टर-62 स्थित रामलीला स्थल तक पहुंचेगी।रामलीला स्थल पर राजा जनक राम बारात का भव्य स्वागत करेंगे।इस अवसर पर आतिशबाजी होगी और बैण्ड पार्टी द्वारा म्यूजिकल धुन पर राम बारात का स्वागत किया जाएगा।मंगलवार 20 अक्टूबर को सायं 5 बजे श्रीराम रावण युद्ध,रावण का अंत,रावण,कुम्भकरण एवं मेघनाद के पुतलों का दहन होगा तथा विजयदशमी महोत्सव हर्षोउल्लास के साथ मनाया जाएगा। 21 अक्टूबर की श्रीराम राज्याभिषेक एवं भरत मिलाप के साथ श्रीरामलीला महोत्सव-2026 का समापन हो जाएगा। समिति के अध्यक्ष धर्मपाल गोयल ने बताया कि सुरक्षा की चाक चौबंद व्यवस्था की दृष्टि से पुलिस के साथ-साथ प्राइवेट सुरक्षा कर्मी ,स्वयंसेवक,अग्निशमन उपकरण,तीन दर्जन सीसीटीवी कैमरे,ड्रोन,पाँच स्क्रीन उपलब्ध रहेंगे।इस बार मंच पर भी बड़ा स्क्रीन लगाया जाएगा।लीला स्थल पर प्राथमिक उपचार हेतु फेलिक्स अस्पताल के चिकित्सक,पैरा मेडिकल स्टाफ,ब्लड प्रेशर एवं शुगर की जांच की व्यवस्था एवं आवश्यक दवाइयों की व्यवस्था की जाएगी।दर्शक दीर्घा में बैठने हेतु एक हजार सोफे एवं तीन हजार कुर्सियों की व्यवस्था की जाएगी।खाने- पीने की व्यवस्था हेतु मिठाई, चाट-पकोड़े,खाना,पानी,शीतल पेय,आदि के स्टाल होंगे।

समिति के चेयरमैन उमाशंकर गर्ग ने बताया कि विजयदशमी पर 70 फुट के रावण, 65 फुट के कुम्भकरण और 60 फुट के मेघनाद के पुतलों का दहन होगा। इसके साथ ही आतंकवाद, भ्रष्टाचार और महिला उत्पीड़न के पुतलों का भी दहन होगा।

महोत्सव में पूर्व केंद्रीय मंत्री डा.महेश शर्मा, नोएडा विधायक पंकज सिंह, उत्तर प्रदेश महिला आयोग की पूर्व अध्यक्ष विमला बाथम, सांसद सतीश गौतम, सांसद सुरेंद्र सिंह नागर, विधान परिषद सदस्य नरेंद्र सिंह भाटी,पूर्व राज्यमंत्री नवाब सिंह नागर,पूर्व राज्य मंत्री मदन चौहान, नोएडा प्राधिकरण, जिला प्रशासन एवं पुलिस के अधिकारी, समाजसेवी, अतिथि के रूप में सम्मिलित होंगे।

इस अवसर पर समिति के कार्यकारी अध्यक्ष राजकुमार गर्ग,कोषाध्यक्ष राजेन्द्र गर्ग,सह-कोषाध्यक्ष अनिल गोयल,वरिष्ठ उपाध्यक्ष सतनारायण गोयल,बजरंगलाल गुप्ता,पवन गोयल,एस एम गुप्ता,गौरव मेहरोत्रा,तरुण राज,मुकेश अग्रवाल,मनोज शर्मा, मुकेश गोयल,रविन्द्र चौधरी,मीडिया प्रभारी मुकेश गुप्ता,अजीत चाहर,डॉ.एसपी जैन,अनंत वर्मा,राजेश माथुर,मनीष गोयल,नवीन पोरवाल, सहित आयोजन समिति के पदाधिकारी व शहर के कई गणमान्य नागरिक उपस्थित थे।

ब्यौहारी में कांग्रेस का शक्ति प्रदर्शनः विधायक बंगले का घेराव, 17 सूत्रीय ज्ञापन से प्रशासन को घेरा

निर्माण कार्यों में कथित अनियमितताओं से लेकर अवैध रेत उत्खनन और शराब पैकारी तक के मुद्दों पर कांग्रेस का हमला; अस्पताल, सड़क, राशन और पेंशन की समस्याओं पर मांगा जवाब

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) ब्यौहारी। शनिवार को विधानसभा क्षेत्र ब्यौहारी की जनसमस्याओं को लेकर ब्लॉक

कांग्रेस कमेटी ने जोरदार प्रदर्शन करते हुए विधायक बंगले का घेराव किया और जिला कलेक्टर शहडोल के नाम 17 सूत्रीय ज्ञापन सौंपकर विभिन्न समस्याओं की निष्पक्ष जांच एवं कार्रवाई की मांग उठाई। ब्लॉक कांग्रेस कमेटी अध्यक्ष ङसतेन्द्र त्रिपाठी 'पिंटू'ङ के नेतृत्व में आयोजित इस विरोध प्रदर्शन में नगर परिषद के निर्माण कार्यों,अवैध रेत उत्खनन, अवैध शराब पैकारी, स्वास्थ्य सेवाओं की बदहाली और गरीबों के राशन-पेंशन जैसे मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया। कांग्रेस ने सवाल उठाया कि जब आम जनता बुनियादी सुविधाओं के लिए परेशान है, तब जिम्मेदार जनप्रतिनिधियों और प्रशासन की जवाबदेही कौन तय करेगा? पार्टी ने स्पष्ट किया कि जनता की समस्याओं को लेकर संघर्ष जारी रहेगा और शिकायतों की जांच कराकर दोषियों पर नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित की जानी चाहिए। विधायक बंगले के घेराव से गरमाई सियासत, जनसमस्याओं पर जवाबदेही की मांगः- प्रदर्शन के दौरान कांग्रेस ने क्षेत्र की समस्याओं को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की। ब्लॉक कांग्रेस अध्यक्ष सतेन्द्र त्रिपाठी 'पिंटू' ने अवैध रेत उत्खनन और शराब पैकारी को लेकर गंभीर सवाल उठाए तथा इन गतिविधियों की निष्पक्ष जांच की मांग की। उन्होंने आरोप लगाया कि क्षेत्र में अवैध गतिविधियों को संरक्षण मिलने की शिकायतें सामने आ रही हैं। कांग्रेस ने इन आरोपों की जांच कराकर सच्चाई सामने लाने और यदि आरोप प्रमाणित हों तो जिम्मेदारों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। नगर परिषद के चार साल के निर्माण कार्यों की जांच की मांगः- कांग्रेस ने नगर परिषद ब्यौहारी में पिछले चार वर्षों के निर्माण कार्यों की निविदा प्रक्रिया, निर्माण गुणवत्ता, दरों के प्रकाशन और ठेकेदारों को किए गए भुगतान की जांच कराने की मांग की। वार्ड क्रमांक 1 में डामरीकरण सड़क की गुणवत्ता तथा वार्ड क्रमांक 3 में रीवा-शहडोल मार्ग से चौराहा तालाब तक नाली निर्माण में पेयजल पाइपलाइन के ऊपर नाली बनाए जाने संबंधी शिकायतों को भी ज्ञापन में शामिल किया गया। कांग्रेस का कहना है कि विकास कार्यों में पारदर्शिता जरूरी है। जनता के टैक्स से होने वाले निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और खर्च का हिसाब सार्वजनिक होना चाहिए, ताकि किसी भी प्रकार की अनियमितता की आशंका का निष्पक्ष निराकरण हो सके। अवैध रेत उत्खनन और शराब पैकारी पर उठाए सवालः-क्षेत्र में अवैध रेत उत्खनन और अवैध शराब बिक्री को लेकर कांग्रेस ने संबंधित विभागों की भूमिका पर सवाल उठाए। पार्टी ने मांग की कि शिकायतों की जांच केवल कागजों तक सीमित न रहे, बल्कि मौके पर जाकर वास्तविक स्थिति का परीक्षण किया जाए। अवैध गतिविधियां प्रमाणित होने पर संबंधित व्यक्तियों और जिम्मेदार अधिकारियों के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाए। सड़क, नाली, आवास और विस्थापित परिवारों की समस्याएं भी उठाईंः- 17 सूत्रीय ज्ञापन में प्रधानमंत्री आवास योजना के पात्र भूमिहीन हितग्राहियों को लाभ दिलाने, वार्ड क्रमांक 9 में सड़क निर्माण, बरौंधा मार्ग की क्षतिग्रस्त पुलिया और मुख्य मार्ग चौड़ीकरण के दौरान पेड़ों की कटाई से जुड़े मुद्दे शामिल किए गए। इसके अलावा बाणसागर परियोजना से विस्थापित परिवारों को आवंटित भूमि से संबंधित समस्याओं तथा खटखरिया तालाब के सौंदर्यीकरण एवं गहरीकरण कार्य की गुणवत्ता की जांच की मांग भी की गई। और जांच के बाद ही ठेकेदार का भुगतान किया जाएः- कांग्रेस ने पपौंध क्षेत्र में पेयजल और सिंचाई परियोजनाओं का वास्तविक लाभ किसानों तथा आम नागरिकों तक पहुंचाने पर जोर देते हुए कहा कि सरकारी योजनाओं का उद्देश्य जनता को राहत देना है, न कि लोगों को दफ्तरों के चक्कर लगवाना। सिविल अस्पताल में विशेषज्ञ डॉक्टरों की कमी पर चिंताः- ब्यौहारी सिविल अस्पताल में विशेषज्ञ चिकित्सकों की उपलब्धता और ग्रामीण स्वास्थ्य केंद्रों में डॉक्टरों की व्यवस्था का मुद्दा भी प्रमुखता से उठाया गया। कांग्रेस ने कहा कि स्वास्थ्य सुविधाओं के अभाव में मरीजों को परेशानियों का सामना करना पड़ता है। अस्पतालों में आवश्यक चिकित्सकीय व्यवस्था सुनिश्चित करना प्रशासन की प्राथमिकता होनी चाहिए। इसके साथ ही स्वच्छ पेयजल, पात्र हितग्राहियों को समय पर राशन और पेंशन तथा आम नागरिकों की बुनियादी समस्याओं के शीघ्र निराकरण की मांग की गई। कांग्रेस की दो टूक–जनता की समस्याओं पर जवाब देना होगाः- ब्लॉक कांग्रेस कमेटी ने प्रशासन से सभी 17 बिंदुओं पर समयबद्ध जांच, कार्रवाई और शिकायतकर्ताओं को उचित जानकारी देने की मांग की। कांग्रेस का कहना है कि ज्ञापन सौंपना केवल औपचारिकता नहीं, बल्कि जनता की आवाज को जिम्मेदार अधिकारियों तक पहुंचाने का माध्यम है। यदि शिकायतों में अनियमितताएं प्रमाणित होती हैं, तो दोषियों के खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई की जानी चाहिए। कांग्रेस ने दोहराया कि ब्यौहारी क्षेत्र की जनसमस्याओं, विकास कार्यों की गुणवत्ता और आम नागरिकों के अधिकारों से जुड़े मुद्दों पर उसका संघर्ष आगे भी जारी रहेगा।

प्रदर्शन में बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता रहे मौजूद-इस दौरान जिला संगठन महासचिव विनोद ताम्रकार, रामलखन सिंह, नरेंद्र पांडे, पुष्पेंद्र परोहा, राजेश मिश्रा, नीरेंद्र शर्मा, अनिल नामदेव, विनोद कुशवाहा, हरिशंकर कोरी, विनय द्विवेदी, आदित्य देव सिंह, बाबूलाल सिंह, नागेंद्र वर्मा, सुरेश विश्वकर्मा, आलोक पांडे, सूर्यभान त्रिपाठी, अंकित गुप्ता, दिग्विजय सोनी, बैकुंठ प्रसाद तिवारी, गीता कोल, अमरेश पटेल, विक्रम कोल, आशुतोष पटेल, अब्बास खान, राधिका पटेल, अकाली दास सिंह, अरुस्तम पटेल, रामनरेश मरावी, कमलभान सिंह मरावी, रामनरेश मिश्रा, आयुष ताम्रकार, बिहारी लाल कोरी, मुन्नालाल मौर्य, राजेश साहू, रामकृष्ण पटेल, शिवक वर्मा, वाशु ताम्रकार, अब्दुल रहमान, ओम प्रकाश नामदेव, धर्मेंद्र सिंह चतुर्वेदी, पंकज चतुर्वेदी, राजमणि विश्वकर्मा, रामप्रसाद द्विवेदी, कुलदीप सिंह गोंड, धर्मदास सिंह, वरुण लाल सिंह, रामनरेश बैस, बसंत साहू, अखिलेश सोनी, आयूब खान, मो. इस्लाम, त्रिवेणी प्रसाद मिश्रा, विनीत पटेल, हिमांशु पटेल, राजभान मिश्रा, जितेंद्र पटेल, राजू खान, आकाश पटेल, सुधा मिश्रा, रजनीश पटेल, मुकेश चतुर्वेदी, सतीश पटेल, पप्पू साकेत, विनय पटेल, रमेश शर्मा, कृष्णपाल अहिरवार, अजय राव, आशीष सोनी, राम रसीले पटेल, सोने लाल कोल, कमला कोरी एवं आदित्य मिश्रा सहित बड़ी संख्या में कांग्रेस पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

मैहर में नवरात्रि मेले की तैयारियां पूर्ण,श्रद्धालुओं की सुरक्षा, सुगम दर्शन और सुविधाओं पर रहेगा विशेष फोकस,11 से 20 अक्टूबर तक आयोजित होगा नवरात्रि मेला, पेयजल, चिकित्सा, स्वच्छता और यातायात की व्यापक व्यवस्थाएं

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मैहर। शनिवार को विश्व प्रसिद्ध मां शारदा देवी मंदिर मैहर में

नवरात्रि मेले के आयोजन को लेकर व्यापक तैयारियां की गई हैं। 11 से 20 अक्टूबर 2026 तक आयोजित होने वाले मेले में देशभर से आने वाले श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और सुगम दर्शन के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जा रही हैं। मंदिर परिसर एवं मेला क्षेत्र में पेयजल, स्वच्छता, चिकित्सा, यातायात, पार्किंग, सुरक्षा और दर्शन व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया गया है। मां शारदा देवी मंदिर प्रबंध समिति के अनुसार, मेले के दौरान श्रद्धालुओं को सुरक्षित एवं व्यवस्थित दर्शन कराने के लिए विभिन्न विभागों के अधिकारियों और कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई गई है। जिला प्रशासन एवं संबंधित विभागों द्वारा व्यवस्थाओं को सुचारु बनाए रखने के लिए आवश्यक इंतजाम किए गए हैं, ताकि श्रद्धालुओं को दर्शन के दौरान किसी प्रकार की असुविधा न हो। पेयजल आपूर्ति के लिए 18 पंप हाउस और 18 टैंकरों की व्यवस्थाः- नवरात्रि मेले में श्रद्धालुओं को पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराने के लिए व्यापक इंतजाम किए गए हैं। जलापूर्ति के लिए 18 पंप हाउस संचालित हैं तथा 18 पंप कार्यरत हैं। इसके अतिरिक्त 18 टैंकरों की व्यवस्था की गई है। मंदिर परिसर में श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए नए स्टेनलेस स्टील के नल भी लगाए गए हैं। विभिन्न सामाजिक संस्थाओं द्वारा मेला क्षेत्र में स्थान-स्थान पर निःशुल्क प्याऊ संचालित किए जाएंगे। इससे श्रद्धालुओं को पेयजल उपलब्ध हो सकेगा और मेले के दौरान उनकी सुविधा सुनिश्चित की जा सकेगी। मंदिर परिसर और मेला क्षेत्र में स्वच्छता पर विशेष ध्यानः- मां शारदा मंदिर एवं मेला क्षेत्र में साफ-सफाई बनाए रखने के लिए कर्मचारियों की तैनाती की गई है। कचरा एवं प्लास्टिक एकत्रित न होने देने, सार्वजनिक शौचालयों की नियमित सफाई तथा परिसर को स्वच्छ बनाए रखने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं की गई हैं। रात्रिकालीन समय में विशेष स्वच्छता अभियान भी चलाया जाएगा।स्वच्छता व्यवस्था के माध्यम से श्रद्धालुओं को साफ-सुथरा वातावरण उपलब्ध कराने तथा मंदिर परिसर एवं प्रमुख आवागमन मार्गों पर साफ-सफाई बनाए रखने पर जोर दिया जाएगा। पुलिस बल के ठहरने और भोजन की व्यवस्थाः- मेले के दौरान सुरक्षा व्यवस्था में तैनात पुलिस बल के ठहरने के लिए सामुदायिक भवन सहित अन्य निर्धारित स्थानों पर व्यवस्था की गई है। पुलिसकर्मियों के भोजन की व्यवस्था मानस भवन परिसर में रहेगी। पुलिस बल द्वारा भीड़ नियंत्रण, श्रद्धालुओं की सुरक्षा और यातायात व्यवस्था को सुचारु बनाए रखने के लिए आवश्यक जिम्मेदारियों का निर्वहन किया जाएगा। सीसीटीवी और कंट्रोल रूम से होगी निगरानीः- श्रद्धालुओं की सुरक्षा और सुगम दर्शन सुनिश्चित करने के लिए मेला क्षेत्र में कार्यपालिक मजिस्ट्रेटों एवं जिला स्तरीय अधिकारियों की ड्यूटी लगाई गई है। व्यवस्थाओं की निगरानी सीसीटीवी कंट्रोल रूम और रोपवे कंट्रोल रूम के माध्यम से की जाएगी। मंदिर प्रांगण, शक्ति तल, सीढ़ियों और रोपवे के आसपास सुरक्षा व्यवस्था सुनिश्चित की जाएगी। पहाड़ी क्षेत्र में जंगली जानवरों की आवाजाही की संभावना को देखते हुए वन विभाग के पांच कर्मचारियों की तैनाती की जाएगी। मंदिर प्रबंध समिति ने स्थानीय नागरिकों से अपील की है कि वे मेला क्षेत्र में अपने पशुओं को खुला न छोड़ें, जिससे श्रद्धालुओं को असुविधा न हो। सात स्थानों पर प्राथमिक उपचार, एंबुलेंस की सुविधा भी रहेगीः- नवरात्रि मेले के दौरान श्रद्धालुओं को आवश्यक चिकित्सा सहायता उपलब्ध कराने के लिए मां शारदा मंदिर एवं मेला क्षेत्र में सात स्थानों पर प्राथमिक उपचार की व्यवस्था की गई है। आपात स्थिति से निपटने के लिए एंबुलेंस की सुविधा भी उपलब्ध रहेगी। अग्नि सुरक्षा के लिए मेला क्षेत्र में 33 अग्निशमन सिलेंडर रखे गए हैं। नगर पालिका, संबंधित संस्थाओं तथा रोपवे परिसर में अग्निशमन वाहन एवं कर्मचारियों की तैनाती की व्यवस्था की गई है, ताकि आवश्यकता पड़ने पर तत्काल कार्रवाई की जा सके। सुबह 6 बजे से रात 10:30 बजे तक संचालित होगा रोपवेः- मेले के दौरान रोपवे का संचालन सुबह 6 बजे से रात 10:30 बजे तक किया जाएगा। रोपवे प्रबंधन को श्रद्धालुओं के सुरक्षित एवं व्यवस्थित आवागमन के लिए आवश्यक निर्देश दिए गए हैं। रोपवे परिसर में संचालन और सुरक्षा व्यवस्था पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, जिससे श्रद्धालुओं को दर्शन के लिए आवागमन में सुविधा मिल सके। बड़े और छोटे वाहनों के लिए अलग-अलग पार्किंग व्यवस्थाः- नवरात्रि मेले के दौरान यातायात को सुचारु बनाए रखने के लिए बड़े एवं छोटे वाहनों की पार्किंग के लिए अलग-अलग स्थान निर्धारित किए गए हैं। बड़े वाहनों की पार्किंग नगर पालिका के पास स्थित बस स्टैंड में कराई जाएगी, जबकि छोटे वाहनों के लिए नर्सरी के पास बड़ी पार्किंग में अस्थायी व्यवस्था रहेगी।रेलवे परिसर में ऑटो का प्रवेश प्रतिबंधित रहेगा। मैहर में संचालित लगभग 1600 ऑटो की नंबरिंग अनिवार्य की गई है। इन व्यवस्थाओं का उद्देश्य यातायात का व्यवस्थित संचालन करना और श्रद्धालुओं को आवागमन में होने वाली असुविधा से बचाना है।

भजन संध्या, देवीगीत, गरबा और डांडिया होंगे आकर्षणः- नवरात्रि मेले के दौरान धार्मिक आयोजनों के साथ सांस्कृतिक कार्यक्रमों की श्रृंखला भी आयोजित की जाएगी। नौ दिवसीय भजन संध्या, देवीगीत, गरबा, डांडिया और अन्य सांस्कृतिक कार्यक्रम मेले के प्रमुख आकर्षण रहेंगे। रामलीला मंच पर रामलीला का आयोजन भी किया जाएगा। इसके अतिरिक्त रंगोली, मेहंदी, पेंटिंग, स्केचिंग, फ्यूजन म्यूजिक, फ्यूजन डांस और लोकनृत्य जैसी विभिन्न प्रतियोगिताएं आयोजित होंगी। प्रतियोगिताओं में प्रथम, द्वितीय और तृतीय स्थान प्राप्त करने वाले प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया जाएगा। इन आयोजनों से नवरात्रि पर्व की धार्मिक एवं सांस्कृतिक परंपराओं को प्रोत्साहन मिलेगा। मंदिर परिसर और मैहर शहर में होगी आकर्षक विद्युत सजावटः- नवरात्रि मेले के अवसर पर मां शारदा मंदिर परिसर, मेला प्रांगण, आल्हा मंदिर, तालाब, अखाड़ा और दूल्हा देव मंदिर सहित विभिन्न प्रमुख स्थानों पर आकर्षक विद्युत सजावट की जाएगी। मैहर शहर के प्रमुख मार्गों एवं चौराहों को भी सजाया जा रहा है। श्रद्धालुओं की सुविधा के लिए मेला क्षेत्र में दिशा-सूचक बोर्ड, बैनर और होर्डिंग लगाए जा रहे हैं, जिससे बाहर से आने वाले श्रद्धालुओं को मार्ग, पार्किंग और दर्शन व्यवस्था की जानकारी प्राप्त करने में आसानी हो। धार्मिक अनुष्ठानों के लिए दान और लड्डू प्रसाद की सुविधाः-मां शारदा देवी मंदिर प्रबंध समिति द्वारा श्रद्धालुओं के लिए विभिन्न धार्मिक अनुष्ठानों में दान की व्यवस्था की गई है। इसमें मां शारदा देवी की महाआरती, अखंड ज्योति, महाभोग, महाश्रृंगार और मंदिर परिसर की सजावट जैसे धार्मिक कार्य शामिल हैं। इन कार्यों के लिए निर्धारित दान राशि 2,100 रुपये से लेकर 51,000 रुपये तक रखी गई है। इसके अतिरिक्त श्रद्धालुओं के लिए शुद्ध देसी घी से निर्मित 250 ग्राम के लड्डू प्रसाद की व्यवस्था की गई है। लड्डू प्रसाद का मूल्य 150 रुपये निर्धारित किया गया है। श्रद्धालुओं से निर्धारित मार्गों का पालन करने की अपीलः- मां शारदा देवी मंदिर प्रबंध समिति ने नवरात्रि मेले में आने वाले श्रद्धालुओं से प्रशासन द्वारा निर्धारित मार्गों एवं व्यवस्थाओं का पालन करने की अपील की है। श्रद्धालुओं से स्वच्छता बनाए रखने, भीड़ प्रबंधन में सहयोग करने तथा किसी भी आपात स्थिति में संबंधित अधिकारियों को सूचना देने का आग्रह किया गया है। समिति ने दिव्यांगजनों, बुजुर्गों और महिलाओं की सुविधा का विशेष ध्यान रखने तथा दर्शन व्यवस्था में सहयोग करने की अपील की है। मां शारदा मंदिर प्रबंध समिति एवं जिला प्रशासन का उद्देश्य नवरात्रि मेले के दौरान श्रद्धालुओं को सुरक्षित, सुव्यवस्थित और सुविधाजनक दर्शन उपलब्ध कराना है। इसके लिए विभिन्न विभागों के समन्वय से आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गई हैं, ताकि मां शारदा देवी के दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालु सुगमता से अपनी धार्मिक यात्रा पूरी कर सकें।

मिशन शक्ति के तहत महिला थाना रॉबर्ट्सगंज के परिवार परामर्श केंद्र की प्रभावी पहलः05 प्रकरणों की सुनवाई, 02 मामलों में आपसी सहमति से सुलह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। मिशन शक्ति अभियान

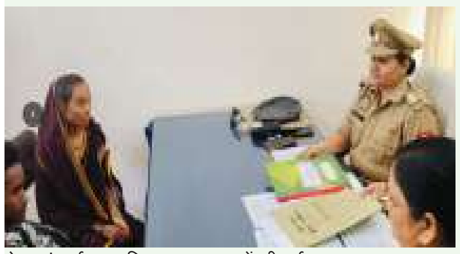

के अंतर्गत महिला थाना रॉबर्ट्सगंज, जनपद सोनभद्र स्थित परिवार परामर्श केंद्र में पारिवारिक विवादों से संबंधित मामलों की सुनवाई महिला थाना प्रभारी रॉबर्ट्सगंज की अध्यक्षता में की गई। कुल 05 प्रकरण प्राप्त हुए, जिनमें दोनों पक्षों को उपस्थित कराकर काउंसलिंग एवं आपसी संवाद की प्रक्रिया अपनाई गई। सुनवाई एवं विस्तृत परामर्श के उपरांत प्राप्त 02 प्रकरणों में दोनों पक्षों के मध्य आपसी सहमति स्थापित कर सुलह-समझौता कराया गया, जिससे संबंधित परिवारों में पुनः सौहार्दपूर्ण वातावरण स्थापित हुआ। इसके अतिरिक्त 03 प्रकरणों में आवश्यक काउंसलिंग के उपरांत दोनों पक्षों को अग्रिम तिथि प्रदान की गई।महिला थाना रॉबर्ट्सगंज द्वारा मिशन शक्ति अभियान के तहत महिलाओं की सुरक्षा, सम्मान एवं पारिवारिक विवादों के शांतिपूर्ण समाधान हेतु निरंतर प्रभावी प्रयास किए जा रहे हैं।

एमएलसी चुनाव संगठन की बड़ी जिम्मेदारी, कार्यकर्ता अभी से जुटें - क्षेत्र प्रभारी रमेश सिंह

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं काशी क्षेत्र प्रभारी रमेश सिंह का शनिवार को जनपद आगमन पर कार्यकर्ताओं ने भव्य स्वागत किया। जिला कार्यालय पर पं. दीनदयाल उपाध्याय और डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी के चित्र पर माल्यार्पण के बाद बैठक शुरू हुई। बैठक से पूर्व उन्होंने पत्रकारों से प्रेस वार्ता भी की। बैठक की अध्यक्षता जिलाध्यक्ष नंदलाल ने की और संचालन जिला महामंत्री

संतोष शुक्ला ने किया। जिला प्रभारी कौशलेंद्र सिंह की मौजूदगी में आगामी स्नातक एवं शिक्षक विधान परिषद (एमएलसी) चुनाव की तैयारियों पर विस्तृत चर्चा हुई। मुख्य अतिथि रमेश सिंह ने कहा कि स्नातक-शिक्षक एमएलसी चुनाव संगठन की महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। कार्यकर्ताओं को योजनाबद्ध तरीके से लगना होगा, मतदाताओं से निरंतर संपर्क और बेहतर समन्वय से तैयारियों को गति देनी होगी। जिला प्रभारी कौशलेंद्र सिंह ने कहा कि बूथ स्तर तक संगठनात्मक तैयारी और सक्रियता जरूरी है। पदाधिकारी समन्वय बनाकर स्नातक-शिक्षक मतदाताओं से संपर्क करें। जिलाध्यक्ष नंदलाल ने आभार व्यक्त करते हुए कहा कि सभी पदाधिकारी एकजुट होकर समयबद्ध तरीके से कार्यों को पूरा करेंगे। इस अवसर पर क्षेत्रीय मंत्री देवेंद्र मौर्या, राज्यमंत्री संजीव कुमार गोंड, जीत सिंह खरवार, पूर्व सांसद नरेंद्र कुशवाहा, पूर्व जिलाध्यक्ष रमेश मिश्रा,अशोक मिश्रा,ओंकार केसरी, धर्मवीर तिवारी, शीतला आचार्य, जिला उपाध्यक्ष शंभू नारायण सिंह, बृजेश श्रीवास्तव, जिला मीडिया प्रभारी रजनीश रघुवंशी, महिला मोर्चा जिलाध्यक्ष पुष्पा सिंह, स्नातक चुनाव संयोजक कृष्ण मुरारी गुप्ता सहित बड़ी संख्या में पदाधिकारी मौजूद रहे।

एन.एच.एम कर्मियों ने किया कार्य बहिष्कार, सीएमओ कार्यालय पर डटे रहे कर्मचारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन कर्मचारी संघ के प्रदेश नेतृत्व के आह्वान पर जनपद में एनएचएम संविदा एवं आउटसोर्सिंग कर्मचारियों का कार्य बहिष्कार और धरना प्रदर्शन शनिवार को तीसरे दिन भी जारी रहा। जिलाध्यक्ष पुष्पेंद्र शुक्ला के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कर्मचारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय परिसर में एकत्र हुए और शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया। जिलाध्यक्ष पुष्पेंद्र शुक्ला ने कहा कि एनएचएम कर्मचारी वर्षों से पूरी निष्ठा से सेवाएं दे रहे हैं। कोविड-19 महामारी में भी जान की परवाह किए बिना काम किया, फिर भी समान कार्य-समान वेतन, नियमितीकरण और सुविधाएं नहीं मिल रही हैं। प्रमुख मांगों में समान कार्य-समान वेतन, वेतन विसंगति दूर करना, नियमितीकरण, 10 लाख तक स्वास्थ्य बीमा, ईपीएफ लाभ,

मृतक आश्रितों को अनुकंपा नियुक्ति, प्रतियोगी परीक्षाओं में 25 प्रतिशत वेटेज और कोविड कर्मचारियों का एनएचएम में समायोजन शामिल है। उन्होंने कहा कि जब तक शासन सकारात्मक निर्णय नहीं लेता, अनिश्चितकालीन धरना जारी रहेगा। सोमवार को जनपद के साथ लखनऊ में भी विशाल धरना प्रदर्शन में भाग लिया जाएगा। धरने में डॉ. राकेश पांडेय, डॉ. नीरज मिश्रा, बृजेश दुबे, डॉ. अरुण चौबे, डॉ. निशात बानो, डॉ. हिमांशु, जेपी आजाद, डॉ. लालजी, वर्षा रानी, चंद्रकला, सुनीता, करिश्मा, नितेश साहू, मनोज कुमार, संध्या मिश्रा, प्रेमलता सिंह, अंजू, बबीता सहित सैकड़ों कर्मचारी मौजूद रहे।

ग्रेटर नोएडा में तकनीक का कमाल, सड़क पर कूड़ा फेंकते ही कैमरे से हुआ अनाउंसमेंट

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। ग्रेटर नोएडा के सेक्टर बीटा-1 में सड़क पर कूड़ा फेंकने वाले व्यक्ति को कैमरे के जरिए माइक पर टोका गया, अनाउंसमेंट सुनकर व्यक्ति भौचक्का रह गया और इधर-उधर देखने लगा, इसके बाद कूड़ा उठाने की हिदायत मिलने पर उसने कूड़ा उठा लिया, यह घटना सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छता बनाए रखने के लिए तकनीक के इस्तेमाल की मिसाल बन रही है।

आठ सूत्री मांगों को लेकर लेखपालों का सांकेतिक विरोध, काली पट्टी बांधकर किया कार्य

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) रॉबर्ट्सगंज/सोनभद्र। उत्तर प्रदेश

लेखपाल संघ की आठ सूत्री मांगों को लेकर लेखपालों ने थाना रॉबर्ट्सगंज में आयोजित थाना समाधान दिवस के दौरान काली पट्टी बांधकर सांकेतिक हड़ताल के माध्यम से अपना विरोध दर्ज कराया। लेखपालों ने अपनी लंबित मांगों के प्रति शासन-प्रशासन का ध्यान आकर्षित करते हुए मांगों के शीघ्र निस्तारण की अपेक्षा जताई। इस सांकेतिक विरोध में तहसील अध्यक्ष सदर संजय सिंह के नेतृत्व में कन्हैया लाल पटेल, रत्नेश शुक्ला, अरविंद चौबे हिरदेश मौर्य, अरविंद सिंह ,अनिल सिंह,अभिषेक यादव, शैलेंद्र मिश्रा, अभिनव द्विवेदी एवं प्रियंका यादव सहित अन्य लेखपाल शामिल रहे। लेखपालों का कहना है कि उनकी जायज मांगों पर सकारात्मक निर्णय लिया जाना आवश्यक है।

काली पट्टी बांधकर विरोध जताने का उद्देश्य अपनी एकजुटता प्रदर्शित करना तथा शासन तक अपनी आवाज पहुंचाना है।

नेताजी का जीवन संघर्ष, सादगी सामाजिक न्याय का प्रतीक था - राम निहोर यादव

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। शनिवार को

समाजवादी पार्टी जिला कार्यालय सोनभद्र पर सपा संस्थापक, भारत के पूर्व रक्षा मंत्री एवं उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री श्रद्धेय नेता मुलायम सिंह यादव की चौथी पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा एवं संगोष्ठी का आयोजन किया गया। संगोष्ठी को संबोधित करते हुए सपा जिलाध्यक्ष राम निहोर यादव ने कहा कि धरतीपुत्र नेताजी का जीवन संघर्ष, सादगी, सामाजिक न्याय और गरीबों के अधिकारों के प्रति समर्पण का प्रतीक रहा है। उन्होंने किसानों, मजदूरों, पिछड़ों, व्यापारियों, अल्पसंख्यकों, आदिवासियों, महिलाओं और युवाओं की आवाज बुलंद की। शिक्षक से देश के रक्षा मंत्री और तीन बार मुख्यमंत्री तक का उनका सफर संघर्ष और जनसेवा की मिसाल है। सांसद छोटेलाल सिंह खरवार ने कहा कि नेताजी ने हमेशा जमीन से जुड़े लोगों की बात को प्राथमिकता दी और समाजवादी विचारधारा को मजबूत किया। राष्ट्रीय सचिव एवं पूर्व विधायक अविनाश कुशवाहा, पूर्व विधायक राजेंद्र सिंह पटेल, रमेश चंद्र दुबे, परमेश्वर दयाल ने कहा कि नेताजी के विचार आने वाली पीढ़ियों को सामाजिक न्याय और जनसेवा की राह दिखाते रहेंगे। आज हर वर्ग के लोग प्रधान से जिला पंचायत अध्यक्ष बन रहे हैं तो यह नेताजी की ही देन है। कार्यक्रम में जिला महासचिव मोहम्मद सईद कुरैशी, वेदमणि शुक्ला, चौधरी यशवंत सिंह पटेल, श्याम बिहारी यादव, फुलवंती गौड़, अनिल प्रधान, अशोक पटेल, जयप्रकाश उर्फ चेखूर पांडे, विजय यादव, राधा सिंह, निधि पांडे, सुनील गौड़, राम प्यारे पटेल, त्रिपुरारी गौड़, डॉ. लोकपति सिंह पटेल, सरदार पारब्रह्म सिंह, महिला सभा जिलाध्यक्ष गीता गौड़,मन्नू पाण्डेय,कृपा शंकर चौहान, अजीत मौर्य, प्रदीप कनौजिया सहित सैकड़ों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

NAINI INDUSTRIAL TRAINING CENTRE
(Govt. Affiliated, Star Graded, Record Holder, ISO Certified Training Centre)
सर्टिफिकेट इन फायर सेफ्टी एण्ड इण्डस्ट्रीयल सिक्योरिटी
फायर सेफ्टी पर जिसकी कमाण्ड, उसकी ही है ग्लोबल डिमाण्ड
कोर्स के बाद सेफ्टी सुपरवाइजर, फायर प्रोटेक्शन, सिक्योरिटी एडमिनिस्ट्रेटर आदि विभिन्न पदों पर नियुक्ति मिल जाती है। रिलीफ एजेन्सी N.G.O., डिफेन्स सर्विसेज फायर सर्विस आर्डिनेन्स फैक्ट्री, महानगर पालिका, नगर निगम, एयरपोर्ट, पावर प्लांट, स्टील प्लान्ट, माइनिंग इन्डस्ट्रीज, पेट्रोलियम कम्पनी, फूड इण्डस्ट्रीज, रिफाइनरीज, टेक्सटाइल मिल, टावर कम्पनी, इलेक्ट्रानिक कम्पनी, कोयले की खदानों एवं जहाजों आदि क्षेत्रों में फायर सेफ्टी के जानकारों को बहुत अधिक मौका मिलता है

नोटः फायर सेफ्टी कोर्स करें और देश -विदेश, सरकारी और प्राइवेट क्षेत्रों में अच्छे पैकेज के साथ नौकरी पायें।
Visit us at www.nainiiti.com Call: 9415608710, 7459860480
Enjoy Publicity

स्पोर्ट्स

दुनिया का सबसे बड़ा क्रिकेट टूर्नामेंट शुरू,रणजी ट्रॉफी के 92वें सीजन में 38 टीमें 138 मैच खेलेंगी-मुंबई 42 बार की चैंपियन

स्पोर्ट डेस्क। दुनिया का सबसे बड़ा घरेलू रेड-बॉल क्रिकेट टूर्नामेंट रणजी ट्रॉफी आज से खेला जा रहा है। 1934-35 में शुरू हुई इस चैंपियनशिप का यह 92वां सीजन है। इसमें 38 टीमें खिताब के लिए उतर रही हैं। 138 मैच खेले जाएंगे। टूर्नामेंट के इतिहास में मुंबई ने सबसे ज्यादा 42 बार खिताब जीता है। रणजी ट्रॉफी टीम इंडिया में जगह बनाने का अहम मंच रही है। इस सीजन यशस्वी जायसवाल, केएल राहुल, मोहम्मद शमी, मोहम्मद सिराज, सरफराज खान और रवींद्र जडेजा जैसे खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर भी नजरें रहेंगी। 1. रणजी ट्रॉफी कब और क्यों शुरू हुई? जुलाई 1934 में बीसीसीआई ने देश में प्रथम श्रेणी क्रिकेट कराने का विचार रखा। तब इसका नाम 'क्रिकेट चैंपियनशिप ऑफ इंडिया' था। पहले सीजन में 15 टीमों ने हिस्सा लिया। पटियाला के महाराजा भूपिंदर सिंह ने ट्रॉफी दान की थी। पहला मैच मद्रास और मैसूर के बीच चेपॉक में खेला गया। बॉम्बे इस सीजन का चैंपियन बना। बाद में टूर्नामेंट का नाम नवानगर के राजपरिवार से जुड़े कुमार श्री रणजीत सिंह के नाम पर रखा गया। रणजी के नाम से मशहूर रणजीत ने 1896 से 1902 के बीच इंग्लैंड के लिए 15 टेस्ट खेले। उन्होंने भारत की बजाय इंग्लैंड का प्रतिनिधित्व किया, क्योंकि उस समय भारत की अपनी टेस्ट टीम नहीं थी। 2. क्या रणजी ट्रॉफी भारत का पहला क्रिकेट टूर्नामेंट था? नहीं। 1892 में यूरोपियन और पारसी टीमों के बीच बॉम्बे प्रेसीडेंसी मैच खेला गया था। बाद में यह टूर्नामेंट बॉम्बे ट्रायंगुलर, क्वाड्रैंगुलर और फिर पेंटागुलर के रूप में आगे बढ़ा। इसमें हिंदू, मुस्लिम और 'द रेस्ट' जैसी टीमें भी शामिल हुईं। यह टूर्नामेंट 1946 तक चला। 3. मुंबई के नाम सबसे ज्यादा खिताब, जम्मू-कश्मीर डिफेंडिंग चैंपियनः-मुंबई ने 42 बार खिताब जीता है। लगातार 15 सीजन चैंपियन बनने का रिकॉर्ड भी मुंबई के नाम है। कर्नाटक 8 खिताब के साथ दूसरे और दिल्ली 7 खिताब के तीसरे नंबर पर है। वैसे पिछले सीजन की सबसे बड़ी कहानी जम्मू-कश्मीर की रही। 1959-60 से टूर्नामेंट में खेल रही टीम 67 साल बाद चैंपियन बनी।4. 2026-27 में कितनी टीमें और कैसा होगा फॉर्मेट? यह सीजन 11 अक्टूबर 2026 से 3 मार्च 2027 तक खेला जाएगा। 38 टीमों को एलीट और प्लेट डिवीजन में बांटा गया है। एलीट में 32 टीमें चार ग्रुप में होंगी। प्लेट में 6 टीमें खेलेंगी। एलीट में हर टीम अपने ग्रुप की बाकी सात टीमों से भिड़ेगी। इसके बाद सेमीफाइनल और फाइनल होगा। प्लेट डिवीजन की 6 टीमें आपस में खेलेंगी और फाइनल से विजेता तय होगा।टूर्नामेंट दो स्टेज में खेला जाएगा। पहला अक्टूबर-नवंबर में होगा। इसमें 19 मैच खेले जाएंगे। इसके बाद सैयद मुश्ताक अली टी-20 ट्रॉफी और विजय हजारे वनडे ट्रॉफी खेली जाएंगी। रणजी ट्रॉफी का दूसरा चरण जनवरी 2027 में शुरू होगा। 5. रणजी मैच कितने दिन का होता है? यह प्रथम श्रेणी क्रिकेट का टूर्नामेंट है। इसके लीग मैच चार दिन के होते हैं। नॉकआउट मुकाबले पांच दिन के खेले जाते हैं। टेस्ट क्रिकेट की तरह दोनों टीमों को दो-दो पारियां खेलने का मौका मिलता है। वैसे नॉकआउट मैच में तय समय तक नतीजा नहीं निकलने पर पहली पारी की बढ़त निर्णायक हो सकती है। 2025-26 सीजन के फाइनल में जम्मू-कश्मीर ने कर्नाटक के खिलाफ पहली पारी में बढ़त के आधार पर खिताब जीता था। फाइनल ड्रॉ रहने के बावजूद जम्मू-कश्मीर की 584 रन की पारी और कर्नाटक के 293 रन पर आउट होने से मिली 291 रन की बढ़त ने उसे चैंपियन बना दिया।

6. रणजी ट्रॉफी में खेलने पर कितने पैसे मिलते हैं? बीसीसीआई फीस स्ट्रक्चर के मुताबिक, रणजी ट्रॉफी में खिलाड़ियों को उनके प्रथम श्रेणी मैचों के अनुभव और प्लेइंग इलेवन या रिजर्व में होने के आधार पर मैच फीस मिलती है। चार दिन के लीग मैच में कोई प्लेयर रु2.4 लाख तक कमा सकता है। टूर्नामेंट में अंपायरों को पैसे उनके ग्रेड के हिसाब से दिया जाता है। इन्हें ए, बी, सी और डी में बांटा गया है। पहले घरेलू मुकाबलों में टॉप लेवल के अंपायरों को रु40,000 और अन्य लेवल के अंपायरों को रु30,000 प्रतिदिन मिलते थे। 7. क्या रणजी ट्रॉफी के टिकट खरीदने पड़ते हैं? टूर्नामेंट का मैच देखने के लिए हर बार टिकट खरीदना जरूरी नहीं है। कई घरेलू मुकाबलों में दर्शकों को मुफ्त प्रवेश मिलता है। यह व्यवस्था मेजबान राज्य क्रिकेट संघ और स्टेडियम के नियमों पर निर्भर करती है। उदाहरण के तौर पर, जनवरी 2025 में दिल्ली के अरुण जेटली स्टेडियम में रणजी मैच देखने के लिए मुफ्त प्रवेश दिया गया था। इसी तरह, बंगाल क्रिकेट संघ ने 2025 में ईडन गार्डन्स पर एक रणजी मैच के लिए मुफ्त प्रवेश की घोषणा की थी। 8. क्या टीम इंडिया के सिलेक्टर भी रणजी मैच देखते हैं? हां। राष्ट्रीय और घरेलू चयनकर्ता खिलाड़ियों के प्रदर्शन पर नजर रखते हैं। इसके उदाहरण सरफराज खान और तनुष कोटियान हैं। सरफराज ने घरेलू क्रिकेट में लगातार अच्छे प्रदर्शन के बाद फरवरी 2024 में इंग्लैंड के खिलाफ टेस्ट डेब्यू किया। वहीं, मुंबई के ऑलराउंडर तनुष ने 2023-24 रणजी सीजन में 502 रन बनाए और 29 विकेट लिए। वह प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट बने। इसके बाद दिसंबर 2024 में उन्हें ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया। 9. 2026-27 सीजन में किन खिलाड़ियों पर नजर रहेगी? इस सीजन कुछ खिलाड़ियों के लिए टीम इंडिया में वापसी का मौका होगा, तो कुछ अपनी दावेदारी मजबूत करने उतरेंगे।केएल राहुल (कर्नाटक)ः न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले लाल गेंद से लय हासिल करने का मौका। यशस्वी जायसवाल (मुंबई)ः घरेलू क्रिकेट में अपनी बल्लेबाजी को और मजबूत करने पर नजर। मोहम्मद शमी (बंगाल)ः पिछले रणजी सीजन में 37 विकेट लेने के बाद राष्ट्रीय टीम में वापसी की उम्मीद। मोहम्मद सिराज (हैदराबाद)ः अपनी घरेलू टीम के लिए खेलने वाले भारत के प्रमुख तेज गेंदबाजों में शामिल। सरफराज खान (मुंबई)ः टेस्ट टीम में वापसी की दावेदारी मजबूत करने का मौका। रवींद्र जडेजा (सौराष्ट्र)ः न्यूजीलैंड के खिलाफ टेस्ट सीरीज से पहले मैच अभ्यास हासिल करने की कोशिश। वॉशिंगटन सुंदर (तमिलनाडु)ः बल्लेबाजी और गेंदबाजी, दोनों में अपनी उपयोगिता दिखाने का अवसर। आयुष म्हात्रे (मुंबई)ः युवा स्तर पर सफलता के बाद सीनियर घरेलू क्रिकेट में निरंतरता साबित करने की चुनौती। शिखर मोहन (झारखंड)ः पिछले सीजन 600 से ज्यादा रन बनाने के बाद एक बार फिर बड़ी पारियां खेलने की उम्मीद। आकिब नबी (जम्मू-कश्मीर)ः पिछले सीजन 60 विकेट लेकर टीम को चैंपियन बनाया।

बच्चे के सिर का आकार बड़ा है,लापरवाही न करें, ये हाइड्रोसेफेलस हो सकता है,समझें इस बीमारी से बचाव और इलाज

नोएडा। क्या आपने कभी किसी ऐसे बच्चे को देखा है, जिसका सिर सामान्य से ज्यादा बड़ा हो। जन्म के बाद अगर

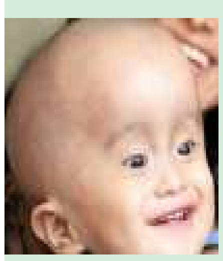

किसी बच्चे का सिर सामान्य से ज्यादा तेजी से बढ़ने लगे, बार-बार उल्टी हो, सुस्ती रहे या उसकी आंखें नीचे की ओर टिकी दिखाई दें तो इसे सामान्य विकास मानकर नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। यह 'हाइड्रोसेफेलस' का संकेत हो सकता है। इसे आम भाषा में 'ब्रेन में पानी भरना' कहते हैं। लेकिन इसमें पानी नहीं, बल्कि सीएसएफ सेरेब्रोस्पाइनल फ्लूइड) नाम का तरल जमा होता है। समय पर इलाज न मिले तो यह दिमाग को स्थायी नुकसान पहुंचा सकता है, लेकिन अच्छी बात यह है कि सही समय पर पहचान और उपचार से ज्यादातर मरीज सामान्य जीवन जी सकते हैं। 'नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ हेल्थ' (एनआईएच) में पब्लिश एक स्टडी के मुताबिक, दुनियाभर में हर साल 4 लाख से ज्यादा बच्चों में हाइड्रोसेफेलस के नए मामले सामने आते हैं। वहीं, हर 1 लाख लोगों में औसतन 85 लोग इस बीमारी से प्रभावित होते हैं। इड्रोसेफेलस क्यों होता है? इसके शुरूआती संकेत क्या हैं? किन लोगों को रिस्क ज्यादा होता है? विषय को समझेंगे 'फिजिकल हेल्थ' में आज हाइड्रोसेफेलस के बारे में विस्तार से बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि-एक्सपर्ट- डॉ. सोनिया लाल गुप्ता, सीनियर न्यूरोलॉजिस्ट, मेट्रो ग्रुप ऑफ हॉस्पिटल्स, जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- हाइड्रोसेफेलस क्या है? क्या यह सिर्फ 'दिमाग में पानी भर जाना' है या मामला इससे अलग है?जवाब- 'हाइड्रोसेफेलस' शब्द ग्रीक भाषा के दो शब्दों से मिलकर बना है। 'हाइड्रो' यानी पानी और 'सेफेलस' का मतलब है- सिर। इसी वजह से इसे 'दिमाग में पानी भर जाना' कहते हैं, लेकिन यह पूरी तरह सही नहीं है। इसमें पानी नहीं, बल्कि सीएसएफ (सेरेब्रोस्पाइनल फ्लूइड) नाम का साफ, कलरलेस फ्लूइड जमा होता है। यह ब्रेन और रीढ़ की हड्डी को प्रोटेक्ट करता है। सीएसएफ जमा होने से ब्रेन पर प्रेशर बढ़ने लगता है और उसका सामान्य कामकाज प्रभावित हो सकता है। सवाल- ब्रेन में सेरेब्रोस्पाइनल फ्लूइड (सीएसएफ) क्या काम करता है? जवाब- सीएसएफ ब्रेन और रीढ़ की हड्डी के लिए सुरक्षा कवच की तरह काम करता है। नीचे पॉइंटर्स से डिटेल में समझिए- ब्रेन और रीढ़ की हड्डी को झटकों और चोटों से बचाता है। ब्रेन तक जरूरी पोषक तत्व पहुंचाने में मदद करता है। ब्रेन की सेल्स से बनने वाले अपशिष्ट पदार्थों को हटाने में मदद करता है। यह ब्रेन के अंदर लगातार बनता और बहता रहता है। काम पूरा होने के बाद शरीर इसे रक्त में दोबारा अवशोषित कर लेता है। जब यह प्रक्रिया बाधित हो जाती है, तब सीएसएफ ब्रेन में जमा होने लगता है। सवाल- हाइड्रोसेफेलस कैसे विकसित होता है? जवाब- सामान्य स्थिति में ब्रेन के अंदर जितना सीएसएफ बनता है, उतना ब्लड में अवशोषित हो जाता है। लेकिन अगर किसी वजह से सीएसएफ का फ्लो रुक जाए या ब्लड इसे ठीक से अवशोषित न कर पाए, तो यह ब्रेन में जमा होने लगता है। इससे ब्रेन के अंदर मौजूद वेंट्रिकल्स बड़े हो जाते हैं और ब्रेन पर प्रेशर बढ़ने लगता है। यही स्थिति हाइड्रोसेफेलस कहलाती है। सवाल- हाइड्रोसेफेलस कितने प्रकार का होता है? जवाब- हाइड्रोसेफेलस मुख्य रूप से 4 प्रकार का होता है। 1. कम्युनिकेटिंग हाइड्रोसेफेलस- इसमें सीएसएफ बाहर निकलने के बाद उसका फ्लो रुक जाता है या वह ठीक से एब्जॉर्ब नहीं हो पाता। 2. नॉन-कम्युनिकेटिंग (ऑब्स्ट्रक्टिव) हाइड्रोसेफेलस- सीएसएफ का रास्ता ब्रेन के अंदर ही ब्लॉक हो जाता है, जिससे फ्लूइड जमा होने लगता है।3. नॉर्मल प्रेशर हाइड्रोसेफेलस (एनपीएच) सीएसएफ धीरे-धीरे जमा होता है। वेंट्रिकल्स बड़े हो जाते हैं, लेकिन दबाव सामान्य रहता है। यह अक्सर बुजुर्गों में होता है। 4. हाइड्रोसेफेलस एक्स-वैकुओ-सिर में चोट या स्ट्रोक के बाद ब्रेन सिकुड़ने से बनी खाली जगह में सीएसएफ भर जाता है। इसमें आमतौर पर दबाव नहीं बढ़ता। सवाल- किन लोगों को इसका रिस्क ज्यादा होता है? जवाब- कुछ लोगों में इसका रिस्क ज्यादा होता है। जैसे- प्री-मेच्योर बेबी, जिनके ब्रेन में ब्लीडिंग हुई हो। जिन नवजात और छोटे बच्चों को जन्म से ब्रेन से जुड़ी समस्या हो। जिन्हें ब्रेन ट्यूमर या मेनिन्जाइटिस हो। जिन्हें ब्रेन स्ट्रोक हुआ हो। जिनके सिर में गंभीर चोट लगी हो। जिनकी उम्र 60 साल से ज्यादा हो। सवाल- हाइड्रोसेफेलस क्यों होता है? जवाब- इसके कारणों को 2 हिस्सों में बांटा जाता है। 1. जन्मजात- कुछ बच्चों में जन्म से ही यह समस्या होती है। इसकी वजह प्रेग्नेंसी के दौरान जेनेटिक या भ्रूण के विकास से जुड़ी समस्याएं हो सकती हैं।2. जन्म के बाद होने वाला-यह किसी भी उम्र में हो सकता है। जन्मजात- गर्भ में ब्रेन विकसित न होना, स्पाइना बिफिडा, प्रेग्नेंसी में इन्फेक्शन, संक्रमण मेनिन्जाइटिस, एन्सेफलाइटिस। सिर में चोट-ब्रेन स्ट्रोक, ब्रेन में ब्लीडिंग, सिर में चोट, सड़क दुर्घटना, ब्रेन ट्यूमर या सिस्ट। हाइड्रोसेफेलस के लक्षण हर उम्र में एक जैसे नहीं होते। शिशुओं, बच्चों, वयस्कों और बुजुर्गों में इसके संकेत अलग-अलग हो सकते हैं। ग्राफिक में उम्र के अनुसार इसके सभी संकेत पढ़िए। नवजात शिशु (0-1 वर्ष) सिर का आकार तेजी से बढ़ना। सिर का ऊपरी मुलायम हिस्सा उभरना। बार-बार उल्टी होना। दूध पीने में दिक्कत। बहुत ज्यादा नींद, सुस्ती। आंखें नीचे की ओर टिकना। बार-बार दौरे पड़ना। बार-बार दौरे पड़ना। छोटे बच्चेः- सिरदर्द, बार-बार उल्टी, चलने में परेशानी, स्पेटल्स, न सीखने में कठिनाई। विकास की धीमी गति, धुंधला या दोहरा दिखना, वयस्कः-लगातार सिरदर्द, मतली और उल्टी, डबल विजन, धुंधला दिखना, संतुलन बिगड़ना याददाश्त कम होना। बुजुर्गः- चलने में पैर घिसटना/ लड़खड़ाना। बार-बार गिरना। भूलने की समस्या। पेशाब पर नियंत्रण कम होना। कई बार लोग सिरदर्द, मतली, लड़खड़ाकर चलने या भूलने जैसी समस्याओं को सामान्य परेशानी या बढ़ती उम्र का असर समझकर नजरअंदाज कर देते हैं। शुरुआती संकेत लोग क्या समझते हैं? बार-बार सिरदर्द, सामान्य माइडेन, सुबह, गैस बदहजमी, धुंधला दोहरा दिखना, आंखों का बड़ा नंबर, हुए लड़खड़ाना, बढ़ती उम्र, भूलने लगता, उम्र का असर, चिड़चिड़ापन, नाव या मूड स्विंग, नजर कमजोर होना या दृष्टि चली जाना। बार-बार दौरे पड़ना। ब्रेन को स्थायी नुकसान। गंभीर मामलों में जान जा सकती है। सवाल- सर्जरी के बाद किन बातों का ध्यान रखना पड़ता है? क्या मरीज उसके बाद सामान्य जीवन जी सकता है? जवाब- हां, लेकिन सर्जरी के बाद कुछ बातों का ध्यान रखना जरूरी है। जैसेकि- डॉक्टर की सलाह के अनुसार रेगुलर फॉलोअप करें। सर्जरी वाली जगह में दर्द, सूजन या बुखार हो तो तुरंत डॉक्टर से कंसल्ट करें। अचानक सिरदर्द, उल्टी, धुंधला दिखना या चलने में दिक्कत हो, तो टेस्ट कराएं। दवाएं समय पर

पढ़ाई में गिरावट, ध्यान की कमी, शिशु का सिर बढ़ना, सामान्य विकास। सवाल- डॉक्टर हाइड्रोसेफेलस की पुष्टि कैसे करते हैं? इसके लिए कौन से टेस्ट किए जाते हैं? जवाब- डॉक्टर मरीज के लक्षणों के आधार पर जरूरत के अनुसार ये टेस्ट कराते हैं-एमआरआई स्कैन- ब्रेन में सीएसएफ की मात्रा और वेंट्रिकल्स का साइज देखने के लिए। सिटी स्कैन- ब्रेन में सूजन, ब्लीडिंग या सीएसएफ जमा होने का पता लगाने के लिए। अल्ट्रासाउंड- साउंड वेव्स से नवजात के ब्रेन की तस्वीरें लेकर सीएसएफ और वेंट्रिकल्स की स्थिति देखने के लिए। न्यूरोलॉजिकल और मेमोरी टेस्ट- बैलेंस, याददाश्त और सोचने-समझने की क्षमता का आकलन करने के लिए। स्पाइनल टैप- कुछ मामलों में सीएसएफ निकालकर जांच की जाती है। इससे नॉर्मल प्रेशर हाइड्रोसेफेलस का आकलन करने में मदद मिलती है। सवाल- हाइड्रोसेफेलस का इलाज क्या है? क्या यह दवा से ठीक हो सकता है? जवाब- इसका इलाज बीमारी के कारण, गंभीरता और मरीज की उम्र पर निर्भर करता है। ज्यादातर मामलों में यह सिर्फ दवाओं से ठीक नहीं होता। जब ब्रेन में सीएसएफ ज्यादा जमा हो जाता है, तो उसे बाहर निकालने के लिए सर्जरी की जरूरत पड़ती है। जैसेकि- शंट सर्जरीः एक पतली ट्यूब लगाकर एक्स्ट्रा सीएसएफ को शरीर के दूसरे हिस्से, जैसे पेट में पहुंचाया जाता है। एंडोस्कोपिक थर्ड वेंट्रिकुलोस्टॉमी (ईटीवी)ः कुछ मरीजों में ब्रेन के अंदर सीएसएफ के फ्लो के लिए नया रास्ता बनाया जाता है। सवाल- इलाज में देरी हो तो क्या कॉम्प्लिकेशंस हो सकते हैं? जवाब- समय पर इलाज न होने पर कई तरह के कॉम्प्लिकेशंस हो सकते हैं, जैसेकि- याददाश्त और सीखने की क्षमता में कमी। चलने-फिरने और संतुलन बनाने में दिक्कत। लें और खुद से बंद न करें। बच्चों में सिर के आकार, विकास और पढ़ाई-लिखाई पर नजर रखें। हाइड्रोसेफेलस में इलाज के बाद भी पेशेंट की निगरानी जरूरी होती है। नए लक्षण दिखने पर तुरंत डॉक्टर से संपर्क करें, क्योंकि कुछ मामलों शंट या बीमारी से जुड़ी समस्याएं दोबारा हो सकती हैं। सवाल- क्या हाइड्रोसेफेलस को होने से रोका जा सकता है? किन मामलों में जोखिम कम हो सकता है? जवाब- हर मामले में हाइड्रोसेफेलस को रोका नहीं जा सकता, खासकर अगर यह जेनेटिक हो। लेकिन कुछ उपायों से इसका रिस्क कम किया जा सकता है। इसके लिए-प्रेग्नेंसी के दौरान रेगुलर चेकअप कराएं। प्रेग्नेंसी में संक्रमण से बचाव करें। सिर की चोट से बचने के लिए हेलमेट और सीट बेल्ट का इस्तेमाल करें।मेनिन्जाइटिस जैसे इन्फेक्शन का समय पर इलाज कराएं। ब्रेन से जुड़ी समस्या का समय पर इलाज कराएं। सवाल- किन लक्षणों को मेडिकल इमरजेंसी मानना चाहिए और तुरंत हॉस्पिटल जाना चाहिए? जवाब- इन स्थितियों में तुरंत अस्पताल जाना चाहिए- अगर मरीज बेहोश हो जाए या दौरे पड़ें। बार-बार तेज उल्टी होने लगे। बोलने, चलने या देखने में अचानक परेशानी हो। तेज सिरदर्द के साथ कन्फ्यूजन, सुस्ती या रिस्पॉन्स कम होने लगे। शिशु दूध पीना बंद कर दे, लगातार सुस्त रहे या दौरे पड़ने लगें। सवाल- इस बीमारी से जुड़े कॉमन मिथ क्या हैं और उनकी सच्चाई क्या है? जवाब- हाइड्रोसेफेलस को लेकर लोगों के मन में कई गलतफहमियां हैं। इनकी वजह से कई बार बीमारी की पहचान और इलाज में देरी हो जाती है। हाइड्रोसेफेलस एक गंभीर बीमारी है, लेकिन लाइलाज नहीं है। समय पर पहचान और सही इलाज से इसके कारण होने वाली कई जटिलताओं से बचा जा सकता है।

गेहूं आटे में स्टोन पाउडर की मिलावट,खाने से किडनी-लिवर डैमेज का रिस्क, जानें मिलावटी आटा कैसे पहचानें

नयी दिल्ली। हाल ही में से पता चला कि उत्तर प्रदेश की कई फैक्ट्रियों में गेहूं के आटे में सफेद पत्थर का चूरा (स्टोन पाउडर) मिलाया जा रहा है। रिपोर्टर ने बाकायदा ऑन कैमरा इस पूरे प्रोसेस को कैद किया। रिपोर्ट के मुताबिक हाथरस और फिरोजाबाद की फैक्ट्रियों में आटे में स्टोन पाउडर मिलाया जा रहा था। कुछ दिन पहले बुलंदशहर, अलीगढ़ और फिरोजाबाद में भी ब्रांडेड आटे में स्टोन पाउडर की मिलावट पकड़ी गई थी। इस रिपोर्ट ने लोगों की चिंता बढ़ा दी है कि 'कहीं हम भी स्टोन पाउडर मिला आटा तो नहीं खा रहे हैं।' ऐसा आटा खाने से कई गंभीर स्वास्थ्य समस्याएं हो सकती हैं। इससे लंबे समय में लिवर और किडनी डैमेज का रिस्क बढ़ता है। इसलिए आज मिलावटी आटे के हेल्थ रिस्क पर बात करेंगे। साथ ही जानेंगे कि-स्टोन पाउडर मिले आटे की पहचान कैसे करें? आटा खरीदते समय किन बातों का ध्यान रखें? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट देवेन्द्र कुमार दुबे, फूड सेफ्टी ऑफिसर, फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन, दमोह व डॉ. अरविंद अग्रवाल, डायरेक्टर, इंटरनल मेडिसिन, श्री बालाजी एक्शन मेडिकल इंस्टीट्यूट, दिल्ली जी के साथ सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- मिलावटखोर गेहूं के आटे में स्टोन पाउडर क्यों मिलाते हैं? जवाब- मिलावटखोर ज्यादा मुनाफा कमाने के लिए गेहूं के आटे में स्टोन पाउडर मिलाते हैं। यह गेहूं की तुलना में काफी सस्ता होता है। इसे मिलाने से आटे की मात्रा और वजन बढ़ जाता है, जबकि लागत कम रहती है। इससे मिलावटखोरों को ज्यादा मुनाफा होता है। चंद पैसों के लिए वे लोगों की जान से खिलवाड़ कर रहे हैं और उन्हें 'स्लो पॉइजन' दे रहे हैं। सवाल- आटे में जिस स्टोन पाउडर की मिलावट की जा रही है, क्या वो कोई खास तरह का पत्थर होता है? जवाब- हां, इसे सेलखड़ी या सोपस्टोन कहा जाता है। यह राजस्थान के कुछ खदानों से निकाला जाता है। इसका इस्तेमाल कॉस्मेटिक्स, प्लास्टिक, पेंट, कागज और मूर्तियां बनाने जैसे कामों में होता है। यह खाने के लिए नहीं है, लेकिन मिलावटखोर मुनाफे के लिए इसे आटे में मिलाते हैं।

इसका पाउडर बेहद महीन होता है। इसे आटे में मिलाने पर मुंह में किरकिराहट महसूस नहीं होती। रोटी के स्वाद और रंग में भी फर्क नजर नहीं आता, जिससे मिलावट पकड़ना मुश्किल होता है। सवाल- गेहूं के आटे में स्टोन पाउडर के अलावा और किन चीजों की मिलावट पकड़ी गई है? जवाब- देश के अलग-अलग हिस्सों से अक्सर गेहूं के आटे में मिलावट के मामले सामने आते रहते हैं। इनमें कई चीजों की मिलावट देखने को मिलती है- खड़िया मिट्टी (चॉक पाउडर) सस्ता स्टार्च, जरूरत से ज्यादा चोकर, मैदा, चावल/मक्के का आटा, खराब या फफूंद लगे गेहूं से तैयार आटा। सवाल- मिलावटी आटे के हेल्थ रिस्क क्या हैं? जवाब- स्टोन पाउडर मिला आटा खाने से पाचन तंत्र के साथ किडनी और लिवर पर अतिरिक्त दबाव पड़ता है। लंबे समय तक इसे खाने से कई स्वास्थ्य समस्याओं का रिस्क बढ़ता है। शॉर्ट टर्मः- पेट दर्द, गैस और अपच, कब्ज, दस्त, पेट फूलना। लॉन्ग टर्मः- किडनी डैमेज, लिवर डैमेज, आंतों को नुकसान, न्यूट्रिशन अब्जॉर्शन प्रभावित। सवाल- क्या सिर्फ देखकर मिलावटी आटे की पहचान कर सकते हैं? जवाब- नहीं, स्टोन पाउडर बहुत महीन और सफेद होते हैं। इन्हें आटे में मिलाने पर रंग, बनावट या रोटी के स्वाद में कोई खास फर्क नहीं दिखता। इसलिए मिलावट पकड़ना मुश्किल होता है। सवाल- आटे में स्टोन पाउडर की मिलावट को कैसे पहचानें? जवाब- कुछ आसान घरेलू तरीकों से इसका पता लगाया जा सकता है। शक होने पर ऑथराइज्ड फूड टेस्टिंग लैब से आटे की जांच करानी चाहिए। आटे में 'स्टोन पाउडर' कैसे पहचानें? लेमन टेस्ट, कटोरी में आटा लें। नींबू की कुछ बूंदें डालें। बुलबुले बनें तो मिलावट है। वाटर टेस्ट गिलास में पानी भरें। आटा डालकर मिलाएं। तली में बैठ जाए तो मिलावट है। फिंगर टेस्टः- हथेली पर रखकर रगड़ें। शुद्ध आटा खुरदुरा लगेगा। असामान्य चिकनाहट हो तो मिलावट है। नोटः ये तरीके केवल प्रारंभिक संकेत हैं। मिलावट की पुष्टि लैब टेस्ट से ही होती है। पैकेज्ड आटा खरीदते समय सिर्फ ब्रांड देखकर भरोसा न करें। पैकेट पर दी गई डिटेल्स, पैकेजिंग और क्वालिटी की जांच जरूर करें। पैकेज्ड आटा लेते हुए सावधानियाँ- विश्वसनीय ब्रांड चुनें। एफ.एस.एस.ए.आई लाइसेंस नंबर देखें।सीलबंद पैकेट ही खरीदें। मैन्युफैक्चरिंग, एक्सपायरी डेट देखें। पैकेट फूला, फटा न हो। बहुत सस्ता आटा न खरीदें। खरीदते समय बिल ज़रूर लें। खुला आटा खरीदते समय सिर्फ कीमत नहीं, क्वालिटी और साफ-सफाई पर भी ध्यान दें। साथ ही ग्राफिक में दी गई कुछ बातों का खास ख्याल रखें-भरोसेमंद दुकान से ही खरीदें। ताजा पिसा हुआ आटा लें। रंग, स्मेल और टेक्सचर देखें। नमी, कीड़े या गांठें न हों। घर पर दोबारा चेक करें। बहुत सस्ता आटा न खरीदें। आटे को सूखे डिब्बे में रखें। शक हो तो शिकायत करें। सवाल- क्या एफ.एस.एस.ए.आई ने आटे को लेकर कोई मानक तय किए हैं? जवाब- हां, 'भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण' (एफ.एस.एस.ए.आई) ने गेहूं के आटे के लिए क्वालिटी और सुरक्षा संबंधी मानक तय किए हैं। नियमों के मुताबिक- आटा साफ और अच्छी क्वालिटी के गेहूं से तैयार होना चाहिए। इसमें किसी भी तरह की हानिकारक मिलावट, असामान्य स्मेल या स्वाद नहीं होना चाहिए। एफ.एस.एस.ए.आई ने आटे में नमी और अन्य गुणवत्ता मानकों की भी सीमा तय की है। इन नियमों का पालन सभी फूड कारोबारियों के लिए जरूरी है। मिलावटी आटा यानी ढेर सारा टॉक्सिन। टॉक्सिन को छानने का काम किडनी का है। खराब खाना खाएंगे तो किडनी का वर्कलोड बढ़ेगा और वह डैमेज हो सकती है। इसलिए खाने में किसी भी तरह की मिलावट शरीर के लिए खतरनाक है।सवाल- अगर आटे में मिलावट का शक हो तो क्या करें? जवाब- ऐसी स्थिति में तुरंत कुछ कदम उठाएं- ऐसे आटे का इस्तेमाल तुरंत बंद कर दें। पैकेट, बिल और बचा हुआ आटा सुरक्षित रखें, ताकि जांच में जरूरत पड़ने पर उसे सबूत के तौर पर इस्तेमाल किया जा सके। राज्य के फूड सेफ्टी विभाग में शिकायत दर्ज कराएं। एफ.एस.एस.ए.आई के 'फूड सेफ्टी कनेक्ट' एप, टोल-फ्री हेल्पलाइन नंबर 1930 या वेबसाइट के जरिए शिकायत दर्ज कराएं। शिकायत मिलने पर फूड सेफ्टी ऑफिसर सैंपल लेकर जांच करते हैं।

सवाल- मिलावट की पुष्टि होने पर क्या कार्रवाई हो सकती है? जवाब- ऐसे केस में संबंधित निर्माता, सप्लायर या विक्रेता के खिलाफ 'फूड सेफ्टी एंड स्टैंडर्ड्स एक्ट, 2006' के तहत एक्शन लिया जाता है। मामले की गंभीरता के आधार पर ये कार्रवाइयां हो सकती हैं- मिलावटी खाद्य पदार्थ जब्त किए जा सकते हैं। फूड बिजनेस का लाइसेंस निलंबित हो सकता है। लाइसेंस रद्द किया जा सकता है। जुर्माना लगाया जा सकता है। गंभीर मामलों में जेल हो सकती है।

चीन के भीमकाय बांध दुनिया के लिए वाटर-बम साबित होंगे

क्या आप जानते हैं दुनिया का सबसे बड़ा बांध बनाने के लिए चीन ने कौन-सी जगह चुनी है? यह दुनिया के सबसे जटिल

भू-राजनीतिक और भूकंपीय रूप से अस्थिर क्षेत्रों में से है। भारत की सीमा से कुछ ही किलोमीटर दूर चीन तिब्बत में यारलुंग त्सांगपो नदी पर एक अभूतपूर्व परियोजना का निर्माण कर रहा है। यह दुनिया की सबसे अधिक ऊंचाई पर बहने वाली प्रमुख नदी है। इसे ही भारत में ब्रह्मपुत्र कहते हैं। यह विशाल बांध बिजली उत्पादन क्षमता के मामले में चीन के थ्री गॉर्जेज डैम को भी बहुत पीछे छोड़ देगा, जो फिलहाल दुनिया का सबसे बड़ा बांध है। इसका जलाशय भारत के पूर्वोत्तर और डेल्टाई बांग्लादेश में रहने वाली करोड़ों की आबादी के ऊपर पानी का एक विशाल भंडार रोककर रखेगा। इसको लेकर सबसे चिंताजनक चेतावनियां विदेशी आलोचकों नहीं, चीन के अपने वैज्ञानिकों की ओर से आ रही हैं। एक हालिया शोधपत्र ने निर्माण स्थल पर गंभीर भूगर्भीय खतरों की पहचान की है। भूवैज्ञानिकों का निष्कर्ष है कि यहां की भू-संरचना नाजुक है। उन्होंने चेतावनी दी है कि यहां आने वाले भूकंप बड़े पैमाने पर तबाही मचा सकते हैं, क्योंकि उससे जलाशय और आसपास का बुनियादी ढांचा, दोनों खतरे में पड़ सकते हैं। लेखकों ने जलाशय की ढलानों को मजबूत करने, रिटेनिंग संरचनाएं स्थापित करने और आपदा के जोखिम को कम करने के लिए परियोजना के प्रमुख हिस्सों को नए सिरे से डिजाइन करने की सिफारिश की है। जब किसी कम्युनिस्ट शासन के अधीन काम कर रहे वैज्ञानिक ऐसी चेतावनियां जारी करें, तो अंतरराष्ट्रीय समुदाय को उन पर ध्यान देना ही चाहिए। नया बांध ब्रह्मपुत्र नदी के ग्रेट बेंड पर बन रहा है, जहां भारत में प्रवेश करने से पहले नदी दुनिया की सबसे गहरी और सबसे लंबी घाटी से होकर तीव्र ढलान के साथ नीचे उतरती है। यह हिमालयी भूकंपीय पट्टी के ठीक बीच स्थित है, जो भारतीय और यूरेशियाई टेक्टोनिक प्लेटों की धीमी गति से हो रही टक्कर के कारण बनी है। यह पृथ्वी के सबसे अधिक भूकंप-संभावित क्षेत्रों में से एक है और यहां विनाशकारी भूकंप आने का पुराना रिकॉर्ड रहा है। खतरा केवल इतना नहीं है कि भूकंप किसी बांध को नुकसान पहुंचा सकता है। एक विशाल जलाशय खुद भी भूगर्भीय दबाव बढ़ाकर भूकंप को जन्म दे सकता है। इसका एक संभावित उदाहरण चीन में सामने आया था। आधुनिक चीन के इतिहास की सबसे घातक प्राकृतिक आपदाओं में से एक में 2008 में तिब्बती पठार के पूर्वी किनारे पर आए भूकंप में कई लोग मारे गए थे, जिनमें अधिकांश सिचुआन प्रांत के थे। वैज्ञानिक आज भी इसके कारणों को लेकर बहस करते हैं, लेकिन एक प्रभावशाली शोध का निष्कर्ष था कि शायद नए जिपिंगपू बांध के जलाशय में जमा पानी के विशाल भार ने नीचे स्थित एक दरार पर दबाव बढ़ाया हो और संभवतः उस भूकंप को दशकों या सदियों पहले ही ला दिया हो। लेकिन इस वैज्ञानिक संभावना का गंभीरता से सामना करने के बजाय चीन ने इससे भी कहीं बड़ी बांध परियोजना शुरू कर दी है, वह भी इससे अधिक नाजुक भूगर्भीय क्षेत्र में। लेकिन हिमालयी पारिस्थितिक तंत्र राष्ट्रीय सीमाओं का लिहाज नहीं करता; न ही किसी बड़े बांध के टूटने के परिणाम करेंगे। वर्ष 2025 में आया शक्तिशाली म्यांमार भूकंप इस बात का प्रमाण था कि यह भूकंपीय क्षेत्र किस हद तक परस्पर जुड़ा हुआ है। इसके झटके करीब 1,000 किलोमीटर दूर बैंकॉक तक महसूस हुए थे और वहां एक ऊंची इमारत ढह गई थी। ब्रह्मपुत्र पूर्वोत्तर भारत की जीवनरेखा है। भारत में यह खेतों की सिंचाई करती है, मत्स्य-पालन को सहारा देती है और लाखों लोगों की आजीविका का आधार है। बांग्लादेश में यह मीठे पानी का सबसे बड़ा स्रोत है।

चीन द्वारा मेकांग नदी पर बनाए गए विशाल बांधों की तरह यह सुपर-डैम भी सीमा-पार नदी प्रवाह को बदलने और पोषक तत्वों से भरपूर तलछट के निचले इलाकों तक पहुंचने को कम करने का खतरा पैदा करता है। जलाशय में रोके पानी को आपात-स्थिति में छोड़ना भी घनी आबादी वाले निचले मैदानी इलाकों में विनाशकारी बाढ़ ला सकता है।

तिब्बत में इंजीनियरिंग की एक विफलता से शुरू होने वाली घटना बांग्लादेश तक फैली मानवीय त्रासदी में बदल सकती है।

यह साफ है कि चीन ने पानी को कूटनीतिक दबाव का एक और औजार बना दिया है। हिमालयी पारिस्थितिक तंत्र राष्ट्रीय सीमाओं का लिहाज नहीं करता; न ही किसी बड़े बांध के टूटने के परिणाम करेंगे। वर्ष 2025 में आया म्यांमार भूकंप इस बात का प्रमाण था कि यह भूकंपीय क्षेत्र किस हद तक परस्पर जुड़ा हुआ है। (प्रोजेक्ट सिंडिकेट, ब्रह्मा चेलानी)

महिलाओं के पक्ष में एक नई राजनीतिक भाषा सुनाई दी है

कुछ दिनों पहले 'छात्रों की गूंज' कार्यक्रम के दौरान पुणे में युवा महिलाओं को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा

कि भारत में आदर्श नारी को तीन वर्गों में डाल दिया जाता है, उसे सिर्फ बेटी, पत्नी या मां के रूप में देखा जाता है। राहुल ने आगे कहा कि इनमें से किसी एक के रूप में देखे जाने में कोई गलत बात नहीं है, लेकिन यही आपकी एकमात्र पहचान नहीं हो सकती। कई महिलाएं बेहतरीन प्रोफेशनल होती हैं, जिनकी महत्वाकांक्षाएं और सपने इन पारंपरिक भूमिकाओं से आगे हैं। लेकिन अपने लक्ष्यों को हासिल करने की उनकी कोशिश अक्सर उन रुकावटों से भरी होती है, जो समाज और उसे चलाने वाली सोच उनके सामने खड़ी करती है। इन रुकावटों और इस सोच के खिलाफ लड़ना और उन्हें दूर करना जरूरी है। महिला दर्शकों की जोरदार तालियों के बीच राहुल का आखिरी संदेश था : 'पिंजरा तोड़ो, पितृसत्ता को खत्म करो।' अब तक इस तरह की बातें दुनिया भर में अकादमिक सेमिनारों और कॉन्फ्रेंस में लगातार सुनने को मिलती रही हैं। लेकिन जहां तक मेरी जानकारी है, पहली बार इन्हें भारत की मुख्यधारा की राजनीति में लाया गया है। अकादमिक और राजनीतिक मुख्यधारा अकसर सामाजिक और राजनीतिक जीवन के दो अलग-अलग हिस्से होते हैं। अमेरिका की आईवी लीग यूनिवर्सिटीज में 'मागा' की सोच का बहुत कम या बिल्कुल असर दिखाई नहीं देता। भारत में जेएनयू को भी अकसर एक अलग दुनिया माना गया है। केरल या बंगाल (जब राज्य में सीपीएम की सरकार थी) को छोड़ दें तो जेएनयू की राजनीतिक संस्कृति का राष्ट्रीय मुख्यधारा से बहुत कम मेल रहा है। दिल्ली स्कूल ऑफ इकोनॉमिक्स (और सोशियोलॉजी) का रिकॉर्ड भी कुछ ऐसा ही रहा है- मुख्यधारा की राजनीति में उसकी भूमिका शायद ही कभी उसकी बौद्धिक चमक के बराबर रही हो। इसलिए राहुल गांधी का पितृसत्ता के खिलाफ कदम नया और अलग है। यह सुनिश्चित करने के लिए कि पितृसत्ता को खत्म करो की अपील को ऊपर से थोपी गई कोई बौद्धिक बात न माना जाए, जिसका महिलाओं की रोजमर्रा की जिंदगी से कोई लेना-देना नहीं हो, पुणे में राहुल का बात रखने का तरीका काफी अलग था। उन्होंने इसे किसी यूनिवर्सिटी की ऊंची अकादमिक दुनिया से सीधे निकले राजनीतिक भाषण की तरह नहीं, बल्कि एक बड़े जन-कार्यक्रम की तरह पेश किया। मंच पर कई युवा महिलाओं को बुलाया गया था। इनमें लगभग सभी छात्राएं या हाल ही में पढ़ाई पूरी करने वाली युवा महिलाएं थीं। उन्होंने अपनी पढ़ाई और दूसरे लक्ष्यों के बारे में बताया और उन रुकावटों के बारे में भी बताया, जिनका उन्हें सामना करना पड़ता है। इनमें शहर और गांव, दोनों जगहों से आई महिलाएं थीं। कुछ अंग्रेजी अच्छी तरह बोल रही थीं, कुछ हिंदी में और कुछ मराठी में। कुछ ऊपरी-मध्यम वर्ग के परिवारों से थीं; एक आदिवासी महिला थीं और एक महाराष्ट्र के एक छोटे शहर के एक सफाई कर्मचारी की बेटी थीं।

सफाईकर्मी की बेटी ने दिल्ली के जामिया मिल्लिया इस्लामिया से पढ़ाई की थी और पत्रकार बनना चाहती हैं, लेकिन उन्हें बार-बार कहा जाता है कि वे पत्रकार नहीं बन सकतीं, उन्हें शादी के बारे में सोचना चाहिए। सभी महिलाओं ने अपनी बात इस तरह रखी कि रोजमर्रा की जिंदगी पर पितृसत्ता के बुरे असर को समझा जा सके। उन्होंने बताया कि गांव से बाहर के स्कूलों में जाना कितना मुश्किल है; सार्वजनिक परिवहन कितना असुरक्षित है, चाहे बसें भरी हों या खाली; सोशल मीडिया का इस्तेमाल उन्हें शर्मिंदा करने और दबाव बनाने के लिए कैसे किया जाता है। सिर्फ लिखकर ट्रोल करने के जरिए नहीं, बल्कि तस्वीरों और वीडियो के साथ छेड़छाड़ करके भी; महिला वकीलों को कमतर मानने वाली सोच के कारण कानूनी मामले योग्यता के आधार पर नहीं, बल्कि जेंडर के आधार पर दिए जाते हैं; कैसे नागरिक के तौर पर अभिव्यक्ति की आजादी का इस्तेमाल करने पर उनके खिलाफ एफआईआर दर्ज कर दी जाती है और कहा जाता है कि महिलाओं को अभिव्यक्ति की इतनी स्वतंत्रता नहीं दी जा सकती। इस कार्यक्रम का मकसद सिर्फ किसी विचार को उदाहरणों के जरिए समझाना नहीं था। इस कवायद का मकसद गहराई से राजनीतिक था। बंगाल में जीत के बाद बीजेपी का राजनीतिक प्रभाव बहुत बढ़ गया था। लेकिन कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) आंदोलन- खासकर जंतर-मंतर का प्रदर्शन- ने देश में राजनीतिक विमर्श को बदला है। इसी मौके का फायदा उठाते हुए राहुल गांधी राजनीतिक बहस में बढ़त हासिल करने की कोशिश कर रहे हैं। 2027 में कई विधानसभा चुनाव होने हैं और छात्र व महिलाएं यकीनन एक महत्वपूर्ण वोटर समूह हैं। अब तक जिस तरह की बातें अकादमिक सेमिनारों और कॉन्फ्रेंस में सुनने को मिलती थीं, उन्हें पहली बार मुख्यधारा की राजनीति में लाया गया है। देखना होगा कि पितृसत्ता को खत्म करो वाले संदेश का महिलाओं पर क्या असर होता है। (ये लेखक के अपने विचार हैं,आशुतोष वार्ष्णेय)

मां दुर्गा हाथी पर सवार होकर आ रही हैं, आप के द्वार , जाने कलश स्थापन के शुभ मुहूर्त

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) मां दुर्गा की आराधना का सबसे पवित्र पर्व शारदीय नवरात्र इस वर्ष 11 अक्टूबर, रविवार से शुरू होने जा रहा है नवरात्री का

यह पावन पर्व 20 अक्टूबर, मंगलवार को विजयादशमी के साथ संपन्न होगा। इस बार नवरात्र को लेकर एक विशेष धार्मिक मान्यता सामने आ रही है ज्योतिषीय गणना और पंचांग के अनुसार, इस वर्ष जगत जननी मां दुर्गा का आगमन हाथी पर होगा धार्मिक परंपराओं में मां दुर्गा का हाथी पर आगमन बेहद शुभ माना जाता है मान्यता है कि हाथी पर देवी का आगमन अच्छी वर्षा, कृषि में उन्नति, सुख-समृद्धि, शांति और स्थिरता का संकेत देता है हालांकि, यह ध्यान रखना जरूरी है कि देवी की सवारी से जुड़े ये फलादेश धार्मिक मान्यताओं और परंपरागत ज्योतिषीय गणनाओं पर आधारित होते हैं। कलश स्थापना का शुभ मुहूर्त क्या है?

पंचांग के अनुसार, शारदीय नवरात्र के पहले दिन यानी 11 अक्टूबर को कलश स्थापना की जाएगी पंचांग के मुताबिक, घटस्थापना का सुबह का शुभ मुहूर्त सुबह 6:19 बजे से 10:12 बजे तक बताया गया है वहीं, वैकल्पिक अभिजीत मुहूर्त सुबह 11:44 बजे से दोपहर 12:31 बजे तक रहेगा। नोट :- ध्यान रखें कि घटस्थापना का मुहूर्त शहर के अनुसार बदल सकता है इसलिए अपने शहर के स्थानीय पंचांग में दिए गए समय की पुष्टि कर लें.कब शुरू होगी प्रतिपदा तिथि? हिंदू पंचांग के अनुसार, आश्विन मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि 10 अक्टूबर 2026 की रात से शुरू होकर 11 अक्टूबर की रात तक रहेगी उदया तिथि के आधार पर नवरात्र का पहला दिन 11 अक्टूबर को माना जाएगा इसी दिन मां शैलपुत्री की पूजा और कलश स्थापना की परंपरा है.नवरात्रि में कलश स्थापना कैसे करें? सबसे पहले पूजा वाली जगह को साफ करें। एक चौकी पर लाल या पीला कपड़ा बिछाएं। इसके बाद मिट्टी के पात्र में जौ बोएं और उसके ऊपर कलश स्थापित करें। कलश में जल भरकर उसमें अक्षत, सुपारी और सिक्का डाल सकते हैं। कलश के मुंह पर आम या अशोक के पत्ते रखें और ऊपर नारियल रखें। इसके बाद मां दुर्गा का ध्यान करते हुए संकल्प लें। कलश स्थापना के बाद मां दुर्गा की पूजा करें और अखंड ज्योति जलाने की परंपरा हो तो उसे विधि के अनुसार प्रज्वलित करें। नवरात्रि में किन बातों का ध्यान रखें? नवरात्रि में पूजा की जगह की साफ-सफाई का विशेष ध्यान रखें। अगर अखंड ज्योति जला रहे हैं तो उसे ऐसी जगह रखें जहां उसके गिरने या आग लगने का खतरा न हो। व्रत रखने वाले लोग अपनी क्षमता और स्वास्थ्य के अनुसार भोजन करें। फलाहार में भी बहुत ज्यादा तला-भुना खाना लेने से बचना बेहतर है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार नवरात्रि के दौरान सात्विक भोजन किया जाता है। मांसाहार, शराब और तामसिक भोजन से दूरी रखने की परंपरा है। कलश स्थापना के बाद नवरात्रि के नौ दिनों तक देवी की पूजा और पाठ किया जाता है। दुर्गा सप्तशती या देवी कवच का पाठ करने वाले श्रद्धालु संकल्प के अनुसार उसका पाठ पूरा कर सकते हैं। शारदीय नवरात्र का इंतजार अब खत्म होने वाला है. मां दुर्गा की भक्ति और आराधना का यह पावन पर्व इस साल 11 अक्टूबर 2026, रविवार से शुरू होगा नवरात्र के नौ दिनों में भक्त मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा-अर्चना करेंगे, व्रत रखेंगे और देवी से सुख-शांति व समृद्धि की कामना करेंगे लेकिन नवरात्र की तारीखों और पूजा के अलावा देवी के आगमन और प्रस्थान के वाहन का भी विशेष महत्व है. हर साल किस वाहन पर आती हैं माता दुर्गा? देवीपुराण में मां दुर्गा के आगमन के वाहन को लेकर एक श्लोक लिखा है जिससे हर साल मां दुर्गा के आगमन के दिन के हिसाब से उनकी सवारी तय होती है। यह श्लोक है- 'शशि सूर्य गजरुढा शनिभौमै तुरंगमे।गुरौशुक्रेच दोलायां बुधे नौकाप्रकीर्तिता इस श्लोक का अर्थ है नवरात्र में माता के आगमन का वाहन वार के आधार पर निर्धारित होता है। जिसमें

सोमवार और रविवार को मां दुर्गा हाथी पर सवार होकर आती हैं। मंगलवार और शनिवार को उनका वाहन घोड़ा माना जाता है। बुधवार को माता नाव पर सवार होकर आती हैं, वहीं गुरुवार और शुक्रवार को माता का आगमन पालकी पर होता है। इस साल शारदीय नवरात्र का आरंभ 11 अक्टूबर, रविवार को हो रहा है, इसी वजह से माता इस साल हाथी पर सवार होकर आएंगी। हर साल मां दुर्गा की सवारी से कैसे मिलते हैं भविष्य के संकेत देवी पुराण के इस श्लोक के अगले हिस्से में लिखा है- गजेश जलदा देवी क्षत्रभंग तुरंगमे। नौकायां कार्यसिद्धिस्यात् दोलायों मरणध्रुवम्' इसका अर्थ है गजेश जलदा देवी- जब मां दुर्गा हाथी पर सवार होकर आती हैं, तो इसे उस साल के लिए अच्छी वर्षा और सुख-समृद्धि के संकेत मिलते हैं। इसी वजह से इस साल शारदीय नवरात्र में माता के आगमन को शुभ संकेत माना जा रहा है। क्षत्रभंग तुरंगमे- का अर्थ है जब माता दुर्गा तुरंग यानी घोड़े पर आती हैं, तो क्षत्रभंग होता है यानी कि राज्य का हरण होता है। नौकायां कार्यसिद्धिस्यात् का मतलब है जब माता नौका पर आती हैं, तब कार्यों की सिद्धि होती है। दोलायों मरणध्रुवम् यानी पालकी पर माता का आगमन मृत्यु का संकेत देता है। हर साल माता दुर्गा की सवारी अलग होती है और उसके भविष्य के लिए कुछ संकेत भी होते हैं, जिसका असर देश दुनिया पर दिखाई देता है। इन वाहनों से जुड़े फलः-धार्मिक मान्यताओं के अनुसार, देवी के अलग-अलग वाहनों के अलग-अलग शुभ-अशुभ संकेतों से जोड़कर देखा जाता है। इस साल मां दुर्गा का आगमन हाथी से हो रहा है। ऐसे में वर्षा और सुख-समृद्धि में वृद्धि देखने को मिल सकती है। वहीं, घोड़े को संघर्ष और अस्थिरता का संकेत, नाव को कार्य सिद्धि का संकेत, डोली को प्रतिकूलता संकेत माना जाता है। इस साल किस वाहन से प्रस्थान करेंगी मां दुर्गाः-इस साल दशमी तिथि 20 अक्टूबर 2026, मंगलवार को पड़ रही है। ऐसे में मां दुर्गा का प्रस्थान चरणायुध या मुर्गा पर माना जा रहा है। इसे विकलता या अस्थिरता से जोड़कर देखा जाता हैं। प्रस्थान के वाहनों से जुड़े फलः-प्रचलित श्लोक के अनुसार, अगर मां भैंसे से प्रस्थान करती हैं, तो इसे रोग और शोक से जोड़कर देखा गया है। मुर्गा को विकलता या अस्थिरता का संकेत माना गया है। वहीं हाथी को शुभ वर्षा का संकेत माना गया है। मनुष्य को सुख-समृद्धि और सौख्य से जोड़कर देखा गया है। नवरात्रि के पहले दिन माता शैलपुत्री की विधि-विधान से पूजा की जाती है। माता शैलपुत्री को पर्वतराज हिमालय की पुत्री माना जाता है। माता शैलपुत्री स्थिरता और शक्ति का प्रतीक हैं। माता की पूजा करने से भक्तों के जीवन में भी स्थिरता आती है। माता का पूजन आपके मूलाधार चक्र को भी जागृत करता है और जीवन में अच्छे बदलाव आपको देखने को मिलते हैं। ऐसा है मां शैलपुत्री का स्वरूपः-माता शैलपुत्री का स्वरूप बेहत शांत और सरल है। माता के एक हाथ में त्रिशूल और दूसरे में कमल शोभा दे रहा है। मां अपने नंदी नामक बैल पर सवार होकर संपूर्ण हिमालय पर विराजमान हैं इसलिए माता शैलपुत्री को वृषोरूढ़ा और उमा के नाम से भी जाना जाता है। यह वृषभ वाहन शिवा का ही स्वरूप है और शैलपुत्री समस्त वन्य जीव-जंतुओं की रक्षक भी हैं। माता शैलपुत्री ने घोर तपस्या करके ही भगवान शिव को प्रसन्न किया था। शैलपुत्री के अधीन वे समस्त भक्तगण आते हैं, जो योग, साधना-तप और अनुष्ठान के लिए पर्वतराज हिमालय की शरण लेते हैं। मां अपने भक्तों की हमेशा मनोकामना पूरी करती हैं और साधक का मूलाधार चक्र जागृत होने में सहायता मिलती है। नवरात्रि के पहले दिन का रंगः-नवरात्रि के पहले दिन नारंगी, लाल और पीले रंग के कपड़े पहनना शुभ माना जाता है। मान्यता है की इस दिन इन रंगों के वस्त्र धारण करने से मां शैलपुत्री का आशीर्वाद मिलता है। मां शैलपुत्री भोगः-नवरात्रि के पहले दिन मां शैलपुत्री को सफेद चीजों जैसे बर्फी, खीर और रबड़ी का भोग लगाएं।मां शैलपुत्री की पूजा विधिः-नवरात्रि के पहले दिन मां शैलपुत्री की पूजा से पहले विधि विधान घटस्थापना करें। कलश स्थापना के बाद माता के समक्ष घी का दीपक जलाएं और उन्हें फूल अर्पित करें। इस दिन माता को बर्फी, खीर और रबड़ी का भोग लगाएं। माता के मंत्रों का जाप करें। अंत में मां शैलपुत्री की आरती करें और प्रसाद सभी में बांट दें। मां शैलपुत्री की कथाः-देवी भागवत पुराण के अनुसार, एक बार प्रजापति दक्ष ने अपने यहां एक विशाल यज्ञ का आयोजन करवाया। जिसमें उन्होंने समस्त देवी-देवताओं को बुलाया, लेकिन भगवान शिव और अपनी पुत्री सती को इसका निमंत्रण नहीं भेजा। भगवान शिव ने देवी सती को यज्ञ में जाने से मना किया, लेकिन माता नहीं मानीं और वे समारोह में चली गईं। देवी सती के पिता ने यज्ञ में सती और भगवान शिव का खूब अपमान किया। जिससे माता को बहुत दुख हुआ और उन्होंने यज्ञ की वेदी में कूदकर अपने प्राणों की आहुति दे दी। इसके बाद देवी सती ने देवी पार्वती के रूप में जन्म लिया और तपस्या कर महादेव को पति के रूप प्राप्त किया। मां शैलपुत्री के मंत्रः-'ॐ देवी शैलपुत्र्यै नमः?' 'वन्दे वाञ्छितलाभाय चन्द्रार्धकृतशेखराम्। वृषारूढां शूलधरां शैलपुत्रीं यशस्विनीम्' यूपी रत्न विभूषित, ज्योतिषाचार्य महंत पं. सुधांशु तिवारी मुख्य प्रवक्ता व टीवी पैनलिस्ट .

जिलाधिकारी ने सेंट जोसेफ विद्यालय में एस.जे.एस. टेलंसिया-2026 प्रतियोगिता का किया शुभारंभ

15 विद्यालयों के 250 से अधिक विद्यार्थियों ने आठ प्रतियोगिताओं में किया प्रतिभाग,बड़े लक्ष्य निर्धारित कर निरंतर परिश्रम एवं सामाजिक जिम्मेदारी के साथ आगे बढ़ें विद्यार्थी : जिलाधिकारी

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) नोएडा। शनिवार को जनपद गौतमबुद्धनगर के ग्रेटर नोएडा स्थित सेंट जोसेफ विद्यालय,

सेक्टर अल्फा-1 में आज एस.जे.एस. टेलंसिया-2026 प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ जिलाधिकारी ने मुख्य अतिथि के रूप में दीप प्रज्ज्वलित कर किया। प्रतियोगिता में ग्रेटर नोएडा, नोएडा, गाजियाबाद, हाथरस, अलीगढ़ एवं आगरा सहित विभिन्न क्षेत्रों के 15 विद्यालयों से 250 से अधिक विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया। जिलाधिकारी ने छात्र-छात्राओं को संबोधित करते हुए बड़े सपने देखने, जीवन में स्पष्ट लक्ष्य निर्धारित करने तथा सुनियोजित योजना के साथ कड़ी मेहनत एवं स्मार्ट वर्क करते हुए आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि सफलता के लिए आत्मविश्वास, अनुशासन, दृढ़ संकल्प और निरंतर प्रयास आवश्यक हैं तथा असफलताओं से निराश होने के बजाय उनसे सीख लेकर आगे बढ़ना चाहिए। उन्होंने पढ़ाई के साथ खेलकूद एवं पाठ्येतर गतिविधियों में सहभागिता के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इससे विद्यार्थियों की प्रतिभा,

रचनात्मकता, नेतृत्व क्षमता एवं प्रबंधन कौशल का विकास होता है। इस अवसर पर उन्होंने विद्यार्थियों द्वारा स्वयं तैयारियां किए जाने की सराहना की। साथ ही, मैकबेथ पर आधारित वाद-विवाद को विद्यार्थियों की मौलिक सोच एवं रचनात्मकता का उत्कृष्ट उदाहरण बताते हुए प्रधानाचार्य एवं पूरी आयोजन टीम के प्रयासों की प्रशंसा की। जिलाधिकारी ने कहा कि कठिन परिस्थितियों एवं असफलताओं के समय विद्यार्थी निराश न हों, बल्कि अपने परिवार, शिक्षकों एवं मित्रों से संवाद कर उनका सहयोग लें एवं धैर्य, दृढ़ता एवं निरंतर प्रयास के साथ लक्ष्य प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने राष्ट्रपिता महात्मा गांधी जी के विचारों का उल्लेख करते हुए समाज के कमजोर एवं जरूरतमंद वर्गों के कल्याण के लिए कार्य करने तथा देश एवं समाज के प्रति अपनी जिम्मेदारियों का निर्वहन करने का संदेश दिया। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि सकारात्मक सोच, आत्मविश्वास, मेहनत और दृढ़ संकल्प के साथ छात्र-छात्राएं जीवन में सफलता प्राप्त कर देश एवं समाज के विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे सकते हैं। उन्होंने विद्यालय प्रबंधन को सफल आयोजन के लिए बधाई एवं प्रतिभागियों को उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएँ दीं। कार्यक्रम के अंतर्गत स्वरांजलि -समूह गान, कैरेक्टर हियरिंग - द्रष्टिकोण प्रस्तुति/अदालती सुनवाई, फ्रेम द फेम - फोटोग्राफी एवम् वीडियोग्राफी, स्ट्रोक्स रूलेट - कला, सिनर्जी स्पाइस - तालमेल/जासूस/विद्यालय संकट, क्वांटम क्वेस्ट - विज्ञान, ट्रिगर टैक्टिक्स/प्रेरक रणनीति- मोबाइल फ़ोन प्रयोग, पावर प्ले आक्शन - सर्वश्रेष्ठ समूह (टीम) चयन आदि 08 विभिन्न प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले विद्यार्थियों के नाम घोषित किए गए, जिसमें स्वरांजलि -समूह गान प्रतियोगिता-प्रथम - अर्सलाइन कान्वेंट विद्यालय ग्रेटर नोएडा, द्वितीय- बाथनी कान्वेंट विद्यालय ग्रेटर नोएडा, तृतीय - एंटनी विद्यालय गाजियाबाद, कैरेक्टर हियरिंग - द्रष्टिकोण प्रस्तुति/अदालती सुनवाई प्रतियोगिता- सेंट फ्रांसिस स्कूल हाथरस (Best procecuter) सेंट फिदेलीस विद्यालय अलीगढ़ (best defender) सेंट फेडेलिस विद्यालय अलीगढ़ (best charecter) फ्रेम द फेम - फोटोग्राफी एवम् वीडियोग्राफी प्रतियोगिता- फोटोग्राफी- प्रथमः दिल्ली पब्लिक स्कूल ग्रेटर नोएडा, द्वितीयः सेंट फिदेलीस स्कूल अलीगढ़,तृतीयः बेथनी कॉन्वेंट विद्यालय ग्रेटर नोएडा, वीडियोग्राफी-प्रथमः सेंट फिदेलीस विद्यालय अलीगढ़, द्वितीयः दिल्ली पब्लिक स्कूल ग्रेटर नोएडा, तृतीयः सेंट डोमेनिक विद्यालय मथुरा, स्ट्रोक्स रूलेट - कला प्रतियोगिता-प्रथमः सेंट फिदेलीस विद्यालय अलीगढ़, द्वितीयः सेंट फिदेलीस विद्यालय अलीगढ़, तृतीयः एस्टर विद्यालय ग्रेटर नोएडा, सिनर्जी स्पाइस - तालमेल/जासूस/विद्यालय संकट प्रतियोगिता- प्रथमः सेंट डोमेनिक विद्यालय मथुरा, द्वितीयः एससि कॉन्वेंट विद्यालय नोएडा, तृतीयः सेंट एंथनी विद्यालय गाजियाबाद, क्वांटम क्वेस्ट - विज्ञान प्रतियोगिता-प्रथमः जीसस एंड मैरी कॉन्वेंट विद्यालय ग्रेटर नोएडा, द्वितीयःसमरविल विद्यालय ग्रेटर नोएडा, तृतीयः होली पब्लिक विद्यालय ग्रेटर नोएडा, ट्रिगर टैक्टिक्स/प्रेरक रणनीति- मोबाइल फ़ोन प्रयोग प्रतियोगिता - प्रथमः जीसस एंड मैरी कॉन्वेंट विद्यालय ग्रेटर नोएडा, द्वितीयः समरविल विद्यालय ग्रेटर नोएडा, तृतीयः होली पब्लिक विद्यालय ग्रेटर नोएडा।पावर प्ले आक्शन - सर्वश्रेष्ठ समूह (टीम)चयन प्रतियोगिता-प्रथमःसमर विद्यालय ग्रेटर नोएडा विल, द्वितीयः डोमेनिक विद्यालय मथुरा, तृतीयः फादर अग्नेल विद्यालय ग्रेटर नोएडा रहे। कार्यक्रम का आयोजन विद्यालय के प्रधानाचार्य फादर जिप्सन पलाटी के मार्गदर्शन में किया गया। इस अवसर पर विद्यालय प्रबंधक फादर एंड्रयू कोरिया, फादर सबस्टिन, सौरभ कुमार शर्मा, शशि शर्मा सहित विभिन्न विद्यालयों के शिक्षक-शिक्षिकाएँ, विद्यार्थी एवं अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

होमगाड्र्स स्वयंसेवक भर्ती-2025ः चयनित 250 अभ्यर्थियों की चिकित्सा परीक्षा 15 से 17 अक्टूबर तक

पुलिस लाइन चुर्क में होगा चिकित्सा परीक्षण, सफल अभ्यर्थियों का कराया जाएगा पुलिस सत्यापन

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। होमगाड्र्स स्वयंसेवक के पदों पर एनरोलमेंट प्रक्रिया-2025 के अंतर्गत उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती एवं प्रोन्नति बोर्ड द्वारा जनपद सोनभद्र के लिए कुल 250 अभ्यर्थियों का चयन किया गया है। इनमें 200 पुरुष एवं 50 महिला अभ्यर्थी शामिल हैं। चयनित अभ्यर्थियों की चिकित्सा परीक्षा दिनांक 15 अक्टूबर से 17 अक्टूबर 2026 तक पुलिस लाइन चुर्क, सोनभद्र में आयोजित की जाएगी। चिकित्सा परीक्षा मुख्य चिकित्सा अधिकारी, सोनभद्र द्वारा गठित मेडिकल बोर्ड के माध्यम से संपन्न कराई जाएगी। चिकित्सा परीक्षा में सफल अभ्यर्थियों का चरित्र एवं पुलिस सत्यापन पुलिस विभाग द्वारा कराया जाएगा। जिला कमांडेंट, होमगाड्र्स, सोनभद्र राजेन्द्र कुमार वर्मा ने जनपद के चयनित अभ्यर्थियों से निर्धारित तिथियों पर चिकित्सा परीक्षा की प्रक्रिया में प्रतिभाग करने की अपील की है।

सुप्रीम कोर्ट बोला- शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों को हिरासत में न लें

नयी दिल्ली। दिल्ली में कॉकरोच जनता पार्टी के प्रदर्शन के दौरान मेट्रो-ट्रेन सेवाएं बंद करने, इंटरनेट बाधित करने और लोगों को हिरासत में लेने से जुड़ी याचिकाओं पर रविवार को सुप्रीम कोर्ट की स्पेशल बेंच ने सुनवाई की। कोर्ट ने कहा कि मेट्रो सेवाएं सामान्य रूप से चलनी चाहिए। इंटरनेट बाधित नहीं होना चाहिए और लोगों की आवाजाही नहीं रोकी जानी चाहिए। याचिकाकर्ताओं ने आरोप लगाया था कि 9 अक्टूबर को सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र को निर्देश दिया था कि प्रदर्शन के कारण दिल्ली मेट्रो और यहां आने वाली ट्रेनों की आवाजाही पर पूरी तरह रोक न लगाई जाए। इसके बावजूद शनिवार को कोर्ट के आदेश का उल्लंघन हुआ। इस पर कोर्ट ने दिल्ली के अधिकारियों को नोटिस जारी कर मंगलवार तक जवाब मांगा।

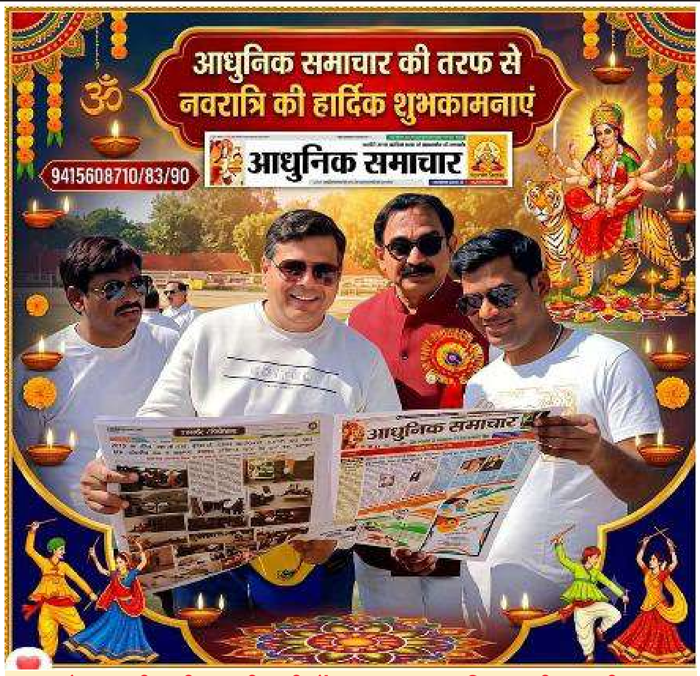

नेपाल की बूढ़ी गंडकी नदी में बाढ़-एक बार फिर मची तबाही,10 लापता, स्यारी नदी का रास्ता बंद, बिहार में भी खतरा

काठमांडू।नेपाल के राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण और प्रबंधन प्राधिकरण (एनडीआर

आरएमए) के मुख्य कार्यकारी डॉ. धर्मराज उप्रेती ने बताया कि ऊपरी इलाके से बाढ़ का पानी आरुघाट पहुंचने में करीब 3 घंटे लगते हैं। इससे नदी के निचले इलाकों में रहने वाले लोगों को सुरक्षित जगहों पर जाने का समय मिल सकता है। उप्रेती के मुताबिक, प्रशासन ने लोगों को एसएमएस भेजकर अलर्ट किया है। सिरदिबास, जगत, यारी, तातोपानी, सोती और अरुखोला जैसे नदी किनारे बसे इलाकों के लोगों को खास सावधानी बरतने को कहा गया है। पहाड़ी इलाकों में बिना बारिश के भी बाढ़ का खतराः-नेपाल के पहाड़ी इलाकों में भूस्खलन के कारण अचानक बाढ़ आने का खतरा बना रहता है। पहाड़ से मिट्टी और पत्थर खिसककर जब नदी या नाले का रास्ता रोक देते हैं, तो पानी एक जगह जमा होने लगता है। कुछ समय बाद जब मिट्टी और पत्थरों की रुकावट टूटती है, तो जमा पानी तेजी से नीचे की ओर बहने लगता है। इससे नदी के किनारे बसे गांवों में अचानक बाढ़ आ जाती है। बाढ़ का पानी अपने साथ बड़े पत्थर, पेड़ और मलबा भी बहाकर ले जाता है। इससे घर, सड़कें और पुल टूट सकते हैं। ऐसी बाढ़ आने के लिए यह जरूरी नहीं है कि उसी इलाके में बारिश हुई हो। पहाड़ के ऊपरी हिस्से में जमा पानी अचानक नीचे आने से दूर बसे गांवों में भी तबाही मच सकती है। 45 दिन पहले आई बाढ़ से भारी तबाहीः-नेपाल में 26 अगस्त को आई बाढ़ ने बड़े पैमाने पर तबाही मचाई थी। चीन के तिब्बत से लगी सीमा के पास शुरू हुई इस बाढ़ का असर भोटेकोशी नदी और आसपास के इलाकों में देखने को मिला। अचानक आए तेज पानी ने घरों, सड़कों, पुलों और बिजली बनाने वाली परियोजनाओं को भारी नुकसान पहुंचाया।

नेपाल के विदेश मंत्रालय के मुताबिक, शुरुआती दिनों में सैकड़ों शव बरामद किए गए थे और बड़ी संख्या में लोग लापता थे।

बाद में 5 अक्टूबर को नेपाल सरकार ने बताया कि इस बाढ़ में कम से कम 1400 से ज्यादा लोगों की मौत हुई, जबकि 5000 लोग अब भी लापता हैं। करीब 13,795 लोगों को बचाया गया। बाढ़ से 12 हाइड्रोपावर प्रोजेक्ट्स भी तबाह हुए। इसके बाद राहत और बचाव अभियान के साथ प्रभावित लोगों को दोबारा बसाने की तैयारी शुरू की गई।

रियाद एयरपोर्ट पर हूती विद्रोहियों का हमला,12 मौतें, 300 लोग घायल

24 घंटे में 225 उड़ानें रद्द; 20 दिन में चौथा हमला

रियाद। यूरोपीय संघ की विमानन सुरक्षा एजेंसी ने भी सऊदी हवाई

क्षेत्र को लेकर अपनी चेतावनी बढ़ाई है। एजेंसी के मुताबिक, हूती विद्रोही अब सऊदी अरब के अंदर तक हमले करने में सक्षम हैं और उनका ध्यान एयरपोर्ट जैसे विमानन ठिकानों पर भी बढ़ा है। भारत ने कहा- आम नागरिकों पर हमले तुरंत बंद होंः-भारत के विदेश मंत्रालय ने रविवार को रियाद एयरपोर्ट पर हुए मिसाइल हमले की निंदा की। मंत्रालय ने कहा कि आम नागरिकों और उनके इस्तेमाल वाली जगहों को बार-बार निशाना बनाना बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। ऐसे हमले तुरंत बंद होने चाहिए। भारत ने कहा कि वह सऊदी अरब की सुरक्षा और संप्रभुता की रक्षा में वहां की सरकार और जनता के साथ खड़ा है। भारत ने उम्मीद जताई कि इस क्षेत्र में जल्द ही शांति बहाल होगी। रियाद एयरपोर्ट पर हमले बढ़ेः-19 सितंबर 2026 - एयरपोर्ट के ईंधन भंडारण क्षेत्र के पास हमला हुआ, जिससे वहां आग लगी और काला धुआं उठता देखा गया।

हूती समूह ने रियाद के सैन्य व रणनीतिक ठिकानों पर हमले का दावा किया। 7 अक्टूबर 2026 - रियाद और आभा एयरपोर्ट को निशाना बनाकर किए गए हमलों में एक सूडानी नागरिक की मौत हुई और 8 अन्य लोग घायल हुए। 8 अक्टूबर 2026 - एयरपोर्ट पर दो अलग-अलग हमले हुए। पहला एयरपोर्ट सुविधाओं पर और दूसरा सऊदी एयरलाइंस के खड़े विमान (एयरबस ए320) पर। इनमें कैप्टन हमूद अली अल-कलीसामी (सऊदी पायलट) समेत 3 सऊदी नागरिकों की मौत हुई।

हूती विद्रोही सऊदी अरब को यमन में कैसे फंसा गए,यूएई ने गलत फैसलों की वजह से छोड़ा साथ-ट्रम्प ने भी नहीं की मदद

रियाद। यूएई के समर्थन से तैयार हुए हजारों लड़ाके अचानक अपनी पुरानी कमान से अलग हो गए। सऊदी अरब उनकी जगह

वैसी मजबूत व्यवस्था नहीं बना पाया। इससे हूतियों को मजबूत होने का मौका मिल गया। ईरान युद्ध ने सऊदी अरब को फिर घसीटाः- यूएई से साझेदारी टूटने के बाद सऊदी अरब अभी यमन में अपने पैर जमाने की कोशिश कर ही रहा था कि अमेरिका और इजराइल ने ईरान के खिलाफ युद्ध शुरू कर दिया। ईरान के सुप्रीम लीडर अयातुल्ला अली

खामेनेई की मौत के बाद जुलाई में उनका अंतिम संस्कार हुआ। इसमें शामिल होने के लिए हूती प्रतिनिधिमंडल एक विमान से तेहरान पहुंचा। जब ये लौट रहे थे तो इन्हें कहा गया कि वे यमन की राष्ट्रीय एयरलाइन से ही वापस लौटें। उन्हें ईरान की एयरलाइन में आने नहीं दिया जाएगा। वहीं, हूती अधिकारी ईरानी विमान को सीधे सना में उतारने पर अड़े रहे।इसके बाद सरकार समर्थित फोर्स ने सना एयरपोर्ट के रनवे को बम से उड़ा दिया, ताकि ईरानी विमान वहां उतर न सके। इसके बाद प्लेन को अपना रास्ता बदलकर हूदैदाह एयरपोर्ट उतरना पड़ा। इस घटना से हूती विद्रोही इतने नाराज हो गए कि उन्होंने सऊदी के साथ चल रहा 4 साल पुराना युद्ध विराम तोड़ दिया। ट्रम्प से मदद मांगी, लेकिन अमेरिका ने हाथ खींचेः-सऊदी अरब को उम्मीद थी कि जरूरत पड़ने पर अमेरिका उसकी सैन्य मदद करेगा। दोनों देशों ने रक्षा सहयोग भी बढ़ाया था। लेकिन हूतियों के खिलाफ कार्रवाई के मामले में यह भरोसा कमजोर पड़ता दिखा।सीएनएन की रिपोर्ट के मुताबिक, क्राउन प्रिंस मोहम्मद बिन सलमान ने पिछले महीने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प से दो बार बात की और हूतियों पर हमला करने का आग्रह किया। ट्रम्प ने सीधे सैन्य हस्तक्षेप नहीं किया। इसके बजाय अमेरिका ने ओमान में हूतियों से बातचीत की, ताकि उनके साथ अपना संघर्षविराम बनाए रखा जा सके। सऊदी अरब अब दूसरे देशों से मदद जुटा रहा है। फ्रांस ने रक्षा संसाधन और सैन्यकर्मी भेजने पर सहमति जताई है, जबकि ब्रिटेन ने सऊदी लड़ाकू विमानों में ईंधन भरने के लिए विमान भेजने की बात कही है। सऊदी अरब, तुर्किये और पाकिस्तान ने भी रक्षा सहयोग बढ़ाने पर सहमति जताई है। जंग का सऊदी अरब की अर्थव्यवस्था पर असरः-मोहम्मद बिन सलमान सऊदी अरब की अर्थव्यवस्था को तेल पर निर्भरता से बाहर निकालना चाहते हैं। इसके लिए वे देश में घूमने-फिरने की जगहें, खेल, फिल्में और मनोरंजन बढ़ा रहे हैं। बड़े-बड़े प्रोजेक्ट भी शुरू किए जा रहे हैं। लेकिन लगातार हो रहे हमलों से इन योजनाओं पर खतरा बढ़ गया है। इलाके में तनाव के कारण इस साल कई फिल्म समारोह, पुरस्कार कार्यक्रम और संगीत के बड़े आयोजन टालने पड़े हैं। अक्टूबर के आखिर में सऊदी अरब में होने वाली बड़ी निवेश बैठक पर भी असर पड़ने की आशंका है। तेल के ठिकानों पर हमले और तेल की सप्लाई रुकने से देश की कमाई घट सकती है। सऊदी अरब अब हूतियों से लड़ने के लिए यमन के अपने साथी गुटों की मदद ले रहा है। लेकिन जानकारों का कहना है कि सिर्फ हवाई हमले करने और कुछ इलाकों पर कब्जा करने से यह लड़ाई खत्म नहीं होगी। यमन में लड़ने वाले गुटों के बीच ही कई बातों पर सहमति नहीं है। वे इस बात पर भी एकमत नहीं हैं कि आगे यमन की सरकार कैसी होनी चाहिए। हूतियों को रोकना मुश्किल, तेल कारोबार पर खतराः-सऊदी अरब के सामने दो बड़ी मुश्किलें हैं। पहली, हूतियों के हमलों को रोकना और अपनी सीमाओं और तेल के ठिकानों को सुरक्षित रखना। दूसरी, यमन में लड़ाई खत्म करने का ऐसा रास्ता निकालना, जिससे उसे बार-बार हमला न करना पड़े। जानकारों का कहना है कि जब तक अमेरिका और ईरान के बीच लड़ाई जारी रहेगी, ईरान हूतियों की मदद से सऊदी अरब पर दबाव बना सकता है। ऐसे में सिर्फ हथियारों और हवाई हमलों से सऊदी अरब के लिए लंबे समय तक शांति बनाए रखना मुश्किल होगा।

सऊदी अरब चाहता था कि यमन की लड़ाई उसकी सीमाओं से दूर रहे, लेकिन अब यही लड़ाई उसके लिए बड़ी परेशानी बन गई है। इससे देश की सुरक्षा, तेल से होने वाली कमाई और विकास की योजनाओं पर असर पड़ रहा है। अब मोहम्मद बिन सलमान के सामने सबसे बड़ी चुनौती है कि वे देश को फिर से विकास के रास्ते पर कैसे आगे बढ़ाएं, जबकि यमन की लड़ाई कब खत्म होगी, यह अभी साफ नहीं है।

थाना जुगैल पुलिस की बड़ी सफलता, दुकान में नकब लगाकर हुई चोरी का अभियोग पंजीकृत होने के मात्र 12 घंटे के भीतर सफल अनावरण, अभियुक्त गिरफ्तार, चोरी की शत-प्रतिशत धनराशि रु81,300 बरामद

(आधुनिक समाचार नेटवर्क) सोनभद्र। पुलिस अधीक्षक सोनभद्र श्री अभिषेक वर्मा के निर्देशन में वांछित अभियुक्तों की गिरफ्तारी एवं चोरी की घटनाओं के सफल अनावरण हेतु चलाए जा रहे अभियान के क्रम में, अपर पुलिस अधीक्षक मुख्यालय श्री मेविस टॉक एवं क्षेत्राधिकारी ओबरा श्री प्रभात राय के कुशल पर्यवेक्षण तथा प्रभारी निरीक्षक जुगैल के नेतृत्व में थाना जुगैल पुलिस द्वारा चोरी की घटना का सफल अनावरण करते हुए एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस द्वारा अभियुक्त के कब्जे से चोरी की गई सम्पूर्ण धनराशि रु81,300 बरामद की गई है। घटना का

संक्षिप्त विवरण– दिनांक 09/10.10.2026 की रात्रि में ग्राम गोठानी, थाना जुगैल, जनपद सोनभद्र स्थित राजेश कुमार केसरी उर्फ गुड्डू की परचून की दुकान की पिछली दीवार में नकब लगाकर गल्ले में रखी नकदी चोरी कर ली गई थी। उक्त घटना के संबंध में दिनांक 10.10.2026 को थाना जुगैल पर मु0अ0सं0 130/2026, धारा 305(ए)/331(4) बीएनएस के अंतर्गत अभियोग पंजीकृत किया गया। विवेचना के दौरान वादी के बयानात, घटनास्थल के निरीक्षण एवं अन्य साक्ष्यों के आधार पर जानकारी प्राप्त हुई कि वादी के मकान में निर्माण कार्य कर रहा राजगीर मिस्त्री बेचू घटना से पूर्व दुकान बंद होने के समय वहाँ आया था। उस दौरान उसने दुकानदार को नोटों की गड्डियाँ बनाकर गल्ले में रखते हुए देखा था। रात्रि में दुकानदार के दुकान बंद कर अन्य कार्य से चले जाने के बाद अभियुक्त द्वारा मौका पाकर दुकान की पिछली दीवार में नकब लगाकर गल्ले में रखी नकदी चोरी कर ली गई। गिरफ्तारी एवं बरामदगी का विवरण– थाना जुगैल पुलिस द्वारा पतारसी-सुरागरसी एवं उपलब्ध साक्ष्यों के आधार पर त्वरित कार्यवाही करते हुए दिनांक 11.10.2026 को प्रातः 08:15 बजे गोठानी बिजुल नदी पुल से अभियुक्त बेचू हरिजन पुत्र गुलाब को गिरफ्तार किया गया। अभियुक्त के कब्जे से चोरी की गई सम्पूर्ण धनराशि रु81,300 (इक्यासी हजार तीन सौ रुपये) बरामद की गई। गिरफ्तार अभियुक्त के विरुद्ध नियमानुसार आवश्यक विधिक कार्यवाही पूर्ण कर उसे माननीय न्यायालय भेजा गया। गिरफ्तार अभियुक्त का विवरण– बेचू हरिजन पुत्र गुलाब, निवासी ग्राम गोठानी, थाना जुगैल, जनपद सोनभद्र उम्र करीब 35 वर्ष। बरामदगी का विवरण– चोरी की गई नकदीः रु81,300 (शत-प्रतिशत बरामद)। गिरफ्तारी एवं बरामदगी करने वाली पुलिस टीम– 1. प्रभारी निरीक्षक शिव प्रताप वर्मा, थाना जुगैल, जनपद सोनभद्र। 2. उ0नि0 विपिन बिहारी राय, थाना जुगैल, जनपद सोनभद्र। 3. हे0का0 श्याम शेर यादव, थाना जुगैल, जनपद सोनभद्र। 4. का0 अजय कुमार, थाना जुगैल, जनपद सोनभद्र। 5. का0 सतीश कुमार, थाना जुगैल, जनपद सोनभद्र।

अमिताभ बच्चन हुए 84 साल के, हेल्थ और रिटायरमेंट की अफवाह पर भी सफाई दी

मुंबई। अमिताभ बच्चन आज 84वां जन्मदिन मना रहे हैं। पांच दशक से लंबे करियर में उन्होंने पर्दे पर कई यादगार किरदार निभाए हैं। सोशल मीडिया पर भी उनका अंदाज किसी सुपरस्टार से कम नहीं है। कभी फैंस उनकी पोस्ट का मतलब खोजते हैं, तो कभी छोटी-सी गलती इंटरनेट पर मीम्स की बाढ़ ला देती है। अगस्त 2026 में पोस्ट की नंबरिंग में हुई गड़बड़ी पर अमिताभ ने माफी मांगी। यूजर्स ने इसे 'नंबर लीक' से जोड़कर मजेदार प्रतिक्रियाएं दीं। जुलाई में उनके एक ब्लॉग से सर्जरी और आईसीयू में भर्ती होने की अटकलें लगीं। इसके बाद उन्हें सफाई देनी पड़ी। रिटायरमेंट को लेकर उठे सवालों पर भी उन्होंने अपने खास अंदाज में जवाब दिया। अमिताभ बच्चन सोशल मीडिया पर अपनी पोस्ट को क्रमवार नंबर देने के लिए जाने जाते हैं। वह लंबे समय से एक्स पर हर पोस्ट के साथ नंबर लिखते हैं। इस आदत ने उनके ऑनलाइन अंदाज को अलग पहचान दी है। लेकिन अगस्त 2026 में नंबरिंग के दौरान उनसे ऐसी चूक हुई कि सोशल मीडिया पर मीम्स बनने लगे। अमिताभ ने एक पोस्ट को टी-5817 नंबर दिया था। अगली पोस्ट का नंबर टी-5818 होना चाहिए था, लेकिन उन्होंने गलती से टी5718 लिख दिया। आगे की पोस्ट में भी गलत क्रम जारी रहा। एक फैन ने गलती की ओर ध्यान दिलाया, तो अमिताभ ने इसे स्वीकार कर नंबरिंग ठीक की। उन्होंने लिखा, 'टी-5820 - A huge error by me in the numbering .. apologies...after 5817 .. it should read 5818 , 5819, 5820.' यानी नंबरिंग में उनसे बड़ी गलती हुई थी और इसके लिए उन्होंने माफी मांगी। उन्होंने गलती पकड़ने वाले फैन 'EF Sunil' को धन्यवाद भी दिया। इस चूक पर यूजर्स ने जमकर मजाक किया। कुछ लोगों ने इसे देश में चर्चा में रहे कथित परीक्षा पेपर लीक विवाद से जोड़कर 'नंबर लीक' कहना

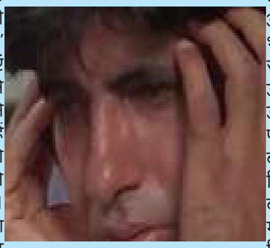

शुरू कर दिया। एक यूजर ने लिखा कि अगर अमिताभ गलती स्वीकार नहीं करते, तो वह जंतर-मंतर पर विरोध करने पहुंच जाता। दूसरे ने कहा कि इस गलती ने उसका पूरा दिन खराब कर दिया। ये मीम्स इसलिए भी चर्चा में रहे, क्योंकि मामला किसी फिल्म के डायलॉग या किरदार का नहीं, बल्कि अमिताभ के रोजमर्रा के सोशल मीडिया रूटीन का था। उनकी छोटी-सी चूक भी इंटरनेट पर मनोरंजन का विषय बन गई। अमिताभ ने गलती छिपाने के बजाय उसे स्वीकार कर सुधार दिया। यह घटना उनके सोशल मीडिया अंदाज का दिलचस्प पहलू दिखाती है, जहां फैंस उनके हर अपडेट पर नजर रखते हैं। अमिताभ बच्चन की सोशल मीडिया पोस्ट पर कई बार उनके शब्दों के अलग-अलग मतलब निकाले जाते हैं। जुलाई 2026 में ऐसा ही हुआ। उनके ब्लॉग में सर्जरी, आईसीयू और मुश्किल दौर का जिक्र देखकर फैंस को लगा कि अभिनेता की तबीयत खराब है और शायद उनकी सर्जरी हुई है। पोस्ट को लेकर सोशल मीडिया पर चिंता बढ़ी। कुछ रिपोर्ट्स में उनके अस्पताल में भर्ती होने की अटकलें भी लगीं। इसके बाद अमिताभ को खुद स्थिति स्पष्ट करनी पड़ी। उन्होंने कहा कि वह ठीक हैं और उनकी कोई सर्जरी नहीं हुई है। पोस्ट को गलत समझे जाने की बात कहते हुए उन्होंने स्पष्ट किया कि वह अपनी मेडिकल स्थिति के बारे में नहीं लिख रहे थे। उनके मुताबिक, वह उदाहरण दे रहे थे कि सर्जरी या आईसीयू से लौटने के बाद का समय किसी व्यक्ति के लिए कितना मुश्किल हो सकता है। अमिताभ की सफाई के बाद प्रशंसकों ने राहत की सांस ली। यह मामला दिखाता है कि सोशल मीडिया पर अधूरी या संदर्भ से अलग बात पढ़कर अटकलें लगने लगती हैं। अमिताभ जैसे दिग्गज अभिनेता की सेहत से जुड़ी खबरों पर लोगों की नजर रहती है। इसलिए उनके कुछ शब्द भी बड़ी खबर बन जाते हैं।खास बात यह रही कि अमिताभ ने अफवाहों को हवा देने के बजाय सीधे अपनी स्थिति स्पष्ट की। लोगों की प्रतिक्रिया से यह भी दिखा कि फैंस के लिए उनकी सोशल मीडिया गतिविधियां सिर्फ मनोरंजन नहीं, उनसे जुड़े रहने का जरिया भी हैं। 'रिटायर' होने की बात पर भी चर्चा शुरू हो गई:-अमिताभ बच्चन के काम से दूर होने या रिटायरमेंट की बात उठते ही फैंस के बीच चर्चा शुरू हो जाती है। सितंबर 2026 में भी ऐसा हुआ। उनकी एक पोस्ट में 'रिटायर' शब्द से अटकलें लगने लगीं कि क्या वह फिल्मों और टेलीविजन से दूरी बनाने वाले हैं। अमिताभ ने अपने खास अंदाज में इस चर्चा पर विराम लगाया। उन्होंने स्पष्ट किया कि उनका आशय काम से संन्यास लेने का नहीं, बल्कि सोने जाने का था। इसके बाद रिटायरमेंट को लेकर अटकलें थम गईं। इस घटना ने फिर दिखाया कि अमिताभ की पोस्ट के साधारण शब्द भी सुर्खियां बन जाते हैं। उनके फैंस हर बात ध्यान से पढ़ते हैं और कभी-कभी किसी शब्द से बड़े निष्कर्ष निकाल लेते हैं। अमिताभ लंबे समय से फिल्मों और टेलीविजन पर सक्रिय हैं। 'कौन बनेगा करोड़पति' से उनका जुड़ाव भी दर्शकों के बीच खास पहचान रखता है। इसलिए उनके काम छोड़ने की संभावना से जुड़ी खबरें लोगों का ध्यान खींचती हैं। इस मामले में उन्होंने स्पष्ट किया कि उनके बयान का अर्थ रिटायरमेंट नहीं था। आधी रात का क्रिप्टिक पोस्ट, फैंस पूछते रहे- आखिर कहना क्या चाहते हैं? अमिताभ बच्चन की सोशल मीडिया पोस्ट की खासियत है कि वह कई बार कम शब्दों में अपनी बात लिखते हैं। कुछ पोस्ट में किसी व्यक्ति, घटना या संदर्भ का स्पष्ट उल्लेख नहीं होता। ऐसे में फैंस उनके शब्दों का अर्थ समझने की कोशिश करते हैं। मई 2026 में उन्होंने रात को लिखा, 'बौखला गए लोग; विचार व्यक्त किए; कोई समझें या न समझें, लिए के दिए बन गए जरूर।'

पति को मेरा दोस्तों से मिलना पसंद नहीं,कहते हैं, पति-पत्नी के दोस्त, शौक सब एक होने चाहिए, उन्हें कैसे समझाऊं

नोएडा। वैवाहिक जीवन में इस तरह चुनौतियां आना कोई बड़ी चीज़ नहीं महत्वपूर्ण यह हैं की हम उसे हैंडल कैसे करतें हैं ? विषय को समझेंगे एक्सपर्ट- डॉ. जया सुकुल,

क्लिनिकल साइकोलॉजिस्ट, नोएडा जी से सवाल जवाब के माध्यम से। सवाल- मैं 34 साल की वर्किंग वुमन हूं। मेरी शादी को छह साल हो चुके हैं। हमारे बीच वैसे तो कोई बड़ा झगड़ा नहीं होता, लेकिन एक बात को लेकर अक्सर तनाव रहता है। पति चाहते हैं कि हम अपना सारा खाली समय साथ बिताएं। उनका मानना है कि शादी के बाद पति-पत्नी के दोस्त, शौक और सोशल लाइफ भी एक जैसी होनी चाहिए। मुझे ये बात समझ नहीं आती कि दोनों के शौक और सोशल लाइफ एक जैसी होना क्यों जरूरी है। उनके अलावा भी मेरी सोशल लाइफ क्यों नहीं हो सकती? मैं अकेले अपने स्कूल-कॉलेज के दोस्तों के साथ वक्त क्यों नहीं बिता सकती? उन्हें कैसे समझाऊं, क्या करूं? जवाब- सबसे पहले यह समझिए कि आपकी इच्छा गलत नहीं है। शादी का मतलब यह नहीं कि आपकी अपनी पहचान, दोस्तियां और पसंद-नापसंद खत्म हो जाएं। जिस तरह आपके पति आपके जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं, उसी तरह आपकी अपनी दुनिया भी आपकी मानसिक सेहत और व्यक्तित्व का जरूरी हिस्सा है। इसलिए यह सवाल कि 'क्या शादी के बाद पति-पत्नी की सोशल लाइफ एक ही होनी चाहिए?'– इसका जवाब है, 'नहीं।' हालांकि, यह भी संभव है कि आपके पति आपको कंट्रोल न करना चाहते हों। कई बार ऐसी सोच कुछ अन्य कारणों से भी आती है, जैसेकि- बहुत ज्यादा प्यार असुरक्षा की भावना अकेले पड़ जाने का डर शादी को लेकर बनी पारंपरिक धारणाएं इसलिए इस मुद्दे को 'कौन सही, कौन गलत' की लड़ाई बनाने की बजाय इस नजरिए से देखना बेहतर और ज्यादा मददगार होगा कि 'हम दोनों की जरूरतें क्या हैं।' शादी में साथ जरूरी हर समय साथ रहना नहीं। किसी भी स्वस्थ रिश्ते में दो चीजें साथ-साथ चलती हैं- निकटता और स्वतंत्रता। स्वतंत्रता का मतलब है- पर्सनल स्पेस। अगर रिश्ते में सिर्फ निकटता हो और पर्सनल स्पेस न हो तो व्यक्ति घुटन महसूस करने लगता है। वहीं अगर सिर्फ पर्सनल स्पेस हो और जुड़ाव-निकटता न हो तो दूरियां बढ़ने लगती हैं। एक हेल्दी मैरिज में इन दोनों के बीच एक संतुलन होता है। मनोविज्ञान में इसे 'डिफरेंशिएशन ऑफ सेल्फ' कहा जाता है। इसका मतलब है कि दो लोग भावनात्मक रूप से जुड़े रहने के साथ अपनी अलग पहचान भी बनाए रखें। हेल्दी मैरिज की पहचान-क्वालिटी टाइम-साथ समय बिताना। भरोसा-एक-दूसरे पर पूरा विश्वास। पर्सनल स्पेस-अपने दोस्त, अपने शौक। खुला संवाद-अपनी बात खुलकर कहना। बराबरी-साझे फैसले, साझी जिम्मेदारियां। सम्मान-इंडीविजुअल पहचान की रिस्पेक्ट। पार्टनर ऐसा क्यों चाहता है? हर व्यवहार के पीछे कोई-न-कोई भावनात्मक जरूरत होती है। इसलिए पहले खुद से ये सवाल पूछिए कि आपके पति ऐसा क्यों चाहते हैं। क्या उन्हें अकेलापन महसूस होता है? क्या उन्हें डर है कि दोस्त आप दोनों के बीच दूरी बढ़ा देंगे? क्या उनके परिवार में औरतें बहुत पारंपरिक भूमिका में थीं, जिनकी कोई पर्सनल लाइफ नहीं थी? क्या वे यह मानते हैं कि अलग सोशल लाइफ का मतलब रिश्ते में कमी है? अगर हमें किसी भी चीज का ठीक-ठीक कारण समझ में आ जाए तो बातचीत करना और उस समस्या का हल निकालना आसान हो जाता है। सीबीटी का एबीसी मॉडल-कॉग्निटिव बिहेवियर थेरेपी (सीबीटी) का एक आसान टूल है- एबीसी मॉडल। इस मॉडल को ऐसे समझिए-1- Activating Event (घटना) आप दोस्तों से मिलने की बात करती हैं। B- Belief (विश्वास) पति सोचते हैं- 'अगर पत्नी अकेले दोस्तों के साथ जा रही है तो शायद उसे मेरे साथ रहना पसंद नहीं है।' C- Consequence (परिणाम) वे नाराज हो जाते हैं या आप दोनों के बीच बहस शुरू हो जाती है। अब इस मॉडल के मुताबिक आपको अपने पति के Belief यानी उनके यकीन को चुनौती देनी है। आपको उन्हें यह समझाना है कि-'दोस्तों के साथ समय बिताना, पति से दूर होना नहीं है।' पार्टनर ये बात कैसे करें? अब सवाल ये है कि उनके मन में बैठे विचारों या उनके यकीन को बदलने के लिए बातचीत कैसे करें। बात करते हुए आपको 'मैं' वाले वाक्यों का इस्तेमाल करना है। बहुत से कपल बातचीत की शुरुआत आरोप से करते हैं, जैसेकि–'तुम मुझे कभी आजादी नहीं देते।' ऐसी बात सामने वाले को डिफेंसिव बना देती है। इसके बजाय 'मैं' वाले वाक्यों का इस्तेमाल करें, जैसेकि-'मुझे अपने पुराने दोस्तों से मिलकर अच्छा लगता है। इससे मैं भावनात्मक रूप से बेहतर महसूस करती हूं। इसका मतलब यह नहीं कि मैं तुम्हारे साथ समय नहीं बिताना चाहती।' इस तरह सामने वाला आपकी भावनाओं को सुनता है, आरोप को नहीं। तुम हमेशा रोकते हो-मुझे दोस्तों से मिलना 'अच्छा लगता है। तुम्हें मुझ पर भरोसा नहीं-मैं चाहती हूं, तुम मुझे 'समझो। तुम गलत हो-क्या बीच का रास्ता निकाल सकते हैं? रिश्ते में बनाएं 'स्पेस एग्रीमेंट'- कई कपल बिना बात किए उम्मीदें बना लेते हैं। बाद में वही उम्मीदें विवाद बन जाती हैं। इसलिए अपने मन से कुछ भी तय करने की बजाय मिल-बैठकर कुछ बातें तय करें– सप्ताह में कितना समय सिर्फ आप दोनों साथ बिताएंगे। महीने में कितनी बार दोनों अपने-अपने दोस्तों से मिलेंगे। आप दोनों कब और कहां साथ जाएंगे और कब अलग-अलग जाएंगे। पहले से इसकी जानकारी देने का तरीका क्या होगा। इस तरह के नियम दोनों के लिए समान होंगे। ACT (एक्सेप्टेंस एंड कमिटमेंट) थेरेपी टूल ACT (एक्सेप्टेंस एंड कमिटमेंट) थेरेपी कहती है कि किसी भी रिश्ते का फैसला डर से नहीं, बल्कि अपने मूल्यों के आधार पर होना चाहिए।इसलिए खुद से ये सवाल पूछिए– मैं कैसी पत्नी बनना चाहती हूं? मैं कैसी इंसान बने रहना चाहती हूं? क्या दोनों बातें एक साथ संभव हैं? इस सवाल का जवाब अक्सर 'हां' होता है। आप एक अच्छी, कमिटेड पत्नी भी हो सकती हैं और अपने दोस्तों से जुड़ी हुई अच्छी दोस्त भी, अच्छी इंसान भी। इन बातों में कोई अंतर्विरोध नहीं है। सीमाएं तय करने से कमजोर नहीं होते रिश्ते-मनोविज्ञान में हेल्दी बाउंड्रीज बहुत महत्वपूर्ण हैं। बाउंड्रीज यानी सीमा का मतलब दीवार खड़ी करना नहीं है। इसका मतलब है– 'यह मेरी व्यक्तिगत जरूरत है और मैं चाहता/चाहती हूं कि आप इसका सम्मान करें।' एक उदाहरण:-'महीने में एक बार मैं अपने कॉलेज फ्रेंड्स से अकेले मिलना चाहती हूं। उसी तरह अगर आप अपने दोस्तों के साथ समय बिताना चाहें तो मुझे भी खुशी होगी।' हेल्दी बाउंड्री:-अपनी जरूरत साफ बताना। सामने वाले की जरूरत सुनना। स्पेस को सम्मान देना। न कंट्रोल करना, न छिपाना। दोनों के लिए बराबर नियम। इमोशनल बैंक अकाउंट भरते रहिए-रिश्तों के विशेषज्ञ अक्सर इमोशनल बैंक अकाउंट की बात करते हैं। अगर रिश्ते में प्यार, सम्मान, समय और भरोसा लगातार जमा होता रहे तो छोटी-छोटी असहमतियों से रिश्ता टूटता नहीं है। इसलिए जब आप दोस्तों से मिलें, उससे पहले और बाद में पति के साथ भी अच्छा समय बिताइए। उन्हें यह महसूस होना चाहिए कि वे आपकी प्राथमिकता हैं। हेल्दी मैरिज में दो लोगों की पहचान एक नहीं होती। वो दो अलग इंसान हैं, दोनों की अलग पहचान है और न पहचानों का पूरा सम्मान है। जो रिश्ता पर्सनल स्पेस और इमोशनल कनेक्शन के बीच संतुलन बना लेता है, वही लंबा और खुशहाल होता है। अगर पति से प्यार और शांति से बातचीत की हर कोशिश नाकाम हो रही है, बार-बार शांत बातचीत के बाद भी वे–दोस्तों से मिलने पर रोक लगाते हैं। हर बार अपराधबोध महसूस कराते हैं। आपकी हर गतिविधि पर नजर रखना चाहते हैं। आपकी सोशल लाइफ धीरे-धीरे खत्म करवाने की कोशिश करते हैं। तो यह सिर्फ दो व्यक्तियों की अलग-अलग पसंद का मामला नहीं है। यह कंट्रोलिंग व्यवहार की दिशा में जा सकता है। ऐसी स्थिति में कपल काउंसलिंग मददगार हो सकती है। किसी निष्पक्ष विशेषज्ञ के सामने बातचीत करने से दोनों अपनी भावनाएं बेहतर तरीके से समझ और समझा पाते हैं।आखिर में एक बात और।किसी भी रिश्ते का लक्ष्य दो लोगों को एक जैसा बनाना नहीं होता। लक्ष्य यह होता है कि दो अलग-अलग लोग अपनी-अपनी पहचान बचाए रखते हुए एक-दूसरे के जीवन को बेहतर बनाएं। अगर आप सम्मान के साथ अपनी जरूरत रखें और उतने ही सम्मान से उनके डर और भावनाओं को सुनें, तो इस मुद्दे का समाधान टकराव से नहीं, बातचीत से निकल सकता है।

पैसे बचाने के लिए पैदल चलती थीं हुमा कुरैशी, पीजी में था बसेरा, 'गैंग्स ऑफ वासेपुर' में रु65,000 मिले, हिट के बाद भी स्ट्रगल करना पड़ा

मुंबई। दिल्ली की हुमा कुरैशी ने एक्टिंग को करियर बनाने के लिए परिवार को मनाने में महीनों लगाए। मुंबई पहुंचीं तो न

गॉडफादर था, न फिल्मी लॉन्च। छोटे से पीजी में चार लड़कियों के साथ रहकर ऑडिशन देने वाली हुमा ने विज्ञापनों से शुरुआत की। शाहरुख खान और आमिर खान जैसे सितारों के साथ विज्ञापन किए। फिर एक मोबाइल ऐड के सेट पर हुई मुलाकात ने उनकी जिंदगी बदल दी। अनुराग कश्यप ने उन्हें गैंग्स ऑफ वासेपुर में मौका दिया। फिल्म हिट हुई, लेकिन हुमा का संघर्ष खत्म नहीं हुआ। बॉडी शेमिंग, रिजेक्शन, ट्रोलिंग और लिंकअप की अफवाहों के बीच उन्होंने अलग-अलग किरदारों से पहचान बनाई। पढ़ाई में तेज थीं, एक्टिंग का शौक बाद में करियर बना:- हुमा कुरैशी का जन्म 28 जुलाई 1986 को दिल्ली में हुआ। उनके पिता सलीम कुरैशी रेस्टोरेंट बिजनेस से जुड़े हैं। हुमा ने दिल्ली के गार्गी कॉलेज से हिस्ट्री ऑनर्स किया। कॉलेज के दिनों में वह पढ़ाई के साथ ड्रामा, डिबेट और थिएटर में सक्रिय रहीं। वह ड्रामा सोसायटी की प्रेसिडेंट भी बनीं। थिएटर के दौरान एनके शर्मा उनके मेंटर बने। द इंडियन एक्सप्रेस को दिए इंटरव्यू में हुमा ने बताया था कि एनके शर्मा ने ही उनमें एक्टर बनने की क्षमता सबसे पहले पहचानी। उन्होंने 'द अमेरिकन पायलट' जैसे नाटकों में काम किया। हुमा के मुताबिक, एक्टिंग का असली जुनून उन्हें थिएटर के दौरान ही महसूस हुआ। डॉक्टर बनने की पढ़ाई से मुंबई तक का सफर:-हुमा के परिवार को लगता था कि वह पढ़ाई में अच्छी हैं और आगे अकादमिक करियर बनाएंगी। हुमा ने बताया था कि उनके पिता एक्टिंग के फैसले को लेकर शुरुआत में आश्वस्त नहीं थे। उन्हें अपने माता-पिता को मनाने में करीब छह से आठ महीने लगे। मुंबई आने से पहले उन्हें एक फिल्म का ऑडिशन मिला था। फिल्म में उनका चयन हुआ, लेकिन प्रोजेक्ट कभी बन नहीं सका। इस अनुभव से हुमा को समझ आया कि उन्हें फिल्मों में काम करना है। इसके बाद उन्होंने मुंबई जाने का फैसला किया। मुंबई में चार लड़कियों के साथ छोटे से पीजी में रहती थीं:-मुंबई पहुंचने के बाद हुमा ने कोई आलीशान जिंदगी नहीं

जी। वह जुहू में चार दूसरी लड़कियों के साथ छोटे से पीजी में रहती थीं। हर लड़की के पास अपना बेड और एक कैबिनेट था। बाथरूम इस्तेमाल करने को लेकर भी रोजाना झगड़े होते थे। फिल्मफेयर को दिए इंटरव्यू में हुमा ने बताया था कि ऑडिशन के लिए वह एक बैग लेकर निकलती थीं। उसमें एक सलवार-कमीज, सफेद शर्ट, काली ड्रेस और टिफिन रहता था। कई बार उन्हें बिना ठीक से बातचीत किए ही रिजेक्ट कर दिया जाता था। शुरुआती दौर में वह दादर-जुहू के बीच टैक्सी और ऑटो रिक्शे से शेयर करती थीं। पैसे बचाने के लिए कई बार पैदल भी चलती थीं। पहला विज्ञापन मिला तो सिर्फ 5 हजार रुपए:-फिल्म का सपना पूरा होने में वक्त लग रहा था, इसलिए हुमा ने विज्ञापनों से शुरुआत की। उनका पहला विज्ञापन एक मोबाइल कंपनी के लिए था। इसमें वह अबिषेक बच्चन का इंटरव्यू करती पत्रकार बनी थीं। इसके लिए उन्हें सिर्फ 5 हजार रुपए मिले थे। इसके बाद हुमा ने आमिर खान, शाहरुख खान समेत कई बड़े सितारों के साथ विज्ञापन किए। यही विज्ञापन आगे उनके फिल्मी करियर का

रास्ता खोलने वाला था। आमिर खान के ऐड में अनुराग कश्यप से मुलाकात:;-हुमा ने एक मोबाइल विज्ञापन में आमिर खान के साथ काम किया था। इसकी शूटिंग पंचगनी में चार दिन चली।

उस विज्ञापन के डायरेक्टर अनुराग कश्यप थे। हुमा ने इस मुलाकात का मजेदार किस्सा सुनाया था। उन्होंने बताया कि तब वह करीब दस विज्ञापन कर चुकी थीं और खुद को इस मामले में 'वेटरन' समझने लगी थीं। सेट पर उन्होंने काफी मेकअप किया हुआ था। अनुराग ने पूछा, 'ये क्या है?' तो हुमा ने बेझिझक कहा कि यह उनका पहला ऐड है, जबकि वह दस ऐड कर चुकी हैं। अगले ही दिन अनुराग ने उनसे कहा कि वह अपनी फिल्म में उन्हें कास्ट करेंगे। हुमा को भरोसा नहीं हुआ, लेकिन अनुराग ने अपना वादा निभाया। गैंग्स ऑफ वासेपुर मिली, लेकिन सिर्फ 65 हजार रुपए मिले थे:- 2012 में हुमा ने गैंग्स ऑफ वासेपुर से बॉलीवुड डेब्यू किया। फिल्म में उन्होंने नवाजुद्दीन सिद्दीकी के किरदार की पत्नी मोहसिना का रोल निभाया। शूटिंग के वक्त उन्हें अंदाजा नहीं था कि उनकी भूमिका इतनी अहम होने वाली है। एक इंटरव्यू में हुमा ने बताया था कि फिल्म के लिए उन्हें सिर्फ 65 हजार रुपए मिले थे। उन्होंने कहा कि शूटिंग किसी बड़े स्टार वाली फिल्म जैसी नहीं थी-न फाइव स्टार होटल, न वैनिटी वैन का तामझाम। टीम वाराणसी गई, महीनों शूटिंग की और वापस आ गई। फिल्म रिलीज हुई तो हुमा ने देखा कि उनका चेहरा होर्डिंग पर था। फिल्म हिट हुई, लेकिन इसके बाद आया असली स्ट्रगल-गैंग्स ऑफ वासेपुर ने हुमा को पहचान दिला दी। लेकिन सफलता के बाद वह लगातार बड़े स्टार्स वाली फिल्मों की हीरोइन नहीं बन गईं। बर्खा दत्त के इंटरव्यू में हुमा ने कहा था कि पहली कुछ फिल्मों के बाद वह खुद को लेकर असुरक्षित महसूस करने लगी थीं। उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि किस दिशा में आगे बढ़ना है। हुमा कुरैशी:- 'पहली फिल्म के बाद मेरा असली स्ट्रगल शुरू हुआ। मुझे लगता था कि दूसरे कलाकारों को जैसी फिल्में मिल रही हैं, वैसी मुझे क्यों नहीं मिल रहीं।' 'बिल्ला 2' पहले मिली थी, लेकिन फिल्मी सफर अटक गया:-गैंग्स ऑफ वासेपुर से पहले हुमा को तमिल फिल्म बिल्ला 2 में अजित कुमार के साथ काम करने का मौका मिला था। उन्होंने करीब 700 उम्मीदवारों के ऑडिशन के बाद यह रोल हासिल किया था। लेकिन फिल्म में देरी हुई और दूसरे कमिटमेंट्स की वजह से हुमा ने यह प्रोजेक्ट छोड़ दिया। 'बॉडी शेमिंग' ने आत्मविश्वास तक हिला दिया-हुमा के करियर की सबसे मुश्किल लड़ाइयों में से एक वजन और लुक्स को लेकर होने वाली आलोचना रही। हुमा ने बताया कि एक रिव्यू में लिखा गया था कि वह अच्छी एक्ट्रेस हैं, लेकिन मेनस्ट्रीम एक्ट्रेस बनने के लिए पांच किलो ज्यादा वजन है। बाद में फिल्म 'डबल एक्सएल' के लिए उन्होंने करीब 20 किलो वजन बढ़ाया। हुमा ने कहा कि यह फिल्म उनके लिए थेरेपी जैसी थी। 2026 में डबल डेट शो पर भी उन्होंने शुरुआती करियर की ट्रोलिंग का जिक्र किया। उन्होंने बताया कि लगातार नेगेटिव कमेंट्स का उनके आत्मविश्वास पर असर पड़ा। वह कुछ समय के लिए काफी रिजर्व हो गई थीं। अनुराग कश्यप से लिंकअप की अफवाहें भी झेलनी पड़ीं:-गैंग्स ऑफ वासेपुर के बाद हुमा और अनुराग कश्यप की दोस्ती को लेकर अफवाहें शुरू हो गईं। दोनों के रिश्ते को लेकर मीडिया में लगातार खबरें आईं। हुमा ने 2013 में इंडिया टुडे को दिए इंटरव्यू में इन खबरों को खारिज करते हुए कहा था कि वह अफवाहों को अपने काम और उन लोगों के साथ रिश्तों पर असर नहीं डालने देंगी, जिन्होंने उन पर भरोसा किया। एक साल बाद अनुराग कश्यप ने भी कहा था कि इन अफवाहों में हुमा को निशाना बनाया जा रहा है और इसका असर उनकी इमेज पर पड़ रहा है। एक और अफवाह- 'डेढ़ इश्किया' के डायरेक्टर से सगाई:-2014 में हुमा के बारे में सोशल मीडिया पर अफवाह चली कि उन्होंने 'डेढ़ इश्किया' के डायरेक्टर अभिषेक चौबे से सगाई कर ली है। हुमा ने इसे खारिज करते हुए कहा था कि ऐसी अफवाहें एक आउटसाइडर की मेहनत को कमजोर करती हैं। हुमा कुरैशी:- 'जब किसी की सफलता को काम के बजाय अफेयर से जोड़ दिया जाता है, तो उसके संघर्ष और प्रतिभा पर सवाल उठता है।' डेढ़ इश्किया' से 'बदलापुर तक, अलग रोल्स चुनती गईं:-हुमा ने खुद को पारंपरिक ग्लैमरस हीरोइन की छवि तक सीमित नहीं रखा। डेढ़ इश्किया' से 'बदलापुर ,जॉली एलएलबी 2 और मोनिका, ओ माई डार्लिंग जैसी फिल्मों में उन्होंने अलग-अलग किरदार निभाए। यही उनकी करियर रणनीति बनी-हर फिल्म में खुद को दोहराने के बजाय नया किरदार चुनना। हुम कहती हैं कि उनके लिए हर फिल्म दोबारा शुरुआत करने जैसी है। वह एक ही तरह के रोल दोहराना पसंद नहीं करतीं। ओटीटी ने दिया करियर को नया मोड़:-फिल्मों के साथ हुमा ने ओटीटी का रुख किया। 2019 में वेब सीरीज लैला में उनका किरदार चर्चा में रहा, लेकिन 2021 की 'महारानी' ने उनके करियर को नया मोड़ दिया। रानी भारती का किरदार हुमा के अब तक के सबसे चर्चित किरदारों में शामिल हो गया। सत्ता की राजनीति में एक साधारण महिला का धीरे-धीरे मजबूत होना हुमा ने बेहद प्रभावी तरीके से निभाया। यही दौर था जब उन्हें सिर्फ फिल्मों की अभिनेत्री के बजाय ऐसी कलाकार

के तौर पर देखा जाने लगा, जो अलग माध्यमों में भी मजबूत किरदार निभा सकती है। 'महारानी' की रानी भारती बनीं जिंदगी बदलने वाला किरदार:- हुमा ने रानी भारती को अपने करियर का वह रोल बताया जिसने उनकी जिंदगी बदल दी। इस किरदार में उन्होंने ऐसी महिला को निभाया, जो राजनीति, सत्ता और निजी जिंदगी के संघर्षों के बीच धीरे-धीरे खुद को मजबूत करती है। इसके बाद 'मिथ्या' और 'आर्मी ऑफ द डेड' जैसे प्रोजेक्ट्स से उन्होंने ओटीटी और इंटरनेशनल स्क्रीन पर भी अपनी मौजूदगी दर्ज कराई। ट्रोलिंग पर बोलीं- काम करते रहना जरूरी है:-हुमा ने हालिया इंटरव्यू में ट्रोलिंग को लेकर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि अब वह सोशल मीडिया की नकारात्मकता को अपने ऊपर हावी नहीं होने देतीं। लखनऊ टाइम्स से बातचीत में उन्होंने अपने लुक्स और ट्रोलिंग पर अपने आत्मविश्वास को लेकर जवाब दिया। अब एक्टर के साथ प्रोड्यूसर भी-हुमा अब सिर्फ अभिनय तक सीमित नहीं हैं। Baby Do Die Do में उन्होंने एक्टिंग के साथ प्रोडक्शन की जिम्मेदारी संभाली।

फिल्म 3 जुलाई 2026 को रिलीज हुई थी। जिस लड़की ने कभी एक फिल्म मिलने को ही सबसे बड़ी उपलब्धि माना था, वह अब अपनी पसंद की कहानियां बनाने की दिशा में भी कदम बढ़ा चुकी है। 'टॉक्सिक: में दिखा करियर का नया दौर:- हुमा की हालिया रिलीज फिल्मों में 'टॉक्सिक: ए फेयरी टेल फॉर ग्रोन-अप्स' भी शामिल है। यश स्टारर यह फिल्म 26 अगस्त 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज हुई। फिल्म का निर्देशन गीतू मोहनदास ने किया है। इसमें यश के साथ नयनतारा, कियारा आडवाणी, तारा सुतारिया, रुक्मिणी वसंत और हुमा कुरैशी भी अहम भूमिकाओं में हैं।

स्वत्वाधिकारी एवं मुद्रक
डॉ. दीपक अरोरा
द्वारा रामा प्रिंटर्स
53/25/1 ए बेली रोड
न्यू कटरा प्रयागराज
(उ.प्र) 211002 से
मुद्रित एवं सी-41यूपी
एसआईडीसी औद्योगिक
क्षेत्र नैनी प्रयागराज।
संपादक/प्रकाशक
डा.पुनीत अरोरा
मो.न.09415608710
RNINO.UPHIN/2015/63398
www.adhuniksamachar.com

नोटः- इस समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी0आर0बी0 एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के अधीन ही होगा।